ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

येदियुरप्पा के बारे में हल्की बातें करना बंद करें, लूट स्वीकार करें और इस्तीफा दें: विजयेंद्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 11 अगस्त, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-223

प्रधानमंत्री की ब्रा लहराने वाले पूछते हैं...

तुमने हिजाब क्यों नहीं पहना?

ढाका, 10 अगस्त (एजेंसियां)।

शेख हसीना का तख्ता पलटने के बाद बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का गठन हो गया है। इसके बावजूद वहां हिंसा रुकने का नाम नहीं ले रही है। शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग के सदस्यों के साथ-साथ हिंदू अल्पसंख्यकों के घर और मंदिरों को जलाया जा रहा है। महिलाओं के साथ कट्टरपंथी बलात्कार कर रहे हैं। इस्लामिक कट्टरपंथियों ने महिला वकील तूरीन अफरोज के घर पर हमला कर उनके साथ भीषण बदसलूकी की। उनके बाल काट दिए। लोहे के रॉड से मार मार कर उनके पैर बुरी तरह जख्मी कर दिए। बांग्लादेश की तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के अंगवस्त्र भीड़ के समक्ष उछालने वाले लोग महिला वकील से पूछ रहे थे, तुमने हिजाब क्यों नहीं पहना? इस्लामिक समुदाय की यह एक बड़ी विडंबना है।

बैरिस्टर तूरीन अफरोज अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार की अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण बांग्लादेश में मुख्य अभियोजक रही हैं। उन्होंने साल 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए कई रजाकरों के खिलाफ मुकदमा चलाने की देखरेख की थी। उन पर दो बार कातिलाना हमले हो चुके हैं।

पिछले दिनों इस्लामी भीड़ ने उनका घर घेर लिया और उन पर हमला कर दिया। हमलावरों ने उन्हें पकड़कर जबरन उनके बाल काट दिए और उनके पैरों को घायल कर दिया। सोशल मीडिया पर इस घटना की कई परेशान करने वाली तस्वीरें वायरल हो रही हैं, जिसे पीड़िता की बताई जा रही हैं। तूरीन अफ़रोज़ ने 6 अगस्त 2024 को इंडिपेंडेंट टेलीविजन से कहा था, मुझसे हमलावरों ने पूछा, मैंने हिजाब क्यों नहीं पहना है? तुम्हारी मां देश छोड़कर चली गई है। तुम क्यों नहीं गईं? उन्होंने लगातार मेरे पैरों पर लोहे की छड़ से वार किया। मैं मधुमेह से पीड़ित हूं। मेरी 16 वर्षीय बेटी मेरे साथ थी। मैं बहुत डरी हुई थी। अगर उन्होंने उसके साथ बलात्कार किया होता तो एक मां के तौर पर मैं क्या करती?

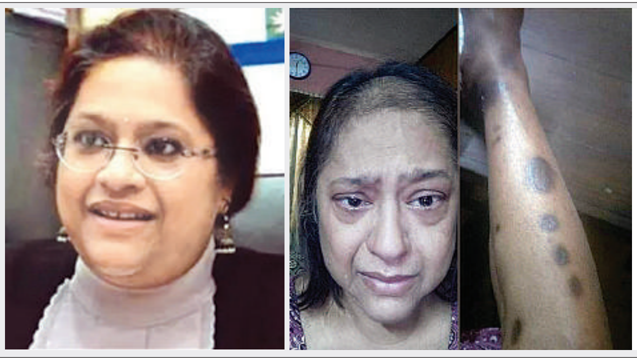

बांग्लादेशी कट्टरपंथियों ने महिला वकील को मारा और बाल काट दिए

पूर्व आईसीटी-बी अभियोजक ने कहा कि भीड़ ने उन्हें फेसबुक पर लाइव होने के लिए धमकाया। उन्हें न्यायाधिकरण के फैसले को गलत बताने के लिए कहा गया, जिसमें कई रजाकरों को फांसी दी गई थी। हमलावर चाहते थे कि मैं कहूं कि न्यायाधिकरण का फैसला गलत था। मैंने जो किया वह गलत था। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के सभी फैसले गलत थे। तूरीन अफरोज को अगले दिन यानी 7 अगस्त तक घर से बाहर नहीं निकलने दिया गया। अपनी सुरक्षा को लेकर भयभीत होने के बावजूद तूरीन अफरोज ने इंडिपेंडेंट टेलीविजन को बताया कि वह कहीं नहीं जाएंगी और बांग्लादेश में ही रहेंगी। हालांकि, गुरुवार 8 अगस्त को उन्होंने फेसबुक पर लिखा, मेरी मदद कीजिए। उत्तरा के रिहायशी इलाके पर हमला हुआ है। कृपया मदद कीजिए।

यहां यह बताना आवश्यक है कि तूरीन अफरोज ने साल 2023 के चुनावों में शेख हसीना और अवामी लीग सरकार के लिए खुले तौर पर प्रचार किया था। इसलिए प्रदर्शनों में बीएनपी और कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी को देखते हुए आशंका थी कि 1971 के बांग्लादेश मुक्ति युद्ध के रजाकारों पर मुकदमा चलाने में उनकी भूमिका के लिए तुरीन अफरोज को निशाना बनाया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) की स्थापना 2009 में पाकिस्तानी सेना और उनके समर्थक रजाकारों, अल-बद्र और अल-शम्स द्वारा किए गए अत्याचारों की जांच के लिए की गई थी। तूरीन अफरोज़ इसकी मुख्य अभियोजक थीं। साल 2019 में एमडी ओहिदुल हक नामक युद्ध अपराधी के साथ एक गुप्त बैठक के कारण उन्हें पद से हटा दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर पीएम ने दिया भरोसा

एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू नहीं होगा

70 सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की

सुप्रीम कोर्ट का फैसला राज्यों के लिए बाध्यकारी नहीं: मोदी

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी के एससी-एसटी सांसदों के 70 सदस्यों वाले प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया है कि क्रीमी लेयर को बाहर रखने संबंधी कोर्ट की टिप्पणियों पर सरकार की तरफ से कोई कदम नहीं उठाया जाएगा। भाजपा के बुलंदशहर के सांसद भोला सिंह ने बताया कि लोकसभा और राज्यसभा दोनों के एससी-एसटी कैटेगरी के सदस्य इस डेलिगेशन में शामिल थे।

भाजपा सांसद भोला सिंह ने कहा कि एससी-एसटी समुदायों के बीच क्रीमी लेयर के बारे में सुप्रीम कोर्ट के जजों की टिप्पणियों पर अपनी चिंताओं के बारे में प्रधानमंत्री को बताया। उन्होंने हमें आश्वासन दिया है कि सरकार कोई भी कदम नहीं उठाएगी और पीएम ने एक बार फिर से दोहराया कि वह एससी-एसटी कैटेगरी समुदायों के कल्याण के लिए खड़ी है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, आज एससी-एसटी सांसदों के डेलिगेशन से मुलाकात की। एससी-एसटी समुदायों के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए हमारी प्रतिबद्धता और संकल्प को दोहराया। 1 अगस्त को सात जजों की बेंच ने इस बात पर अपना फैसला सुनाया कि क्या राज्य रिजर्वेशन के मकसद से एससी-एसटी कैटेगरी के अंदर सब कैटेगरी कर सकते हैं या नहीं कर सकते हैं। इसमें से छह जज ने इसके पक्ष में अपना मत दिया था। अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि राज्यों को एससी-एसटी के बीच क्रीमी लेयर की पहचान करने के लिए एक नीति का विकास करना चाहिए। ▶10 पर

नेताओं को दलितों के हित से अधिक क्रीमी-लेयर की चिंता

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण में सब-कैटेगरी बनाने को लेकर आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले से सियासी तपिश बढ़ गई। सुप्रीम कोर्ट की 7 जजों की बेंच में शामिल जस्टिस बीआर गवई ने एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने पर भी जोर दिया। सर्वोच्च अदालत के इस फैसले ने देश में एक नए सियासी बहस को जन्म दे दिया है। दलित नेता खुलकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का विरोध कर रहे हैं। बसपा की प्रमुख मायावती ही नहीं बल्कि भाजपा के सहयोगी एलजेपी के अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और आरपीआई के प्रमुख ▶10 पर

भूस्खलन हादसे का हाल देखने वायनाड पहुंचे मोदी

पैदल ही मलबे में चल पड़े प्रधानमंत्री

राहत और मदद में कोई कमी नहीं रहेगी : मोदी

अस्पताल में घायलों से मिलकर भावुक हुए मोदी

वायनाड, 10 अगस्त (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को केरल के भूस्खलन (लैंडस्लाइड) प्रभावित वायनाड पहुंचे और चूरलमाला में पैदल ही मलबा लांघते हुए चलकर आपदा से हुए नुकसान का आकलन किया। पीएम मोदी कन्नूर हवाई अड्डे से वायुसेना के हेलीकॉप्टर के जरिए वायनाड पहुंचे और 30 जुलाई को बड़े पैमाने पर हुई लैंडस्लाइड हादसे से प्रभावित चूरलमाला क्षेत्र में पैदल चलकर नुकसान का जायजा लिया। प्रधानमंत्री ने भूस्खलन में घायल हुए लोगों का हालचाल लेने अस्पतालों में भी गए। घायलों और भुक्तभोगियों से मिल कर पीएम मोदी कई बार भावुक भी हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरल के लोगों से कहा कि आपदा की घड़ी में केंद्र सरकार उनके साथ खड़ी है और राहत कार्य के लिए केंद्र से धन की कोई कमी नहीं होगी। प्रधानमंत्री ने केरल सरकार को भी इस बारे में आश्वस्त किया और आपदा के शिकार आम लोगों की पूरी मदद करने की हिदायत दी।

इससे पहले प्रधानमंत्री ने भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर से लैंडस्लाइड प्रभावित चूरलमाला, मुंडक्कई और पुंचिरीमट्टम का हवाई सर्वेक्षण किया था। हवाई सर्वेक्षण के बाद पीएम मोदी का हेलीकॉप्टर कलपेट्टा में एसकेएमजे विद्यालय में उतरा, जहां से वह सड़क मार्ग से चूरलमाला के लिए रवाना हुए। चूरलमाला में सेना ने आपदा के बाद राहत एवं बचाव कार्यों में मदद के लिए 190 फुट लंबा बेली ब्रिज बनाया है। पीएम मोदी नुकसान का जायजा लेते हुए इस पुल से पैदल गुजरे। चूरलमाला पहुंचने के बाद पीएम मोदी अपने वाहन से उतरे, बचाव कर्मियों, राज्य के मुख्य सचिव वी वेणु और जिले के अधिकारियों से बातचीत की, फिर पैदल ही पत्थरों और मलबे से भरे क्षेत्र का सर्वेक्षण किया। ▶10 पर

भूस्खलन क्षेत्र से हटाया गया 81 टन कचरा

वायनाड, 10 अगस्त (एजेंसियां)।

केरल के वायनाड जिले में 30 जुलाई को आए विनाशकारी भूस्खलन के बाद एक बड़ा कचरा प्रबंधन अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान देश के अन्य हिस्सों में चल रहे बचाव कार्यों के लिए एक मिसाल पेश कर रहा है।

सुचित्व मिशन, क्लीन केरल कंपनी और राज्य के स्थानीय स्वशासन विभाग (एलएसजीडी) के तहत हरित कर्मा सेना के हजारों सदस्यों और समर्पित कार्यकर्ताओं ने अब तक 81 टन ठोस कचरा और 106.35 किलोमीटर तक के शौचालय अपशिष्ट को हटा दिया है। राज्य के एलएसजीडी मंत्री एम.बी. राजेश ने कहा, अब तक हरित कर्मा सेना ▶10 पर

अनंतनाग में आतंकियों से मुठभेड़ में दो जवान शहीद, तीन जख्मी

जम्मू, 10 अगस्त (ब्यूरो)।

अनंतनाग के कोकरनाग जिले के गडोल के जंगलों में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में भारतीय सेना के दो जवान शहीद हो गए। तीन जख्मी जवानों की हालत गंभीर बनी हुई है। आतंकियों से मुठभेड़ जारी है। इसी जंगल में पिछले साल 13 सितंबर को मुठभेड़ में सेना की 19 आरआर के कमांडिंग अफसर कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष, कश्मीर पुलिस के डीएसपी हुमायूं समेत पांच जवान मारे गए थे। ▶10 पर

सभापति से पहले बदतमीजी की अब अविश्वास प्रस्ताव लाएंगे

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)।

राज्यसभा के सभापति एवं देश के उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के साथ सदन में टीएमसी सदस्य डेरेक ओ ब्रायन ने बदतमीजी की। बाद में सपा सदस्य जया भादुड़ी ने भी उनके साथ अशिष्ट व्यवहार किया। इस पर सभापति ने उन्हें डांटा और संसदीय शिष्टाचार का पालन करने को कहा। विपक्ष का शिष्टाचार से क्या लेना देना। बस सभापति के ही खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव या महाभियोग का प्रस्ताव लाने का विचार किया जाने लगा।

18वीं लोकसभा का पहला पूर्ण सत्र शुक्रवार को राज्यसभा में हंगामेदार रहा, क्योंकि विपक्षी दलों और सभापति जगदीप धनखड़ के बीच तीखी नोकझोंक हुई। इंडी गठबंधन की पार्टियां धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव या महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए नोटिस देने पर भी विचार किया। जिसके बाद सोमवार को समाप्त होने वाला सत्र अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया। धनखड़ और विपक्षी सांसदों के बीच पिछले कुछ दिनों से तनातनी चल रही थी। गुरुवार को पहलवान विनेश फोगट की अयोग्यता पर विपक्ष के विरोध के बीच सभापति गुस्से में सदन से चले गए। पिछले कुछ दिनों से सभापति को हटाने के लिए नोटिस देने के मसले पर विपक्षी नेता चर्चा कर रहे थे। 31 जुलाई को विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के बारे में भाजपा सांसद घनश्याम तिवारी की टिप्पणी पर विपक्ष ने हंगामा किया। शुक्रवार को भी एक बार फिर से टकराव देखने को मिला। हंगामे के बीच समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन ने सभापति से कहा कि ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 71,740/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 82,418/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30°

न्यूनतम : 21°

संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के बाहर हुआ जोरदार प्रदर्शन

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हिंसा का मामला यूएन पहुंचा

न्यूयॉर्क, 10 अगस्त (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों पर लगातार हो रही हिंसा पर संयुक्त राष्ट्र ने गहरी चिंता जताई है और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से इसे तत्काल रोकने को कहा है। बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की मांग करते हुए शनिवार को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के बाहर बड़ी संख्या में लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व वॉशिंगटन स्थित एक एनजीओ हिंदू एक्शन ने किया। एनजीओ हिंदू एक्शन ने न्यूयॉर्क में भी कई स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किया। अमेरिका के रिप-ब्लिकन सांसद पैट फॉलन ने कहा, मैं बांग्लादेश में चल रही राजनीतिक हिंसा और धार्मिक उत्पीड़न की कड़ी निंदा करता हूं। मैं अंतरिम सरकार से बांग्लादेशी लोगों के साझा हित में कार्य करने और इस हिंसा को तुरंत समाप्त करने का आग्रह करता हूं।

बांग्लादेश में हुई हिंसा के बाद भारत-बांग्लादेश सीमा पर चौकसी बढ़ा दी गई है। ▶10 पर

तमाम देशों के राजनयिकों ने हिंसा की निंदा की

भारत के विपक्षी नेताओं ने साध रखी है चुप्पी

हजारों बांग्लादेशियों को सीमा से वापस भेजा गया

कूचबिहार, 10 अगस्त (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बांग्लादेश की सीमा पर पूरी तरह से चौकन्ना है। तभी तो हजारों की संख्या में भारत की सीमा में प्रवेश की तैयारी में बांग्लादेश के लोगों की कोशिश को नाकाम कर दिया। बीएसएफ के सूत्रों के अनुसार पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले में स्थिति दोनों देशों के बॉर्डर से बांग्लादेशी प्रवेश की तैयारी में थे। जिसकी जानकारी सीमा सुरक्षा के जवानों को लगी और उन्होंने वहां की सुरक्षा और मजबूत कर दिया। सीमा सुरक्षा बल ने इस बात की पुष्टि की है कि बांग्लादेश ने अपने जवानों को सीमा सुरक्षा के जवानों को हटा लिया है। ▶10 पर

बांग्लादेश के 52 जिलों में अल्पसंख्यकों पर हुए 205 हमले

ढाका, 10 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के पतन के बाद अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों को हिंसा का सामना करना पड़ रहा है। दो हिंदू संगठनों के अनुसार, पांच अगस्त के बाद से 52 जिलों में 205 हिंसा की घटनाएं सामने आई हैं। बांग्लादेश हिंदू बुद्ध ईसाई एकता परिषद और बांग्लादेश पूजा उद्जापन परिषद ने शुक्रवार को अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस को एक चिट्ठी लिखी। इस चिट्ठी में उन्होंने आंकड़े पेश किए, जिसमें उन्होंने हिंसा की घटनाओं का जिक्र किया। एकता परिषद के तीन अध्यक्षों में से एक निर्मल रोसारियो ने कहा, हम सुरक्षा चाहते हैं, ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

जीतो महिला विंग की सदस्याओं ने साध्वीवृंद के किए दर्शन वंदन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अंतर्गत जीतो महिला विंग द्वारा राष्ट्रीय प्रोजेक्ट श्रमण आरोग्यम यानी साधु-साध्वियों के दर्शन-सेवा -वैयावच्छ एवं प्रेरणा पाथेय पाना के तहत जैन स्थानक भवन विजयनगर में चातुर्मासार्थ विराजित महा साध्वी पूज्य श्री सुधा कंवर जी के दर्शन वंदन किए। साध्वी जी के मंगल मंत्रोच्चार से कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ। विषय पर-जर्नी ऑफ जॉय-ऑन जैन प्रिंसिपल्स पर साध्वी जी ने बताया कि जैन धर्म अहिंसा (अहिंसा), सत्य (सत्य), अस्तेय (चोरी न करना), ब्रह्मचर्य (पवित्रता), और अपरिग्रह (अपरिग्रह) जैसे सिद्धांतों पर टिका है। यही सिद्धांत संस्कृति की पहचान है। आज आप आध्यात्मिक जर्नी ऑफ जॉय के बारे में जानेंगे, समझेंगे और जीवन में अपनायेंगे तो शांति और आनंद की अनुभूति होगी। साध्वी सुयशा श्री जी ने कहा यात्रा का सार आनंद प्रसन्नता और खुशी से भरा हो तो क्या कहना। उन्होंने विशिष्ट शब्दों के माध्यम से विषय संबंधित अद्भुत परिप्रेक्ष्य के बारे में बताया कि हम किसी यात्रा पर निकलते हैं, तो हम अक्सर गंतव्य पर ध्यान केंद्रित करते हैं, लेकिन यह याद रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि यात्रा स्वयं अनुभव का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। एक सुंदर, आनंददायक और शांतिपूर्ण यात्रा मंजिल को और भी मधुर और संतुष्टिदायक बना सकती है। मानसिक स्थिति कैसे संतुलित होनी चाहिए? पर कहा कि सकारात्मक सेवन करें, अस्वस्थ विचारों को दूर करें, सोशल मीडिया को ना कहें, स्क्रीन टाइम उत्पादक होना चाहिए डिजिटल डिटॉक्स, इमोशनल डाइटिंग नकारात्मकता प्रसारित न करें। उन्होंने आगे बताया कि वास्तव में हम लोगों से क्या चाहते हैं, हम इसे बेहतर ढंग से कभी नहीं समझ सकते। इसलिए अपेक्षा न करें, लोग जैसे हैं उन्हें वैसे ही स्वीकार करें। सादगी पूर्ण जीवन जीने हेतु दैनिक जीवन में हर चीज में सावधानी बरते। जैन धर्म के सिद्धांतों ने वैज्ञानिक रूप से सिद्ध भी किया है। साध्वी जी ने सभी को प्रेरणा दी कि दूसरों की मदद करके आध्यात्मिक जीवन को समृद्ध करें। परोपकार की शुरुआत घर से होती है। प्रायोगिक गतिविधि द्वारा समझाया। रुचिका पटावरी ने नवकार मंत्र से मंगलाचरण किया। उपाध्यक्ष रेशमा पुनमिया ने सभी का स्वागत किया। जीतो महिला विंग पदाधिकारियों ने श्रमण आरोग्यम फॉर्म साध्वी जी को भेंट की। साध्वी जी ने श्रमण आरोग्यम योजना की सराहना कर कहा जीतो संस्था मानव जाति हेतु अनेका अनेक आयामों पर सुदृढ़ता से कार्य कर रही है। श्री संघ से महिला मंडल अध्यक्ष किरण भंडारी, मंत्री पवन रांका एवं बहू मंडल मंत्री चंद्रा पामेचा ने जैन प्रतीक चिन्ह से जीतो उपाध्यक्ष एवं संयोजिका का सम्मान किया। संयोजिका रुचिका पटावरी ने कुशल संचालन किया और सह संयोजिका अल्का लोढा ने पदाधिकारी का परिचय दिया एवं व्यवस्था संभाली। लगभग 70 महिलाएं उपस्थित थी। जीतो महिला विंग नॉर्थ अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी, महामंत्री सुमन वेदमुथा ने वंदन अर्ज किया।

अनासक्ति सुख-मोक्ष का कारण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए साध्वी श्री धर्मप्रभा जी ने कहा कि आसक्ति दुःख का कारण है और अनासक्ति सुख-मोक्ष का कारण हैं। संसार में बाँधकर रखने का मूल कारण है आसक्ति, मोह, मुर्च्छा व लिप्तता। जब तक मूर्च्छा कम नहीं होगी तब तक आत्मा कर्मों के बोझ से हल्की नहीं होगी।

जब तक आत्मा कर्मों के बंधनों से हल्की नहीं होगी तब तक वो उर्ध्वारोहण नहीं कर सकती हैं। रिश्तों का मोह और धन, संपत्ति वैभव आदि सांसारिक भौतिक पदार्थो की प्राप्ति का मोह - आसक्ति हमारी आत्म जागृति में बाधक है। मोह और कषाय, आसक्ति के रहते संसार की नश्वरता की समझ पाना कठिन कार्य बताया गया हैं। जैसे कमल का फूल जल से उत्पन्न होता है मगर फिर भी जल से अलिप्त रहता है।

उसी प्रकार जो संसार में मोह वश आसक्त नहीं होता उसी को पंडित, ब्राह्मण व ज्ञानी महापुरुष कहा जाता है। आसक्ति से मोह और मीट से कर्मों का बन्ध होता हैं। यह मोह ही संसार में रुलाने वाला और साधक के मुक्ति में बाधक है। साध्वी ने धर्मसभा में भरत चक्रवर्ती के प्रेरक कथानक पर भी सारगर्भित प्रकाश डालते हुए कहा कि भरत चक्रवर्ती के पास संसार के अपार सुख वैभव, भोगों के विपुल साधन होने पर भी उनमें भीतर से अपनी आत्मा में उन चीजों के प्रति सदैव अनासक्ति के भाव थे। जिनको श्रृंगार कक्ष में अनित्य भावना का चिंतन करते-करते केवलज्ञान की प्राप्ति हो गई थी।

अतः व्यक्ति उन महान आत्माओं के जीवन गाथा से प्रेरणा लेकर अपना जीवन भी अनास्वत - भावों से रहित सरल सादगी सदाचार, धर्ममय बनाए तो निश्चित ही वह भी एक दिन मुक्ति पद की प्राप्त कर सकत हैं। संघ मंत्री सुरेश कुमार धोका ने बताया कि रविवार को नानी बाई रो मायरा भक्ति की शक्ति पर आधारित विशेष प्रवचन का आयोजन रखा गया है।

वैश्य फेडरेशन महिला इकाई ने सावन महोत्सव मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महा सम्मेलन कर्नाटका की महिला इकाई ने सावन में तीज का उत्सव हर्षोल्लास से मनाया।

इस कार्यक्रम में महिला इकाई के सदस्यों ने बड़ी धूमधाम से बढ़ चढ़ कर भाग लिया। वैश्य फेडरेशन के ललित डाकलिया ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि देशी त्योंहार सावन तीज कार्यक्रम स्थानीय होटल में आयोजित किया गया। जिसमें महिला सचिव पूजा अग्रवाल ने सभी का स्वागत किया और रितु और राखी ने मंच संचालन किया। सोनू और अनिता ने सभी व्यवस्थाओं में प्रमख भूमिका निभाई। रीता ने पूरी टीम का स्वागत तुलसी के पौधे देकर किया। कार्यक्रम में समाज की वरिष्ठ महिलाओं माया, चंदा और नीरू का सम्मान भी किया गया। अध्यक्षा रितु अग्रवाल ने इस मौके पर अपने संदेश में कहा अपने पारंपरिक त्योहार मनाने से आपसी प्रेम और एकता बढ़ती है। करीब 65 सदस्याएं पारम्परिक वेशभूषा में सज धज कर आई थी। सभी महिला सदस्यों ने पारंपरिक तरीके से संगीत एवं तीज उत्सव का आनन्द उठाया। अनेकों पुरस्कार एवं लजीज व्यंजनों के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित कर खरतरगच्छ दिवस मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिनकुशलसूरि जैन आराधना भवन में श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ की तरफ से खरतरगच्छ दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। मुनिराज श्री मलयप्रभसागरजी ने अपने प्रवचन के माध्यम से गच्छ गौरव से संबंधित अनेक प्रसंगों के समृद्ध इतिहास से परिचित कराया। साध्वी श्री स्वर्णांजनाश्रीजी ने भी प्रसंगानुसार प्रवचन सुनाया। सर्व प्रथम शासनध्वज लहराकर शासनगीत के माध्यम से झंडावादन किया गया।

झंडारोहण श्री जिनकुशल सूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, मंत्री कुशल गुलेच्छा, श्री जैन श्वे खरतरगच्छ संघ के अध्यक्ष प्रकाश भंसाली, अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद के अध्यक्ष पंकज बाफना, अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद की अध्यक्षा आरती जैन, श्री जिनदत्त कुशलसूरि जैन सेवा मण्डल के अध्यक्ष अरविंद कोठारी एवं अन्य गणमान्यों द्वारा किया गया। इस अवसर पर खरतर गौरव डिजिटल प्रतिस्पर्धा भी आयोजित की गई, जिसमें खरतर-गच्छ की गौरव गाथा पर स्वनिर्मित वीडियो द्वारा अनेक प्रतिस्पर्धियों ने भाग लिया। बच्चों के विभाग में अर्हम गटागट प्रथम, तुषार धारीवाल द्वितीय एवं हुनर धारीवाल ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। पुरुषों के विभाग में तनिष्क साँखला प्रथम, हर्ष गुलेच्छा द्वितीय एवं हेमंत कवाड ने तृतीय इनाम जीता।

महिला विभाग में नंदा बाफना प्रथम, भाविका छाजेड द्वितीय एवं मधुप्रिया कवाड तृतीय रहीं। विजेताओं का बहुमान किया गया। भाग लेने वाले अन्य समस्त प्रतिस्पर्धियों को भी प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए। संघ अध्यक्ष प्रकाश भंसाली द्वारा विजेताओं के नामों की घोषणा की गई। प्रकाश भंसाली ने बताया कि संघ द्वारा 15 सितंबर के दिन क्षमापना समारोह सह स्नेह मिलन का भव्य आयोजन किया जायेगा। जिसके संपूर्ण प्रायोजक के रूप में चुन्नीलाल, तनसुखराज गुलेच्छा मोकलसर निवासी के नाम की भी घोषणा की गई। प्रतियोगिता संयोजन में तेजस छाजेड़ एवं गौरव संखलेचा की अहम भूमिका रही। यह जानकारी कैलाश संखलेचा ने दी।

विनय हमे अच्छे कर्मों की ओर अग्रसर करता है: डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्व-ावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने कहा कि महापुरुष कहते है आप जीवन के किसी भी क्षेत्र में अग्रसर हो चाहे धर्म हो या धन के क्षेत्र में, अभिमान कभी मत करो। अभिमान का त्याग कर जीवन में विनयवान बनो। गुरु सदैव अपना ज्ञान अपना आशीर्वाद विनयवान शिष्य को ही देते है। विनयवान शिष्य पर ही सदा गुरु कृपा बरसती है। शिष्य की विनम्रता और समर्पण उसे गुरु की कृपा और ज्ञान के करीब लाते हैं, जिससे वह जीवन में सही मार्गदर्शन प्राप्त करता है। जितनी विनम्रता हमारे जीवन में रहेगी उतना ही हम आगे बढ़ेंगे। शास्त्र कहते है विनय ही धर्म का मूल है। विनयवान व्यक्ति अपने व्यवहार में शालीनता और अनुशासन रखता है, जिससे वह अच्छे कर्मों की ओर प्रवृत्त होता है। जैन धर्म में विनय को आत्मा की शुद्धि का एक साधन माना जाता है, जो व्यक्ति को सही मार्ग पर चलने में सहायता करता है और उसे सुखद फल की प्राप्ति कराता है। जीवन में अगर विकास चाहते हो उन्नति चाहते हो तो विनम्रता को स्वीकार करो और अभिमान का त्याग करना चाहिए। रूपेशमुनि ने गुरु स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। नवकार महामंत्र जाप एवं आयंबिल की लड़ी गतिमान है। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

चित्त समाधि योग शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार शुक्रवार को तेरापंथ महिला मंडल आरआर नगर द्वारा चित्त समाधि शिविर का आयोजित किया गया। कार्यशाला की शुरुआत युग प्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री सिद्ध प्रभा जी के द्वारा नमस्कार महामंत्र से हुई। मंडल की बहनों द्वारा मंगलाचरण किया गया। अध्यक्ष सुमन पटावरी ने सभी बहनों का स्वागत किया। कार्यक्रम दो चरणों में संपन्न किया गया। प्रथम चरण में साध्वी आस्था प्रभा जी ने चित्त समाधि का अर्थ बताते हुए कहा चित्त का अर्थ है चेतना और समाधि का अर्थ है मन वचन और काया में क्षमता। शरीर और मन की क्षमता को समझना और उनको कैसे स्वस्थ रखें उसके लिए प्राणायाम एवं योग के प्रयोग कराए। द्वितीय चरण में साध्वी मलय यशा जी ने कैसे सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए चित्त समाधि में रहे, के बारे में बताया। जो व्यक्ति मन को जीत लेता है वह सब को जीत लेता है। जीवन संयम पूर्वक रहेगा तो हम दूसरों को खुशहाल रख सकते हैं। हमारा जीवन शुभ भावों में रहे हम चित्त समाधि में रहे। सबसे पहले हम सबसे मैत्री भाव रखें। साध्वी दीक्षा प्रभा जी ने मंगल भावना का प्रयोग कराया। खुद के अंदर की शक्तियों को जगाना है। एक-एक भावनाओं को विस्तार से बताया। बाहरी आनंद खोजने के बजाय आंतरिक शक्तियों को जगा के आनंद लें। साध्वी सिद्ध प्रभा जी ने चित्त समाधि के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा हमारा चित्त समाधि में रहे, स्वावलंबी बने, सहिष्णुता का अभ्यास करता रहे। शारीरिक स्वच्छता से पहले मन की स्वच्छता बनी रहे। दीर्घ स्वास का अभ्यास करें। संयम को जीवन में अपनाएं। आवश्यकता से अधिक न बोलें। सोचें और फिर बोले। लगभग 50 बहनों की उप-स्थित रही। सभी बहनों ने शिविर की प्रशंसा की एवं कहा कि ऐसा शिविर और आगे भी लगना चाहिए। मंत्री पदमा महेर ने सभी का आभार व्यक्त किया। सहमंत्री ममता दुग्गड़ ने संचालन किया।

मैत्री भाव ही सब गुणों की खान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सीमंधर शान्तिसूरि जैन संघ, वीवी पुरम के तत्वावधान में आचार्य श्री अरिहंतसागर सूरीश्वरजी ने श्री संभवनाथ भवन में, प्रवचन देते हुए कहा कि, हो सकता है कि शरीर अपने नियंत्रण में नहीं हो पर, मन नियंत्रण में रख सकते हैं। अगर मन स्वस्थ है तो आनंद का अनुभव कर सकते हैं। मन को तैयार कैसे करना? शरीर कितना भी सुंदर हो और मन खराब है तो, अंदर से भी बेचैनी होगी और शरीर कितना भी कुरूप/खराब हो, लेकिन मन स्वस्थ है तो आप अंदर से खुशी और आनंद का अनुभव करेंगे। सुख दुख का आधार मन है और मन को स्वस्थ रखने के लिए मैत्री भाव है। उत्कृष्ट मैत्री भाव तीर्थंकर नामकर्म तक पहुंचाता है। किसी के प्रति बुराई का भाव नहीं होना चाहिए। माता-पिता, अड़ोस पड़ोस किसी की भी सेवा में स्वार्थ भावना नहीं आनी चाहिए। स्वार्थ भावना को नष्ट करने के लिए यह मानव भव मिला है। अगर स्वार्थ भावना नष्ट नहीं करेंगे तो स्वार्थ की भावना आने वाले भव में साथ चलेगी । अच्छा किया है तो अच्छा फल मिलेगा ही, ये दृढ विश्वास होना चाहिए। भले ही सामने वाला आपका कुछ भी ना करें तो भी आपको तो लाभ ही है। पुत्र का लालन-पालन किया और बड़ा होकर आपके काम ना आए तो, पुत्र के प्रति खराब विचार आएंगे क्योंकि, अंदर स्वार्थ की भावना है। आपका सुख आपके हाथ में है। मन का परिवर्तन यदि शक्य ना हो तो धर्म करने की आवश्यकता ही नहीं रहेगी। मैत्री भावना करने से हमारी आत्मा में अनेक का गुण प्रकट होते हैं। धन की शक्ति लिमिटेड है परंतु गुण की शक्ति अनलिमिटेड है।

विविधता में एकता वाली है भारतीय संस्कृति : वज्ररत्न सागरजी

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में पार्श्वनाथ जैन मंदिर के भवन में चातुर्मास विराजित आगमरत्न सागरजी, प्रशमरत्न सागरजी और वज्ररत्न सागरजी ने धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए कहा आज समस्त विश्व पाश्चात्य संस्कृति का अनुपालन कर रहा है। ऐसे में भला भारतवासी कहां पीछे रहने वाले हैं। अतः भारत में भी पाश्चात्य सभ्यता-संस्कृति का अनुगमन व अनुपालन धड़ल्ले से किया जा रहा है। लोग इसके अनुपालन कर स्वयं को आधुनिक एवं विकसित देशों के समक्ष मानने लगे हैं। आज की युवा पीढ़ी को क्या कहें, पुरानी पीढ़ी भी पाश्चात्य संस्कृति के अनुपालन से पीछे नहीं हट रही है। आज गली-चैराहे, बाजार व अन्य सार्वजनिक स्थल कहीं भी चले जाएँ, हमें पाश्चात्य रंग में रंगे लोगों की टोलियां सहज ही दिख पड़ेंगी। सबसे अधिक परिवर्तन लोगों के

वेषभूषा में आया है। वेशभूषा भी अभद्रता का पर्याय बन चुकी है। पश्चिमी वस्तुओं का सीमित उपयोग हमें आगे ले जा सकता है।

मैं यह नहीं कहता कि पाश्चात्य संस्कृति बुरी है, लेकिन इसके सीमित प्रयोग तथा हमारी प्राचीन सभ्यता-संस्कृति के साथ तालमेल ही हमारे लिए सार्थक है। हमें अपनी सभ्यता-संस्कृति को संरक्षण देना चाहिए, क्योंकि यही हमारी सांस्कृतिक विरासत है। पाश्चात्य संस्कृति को स्वयं में इतना ही प्रवेश करने देना चाहिए कि वे हमारे अस्तित्व को ही न मिटा कर रख दें। भारतीय संस्कृति के बारे में सोचा जा सकता है कि यहां एकता कैसे है? यहां तो धर्म, रीति, पद्धति, पहनावा, बोली, रहन-सहन आदि सब में भिन्नता है। यह सही है परंतु यह इससे ज्यादा सही है कि इस विविधता के बाद यहां एकता है, परस्पर प्रेम और त्याग की भावना है। जैसे अनेक वाद्य मिलकर अत्यंत मधुर वातावरण बना देते हैं ठीक उसी प्रकार यहां अनेकता एकता में मिलकर प्रयाग के आनंद की अनुभूति कराती है।

अंजनेय स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना

येदियुरप्पा के बारे में हल्की बातें करना बंद करें, लूट स्वीकार करें और इस्तीफा दें: विजयेंद्र

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई.विजयेंद्र ने सीएम सिद्धरामैया को अपनी सीटें बरकरार रखने के लिए काम करने की चुनौती देते हुए कहा कि येदियुरप्पा के बारे में हल्की बातें करना बंद करें। उन्होंने मांग की कि येदियुरप्पा का राजनीतिक संन्यास वाला बयान वापस लिया जाए। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री हजारों करोड़ रुपये की लूट स्वीकार करें और इस्तीफा दें। अगर मुडा घोटाले में 5 हजार करोड़ की हेराफेरी नहीं हुई तो आप सदन से क्यों भाग गये? मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने विपक्ष को क्यों दी धमकी? उन्होंने पूछा कि क्या आप अब भी येदियुरप्पा को देखकर डरते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी लड़ाई सिर्फ भ्रष्ट मुख्यमंत्रियों के खिलाफ नहीं है, बल्कि भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावादी कांग्रेस सरकार के खिलाफ भी है। मुडा की जमीन अवैध रूप से खरीदी गई और सिद्धरामैया की पत्नी को दे दी गई। हमारा संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने घोषणा की कि हमारे संघर्ष को दबा पाना किसी के लिए भी असंभव है। उन्होंने पदयात्रा में भाग लेने वाले सभी लोगों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि जब तक भ्रष्ट कांग्रेस सरकार नहीं हटेगी तब तक संघर्ष जारी रहेगा। आपके पास गरीबों और किसानों की रक्षा करने की इच्छाशक्ति नहीं है। मकान गिरने पर हमारी भाजपा सरकार ने 5 लाख दिये थे। इस सरकार ने 1 लाख देने का ऐलान किया है। लेकिन, वह भी नहीं दिया गया। आंगनबाडी कार्यकर्ताओं को दो माह से मानदेय नहीं मिला है। 15 माह में किसी नई विकास परियोजना की घोषणा नहीं की गयी। कांग्रेस की मनहूस सरकार आने के बाद एक तरफ भयंकर सूखा पड़ा, क्या 1500 किसानों ने आत्महत्या नहीं की? उन्होंने पूछा कि क्या यही आपकी रोल मॉडल सरकार है। अगर विपक्ष चुनौती देगा तो क्या आप हमें धमकी देंगे? सिद्धरामैया का समाजवादी मुखौटा उतर गया है। आपने हमारे संघर्ष को दबाने के लिए पुलिस का इस्तेमाल किया। इससे पहले विजयेंद्र ने कहा कि ऐसी स्थिति आएगी कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को इस्तीफा देना पड़ेगा। यहां अंजनेय स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे मार्च के परिणामों के कारण मुख्यमंत्री को इस्तीफा देना होगा। इस सवाल के जवाब में कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया यह नहीं कह रहे हैं कि वह इस्तीफा नहीं देंगे, उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया इस्तीफा देंगे या नहीं यह आने वाले दिनों में पता चलेगा। उन्होंने कहा मैसूरु के महाराजा कॉलेज में एक सम्मेलन आयोजित किया गया। इसके लिए मैंने आंजनेय स्वामी की पूजा की और पैदल महाराजा कॉलेज पहुंचा। कांग्रेस पार्टी से प्रदेश की जनता को कोई फायदा नहीं हो रहा है। इसलिए हमने भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए यह यात्रा शुरू की और यह सफल रही। उन्होंने कहा कि हम सम्मेलन कर देश की जनता को कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार और उनके द्वारा चलाये जा रहे कुशासन के बारे में समझा रहे हैं। इस मौके पर पूर्व विधायक नागेंद्र व अन्य मौजूद थे।

कर्नाटक में 2 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता निलंबित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक में दो आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को निलंबित कर दिया गया, जब यह बात सामने आई कि उन्होंने मध्याह्न भोजन में बच्चों को अंडे दिए थे, लेकिन वीडियो बनने और फोटो खिंचवाने के तुरंत बाद उनसे अंडे छीन लिए गए। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना कर्नाटक के कोप्पल में एक आंगनवाड़ी स्कूल में हुई। विवादित दो कार्यकर्ताओं, लक्ष्मी और शैनाजा बेगम को निलंबित कर दिया गया, जबकि महिला एवं बाल कल्याण विभाग ने स्कूल के कर्मचारियों के साथ-साथ सामान्य रूप से आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को एक आदेश जारी किया। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि जिला सत्र न्यायाधीश और कानूनी सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष सी चंद्रशेखर की अध्यक्षता में न्यायाधीशों की एक टीम ने कोप्पल जिले में लगभग 53 आंगनवाड़ियों का दौरा किया, और उनकी स्थिति देखकर चौंक गए। रिपोर्ट से पता चलता है कि कई आंगनवाड़ियों में उनके रजिस्टर में वास्तव में नामांकित बच्चों की तुलना में अधिक बच्चे दिखाए गए हैं। इसके अलावा, स्वच्छता एक बड़ा मुद्दा है, कई आंगनवाड़ी स्कूलों में दरवाजे और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। कई सरकारी दस्तावेज पेंसिल से लिखे पाए गए। पूछने पर कर्मचारियों ने बताया कि उच्च पदस्थ अधिकारियों ने उन्हें पेंसिल का इस्तेमाल करने के लिए कहा था। इसके अलावा, आंगनवाड़ी में मौजूद प्राथमिक चिकित्सा किट एक कार्यकर्ता के घर में मिली। यह पहली बार नहीं है जब कर्नाटक आंगनवाड़ियों की ऐसी दयनीय स्थिति सामने आई है। जून में, कर्नाटक राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (केएसएलएसए), बेंगलूरु ने राज्य द्वारा संचालित आंगनवाड़ियों में कई कमियों की ओर इशारा किया था। जून में केएसएलएसए अधिकारियों द्वारा बेंगलूरु में चार आंगनवाड़ियों का औचक निरीक्षण करने के बाद अलग रसोई की कमी से लेकर खराब भोजन की गुणवत्ता तक कई समस्याओं पर प्रकाश डाला गया। निरीक्षणों से पता चला कि इन केंद्रों में कई बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। उदाहरण के लिए, सरबंदे पाल्या में आंगनवाड़ी केंद्र में बिजली की आपूर्ति नहीं थी और हरि कॉलोनी में पानी की आपूर्ति नहीं थी, जो बुनियादी सुविधाओं की कमी को दर्शाता है।

मैं भाजपा-जेडीएस के बेबुनियाद आरोपों के खिलाफ राजनीतिक और कानूनी तौर पर लड़ूंगा: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि हम भाजपा-जेडीएस के बेबुनियाद आरोपों के खिलाफ राजनीतिक और कानूनी तौर पर लड़ेंगे। मैसूरु के चामुंडी हिल में देवी चामुंडेश्वरी के दर्शन करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मेरे व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए बेबुनियाद आरोप लगाया गया है। विपक्षी दलों के आरोपों में कोई दम नहीं होने के कारण जनांदोलन का सम्मेलन शुक्रवार को आयोजित किया गया। झूठे आरोप लगाने के इनके घोटाले बहुत हो चुके हैं। हम पहले ही कुछ का उल्लेख कर चुके हैं। कुछ पर अभी भी चर्चा चल रहा है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट के बाद इनका खुलासा होगा। पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा, केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र, विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक समेत अन्य सभी के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। उन्होंने जनता के आशीर्वाद से चल रही राज्य सरकार को अस्थिर करने की कोशिश की है। मुझे इसकी परवाह नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर वह मेरे व्यक्तित्व को धूमिल करेंगे तो यह राजनीतिक रूप से फायदेमंद होगा। उल्लेखनीय है कि सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी ने विपक्षी दलों को मैसूरु में आयोजित विशाल जनांदोलन सम्मेलन में शक्ति प्रदर्शन की धमकी देते हुए भाजपा-जेडीएस गठबंधन दलों को चेतावनी दी है कि वे घोटालों को उजागर करेंगे और उन्हें दंडित करेंगे। दावणगेरे में आयोजित मुख्यमंत्री सिद्धरामैया-75 की तर्ज पर मैसूरु के महाराजा कॉलेज मैदान में आयोजित कांग्रेस जन आंदोलन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और विधायकों समेत कई नेताओं ने विपक्षी भाजपा-जेडीएस की आलोचना की। सीएम सिद्धरामैया के परिवार के खिलाफ सुनाई दे रहे मुडा कांड को लेकर वे बेंगलूरु से मैसूरु तक मार्च कर रहे हैं। सिद्धरामैया ने अपने ऊपर लगे गंभीर आरोपों का करारा जवाब दिया और भाजपा-जेडीएस के कार्यकाल में हुए घोटालों का पर्दाफाश करने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा मुडा घोटाले में मेरी कोई भूमिका नहीं है। मैं विपक्ष के झूठे आरोपों से नहीं डरता। हम सरकार को अस्थिर करने की कोशिश करने से नहीं हिचकिचाएंगे। उन्होंने गरजते हुए कहा कि हम जनसमर्थन की लड़ाई के साथ-साथ कानून की लड़ाई भी लड़ेंगे। विपक्ष चाहे कितनी भी कोशिश कर ले, वह हमारी मजबूत सरकार को हिला नहीं सकता। उन्होंने कहा कि हमारी पूरी कैबिनेट सीएम के समर्थन में चट्टान की तरह खड़ी रहेगी। कांग्रेस के पास 136 विधायक हैं। आप इस भ्रम में हैं कि हम दस महीने में इस सरकार को हिला देंगे। 10 साल भी हिला नहीं सकते। उन्होंने कहा कि आपकी पाप तीर्थयात्रा से हमें ताकत मिली है।

मैसूरु-चलो पदयात्रा का समापन सम्मेलन आयोजित

येदियुरप्पा ने सिद्धरामैया को कर्नाटक विधानसभा भंग कर नए चुनाव का सामना करने की दी चुनौती

कथित घोटालों पर दस्तावेजों की एक पुस्तक का विमोचन

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य बीएस येदियुरप्पा ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को चुनौती दी कि अगर उन्हें लगता है कि लोग उनके शासन से खुश हैं तो उन्हें राज्य विधानसभा भंग कर नए चुनाव का सामना करना चाहिए। वे शनिवार को मैसूरु के महाराजा कॉलेज ग्राउंड में भाजपा-जद(एस) गठबंधन के समापन सम्मेलन मैसूरु-चलो पदयात्रा के दौरान बोल रहे थे। बाद में उन्होंने कांग्रेस नेताओं के कथित घोटालों पर दस्तावेजों की एक पुस्तक का विमोचन किया। येदियुरप्पा ने कहा कि सिद्धरामैया मुख्यमंत्री बन जाते क्योंकि कांग्रेस को राज्य चुनावों में बहुमत मिला था। लेकिन, कर्नाटक के लोग निराश हैं, क्योंकि पिछले साल कांग्रेस सरकार बनने के बाद से कोई विकास कार्य नहीं हुआ है। इसके विपरीत, सिद्धरामैया और कांग्रेस नेता राज्य को लूट रहे हैं। अगर अभी चुनाव होते हैं, तो भाजपा-जद(एस) गठबंधन चुनेगा और लोग कांग्रेस को हराएंगे। येदियुरप्पा ने कहा मैं भले ही 82 साल का बुजुर्ग हूं। लेकिन, मैं सिद्धरामैया को हटाए बिना चैन से नहीं बैठूंगा। उन्होंने मुझसे राजनीति से संन्यास लेने को कहा है। लेकिन, मैं उन्हें हटाने के लिए अपनी आखिरी सांस तक लड़ूंगा। भाजपा और जेडीएस दोनों के

नेताओं और कार्यकर्ताओं को गठबंधन को सत्ता में लाने के लिए प्रयास करना चाहिए। किसी ऐसे मुख्यमंत्री का नाम बताइए, जिसने अपने या अपने परिवार के सदस्य को 14 कीमती आवासीय भूखंड दिलवाए हों। फिर भी, सिद्धरामैया बिना दाग वाले राजनेता होने का दावा करते हैं। लेकिन, जैसा कि केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा, सिद्धरामैया राजनीति में केवल दागों से बने हैं। उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार पर निशाना साधते हुए येदियुरप्पा ने कहा कि उपमुख्यमंत्री को अपना अहंकार त्याग देना चाहिए। शिवकुमार कहते हैं कि वे चट्टान हैं। लेकिन, उन्हें समझना चाहिए कि वोट देने वाले लोग ही चट्टान हैं। केवल वे ही सरकार बना या बिगाड़ सकते हैं। शिवकुमार के पापों का घड़ा भर गया है। इसलिए, वे अहंकार दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा अब समय आ गया है कि बर्तन बाहर आ जाए। उन्होंने कहा हमारा संघर्ष मैसूरु तक सीमित नहीं होना चाहिए। सिद्धरामैया के इस्तीफे और सरकारी घोटालों के मद्देनजर दोनों दलों के नेताओं ने आने वाले दिनों में राज्य भर में भ्रष्ट सरकार के खिलाफ लड़ने की कसम खाई है। इससे पहले दावणगेरे, शिवमोग्गा, तुमकुरु, चित्रदुर्ग, कोलार, चिकबल्लापुर, रामनगर, मांड्या, चामराजनगर सहित राज्य भर से एक लाख से अधिक कार्यकर्ता एकत्र हुए। देश के कोने-कोने से बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और प्रशंसकों के आने से मैसूरु सचमुच भगवा और हरे रंग में रंग गया। मंच पर बोलने वाले दोनों दलों के नेताओं ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ जमकर आग उगली। जगदीश शेट्टार, केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी, राज्य भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र, आर. अशोक, अश्वथ नारायण, बी. श्रीरामुलु और अन्य ने भाजपा की ओर से बात की। जेडीएस की ओर से कुमारस्वामी, जीटी देवगौड़ा, सुरेश बाबू, निखिल कुमारस्वामी और अन्य ने सरकार के खिलाफ हल्ला बोला। नेताओं ने राज्य सरकार के घोटालों पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार भ्रष्टाचार से भरी हुई है। आर अशोक ने वादा किया कि हमारा संघर्ष तब तक नहीं रुकेगा जब तक उन्हें घर नहीं भेजा जाएगा, जो लोगों से झूठे वादे करके सत्ता में आए हैं, जिन्हें मिस्टर क्लीन इमेज के नाम से जाना जाता है और उनके परिवार पर अवैध अधिसूचना का आरोप लगाया गया है। उन्हें नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने दोहराया कि तब तक हमारे लिए अपना संघर्ष छोड़ने का कोई सवाल ही नहीं है। हमारे बीच छोटे-मोटे मतभेद हो सकते हैं। हम जानते हैं कि इसे कैसे ठीक करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमारा संघर्ष कांग्रेस सरकार के खिलाफ है, किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं। भ्रष्टाचार मुक्त शासन देने का दावा करने वाली कांग्रेस आज सभी राज्यों में फेल हो चुकी है। बिना रिश्वत के कोई काम नहीं होता। खास तौर पर कुमारस्वामी ने अपने भाषण में उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार के सभी आरोपों का खंडन किया।

कड़ी पुलिस सुरक्षा

इस दौरान जुटे कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गयी। इससे पहले आठ दिन पहले केंगेरी से शुरू हुआ यात्रा सुबह मैसूरु के कोलंबिया एशिया जंक्शन से शुरू हुआ था। वहां से दोस्ती पार्टी के नेता और कार्यकर्ता मुख्य मार्गों पर राज्य सरकार के खिलाफ अवज्ञा के नारे लगाते हुए और दोनों दलों के नेताओं की जय-जयकार करते हुए मंच पर पहुंचे। मैसूरु चलो पदयात्रा के समापन समारोह में भाग लेने वाले लोगों की बड़ी संख्या को देखते हुए, महाराजा कॉलेज मैदान और उसके आसपास चार स्तर की सुरक्षा प्रदान की गई थी और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सुरक्षा प्रदान की गई। पार्किंग एवं वैकल्पिक यातायात मार्गों की व्यवस्था की गई। मैसूरु चलो सम्मेलन की सुरक्षा के लिए 4,500 पुलिसकर्मी, तीन डीवाईएसपी, 22 इंस्पेक्टर, 175 एसआई, 100 कमांडो, 500 होम गार्ड और सीएआर इकाइयों के साथ केएसआरपी को तैनात किया गया था।

कल से राज्य के दक्षिणी इलाकों में बारिश में वृद्धि की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पिछले एक सप्ताह से कमजोर हुई मानसूनी बारिश के सोमवार से फिर से तेज होने का अनुमान है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, सोमवार से 15 अगस्त तक तटीय और पहाड़ी इलाकों में मध्यम बारिश होगी और दक्षिणी भीतरी इलाकों में बारिश की मात्रा बढ़ जाएगी।

राजधानी बेंगलूरु समेत राज्य के अधिकांश हिस्सों में छिटपुट मध्यम बारिश जारी है। हालांकि, भारी बारिश नहीं हो रही है। अनुमान है कि तटीय

और पहाड़ी इलाकों में बारिश की मात्रा कम हो जाएगी, जहां भारी बारिश ने लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। उत्तरी भीतरी इलाकों में भी मध्यम बारिश जारी रही। दक्षिणी भीतरी इलाकों में कुछ स्थानों पर व्यापक बारिश हो रही है, और दो दिनों के बाद बारिश की मात्रा बढ़ जाएगी।

1 अगस्त से अब तक ऊंचाई वाले इलाकों और उत्तरी भीतरी इलाकों में सामान्य से कम बारिश हुई है, जबकि दक्षिणी भीतरी इलाकों और तटीय इलाकों में सामान्य बारिश हुई है। कुछ जगहों पर बारिश कम हुई है तो कुछ जगहों पर सामान्य से ज्यादा बारिश हुई है। इस प्रकार, राज्य में सामान्य से अधिक वर्षा हुई है। केरल के वायनाड और कोडागु पहाड़ी इलाकों में कम बारिश के कारण कपिला, कावेरी, हेमावती, तुंगा, भद्रा और शरावती नदियों की बाढ़ कम हो गई है। प्रमुख जलाशयों में पानी का प्रवाह भी काफी कम हो गया है। इसी तरह नदी में पानी का बहाव भी कम हो गया है। इससे संबंधित नदी के किनारे लोगों को होने वाली बाढ़ की आशंका अस्थायी तौर पर दूर हो गयी है। हालांकि, कृष्णा कोल्ला की तुंगभद्रा, भीमा और कृष्णा नदियों में बाढ़ की स्थिति अभी भी दूर नहीं है।

भ्रष्ट सरकार के गिरने तक करेंगे संघर्ष: कुमारस्वामी

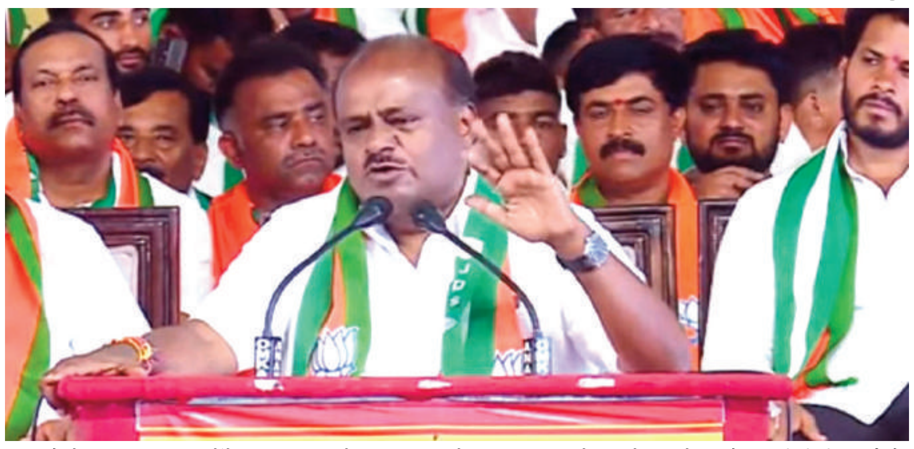

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि इस सरकार को जाना चाहिए। उन्होंने कहा अन्यथा हम तब तक संघर्ष जारी रखेंगे जब तक हम हार नहीं जाते।

महाराजा कॉलेज मैदान में आयोजित मैसूरु चलो पदयात्रा के समापन समारोह में उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी नहीं कहा कि वह कांग्रेस सरकार गिरा देंगे। हालांकि उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा है कि उन्होंने राज्य में 136 सीटें जीती हैं और सिद्धरामैया के लिए चट्टान बनकर खड़े हैं। शिवकुमार ने मुझे पहले भी यही बताया था। मालूम हो कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 9वीं सीट कैसे जीत ली। उन्होंने कहा कि मैं कहूंगा कि उन्होंने 8 सीटें जीती हैं। उन्होंने सिद्धरामैया के एक बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा है कि मेरे ऊपर कोई कलंक नहीं है, तो मुडा घोटाला क्या है। साथ ही सिद्धरामैया पर तंज कसते हुए कहा कि वह पिछड़े वर्ग के मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि राज्य की साढ़े छह करोड़ जनता के मुख्यमंत्री हैं। हमने अवैध तरीके से साइट हासिल करने के बारे में पूछा है। उन्होंने कहा कि हल्दी कुमकुम की तरह जमीन दान करना गलत है। अगर जमीन कानूनी तौर पर दी गई होती तो हम इस पर सवाल नहीं उठाते। सरकारी जमीन सिद्धरामैया को दे दी गई। सीधे मुख्यमंत्री की नाक के नीचे अवैध गतिविधि हुई है। ज्ञातव्य है कि एक दिन पहले ही उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने दोनों पार्टियों पर जमकर निशाना साधा था। विपक्ष चाहे कितनी भी कोशिश कर ले, वह हमारी मजबूत सरकार को हिला नहीं सकता। उन्होंने कहा कि हमारी पूरी कैबिनेट सीएम के समर्थन में चट्टान की तरह खड़ी रहेगी। कांग्रेस के पास 136 विधायक हैं। आप इस भ्रम में हैं कि हम दस महीने में इस सरकार को हिला देंगे। 10 साल भी हिला नहीं सकते। उन्होंने कहा कि आपकी पाप तीर्थयात्रा से हमें ताकत मिली है। एस.एम.कृष्णा ने कावेरी के लिए ट्रैकिंग की थी। हम मेकेदातु योजना की ओर बढ़े। राहुल गांधी ने भारत जोड़ों कार्यक्रम में हिस्सा लिया और लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने सवाल किया कि आपकी पदयात्रा क्यों चल रही है। डीके शिवकुमार ने गरजते हुए कहा कि मुडा कांड, जो हुआ ही नहीं, उस पर सीएम से इस्तीफा मांगने का आपका खेल नहीं चलेगा। इसमें मुख्यमंत्री की कोई गलती नहीं है। उन्होंने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि सिद्धरामैया जो एक लोकप्रिय कार्यकर्ता हैं, उनके बारे में झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं।

भूस्खलन के कारण बेंगलूरु और मेंगलूरु के बीच ट्रेन सेवाएं फिर से प्रभावित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भूस्खलन के कारण शुक्रवार की रात से मेंगलूरु और बेंगलूरु के बीच चलने वाली ट्रेनें सकलेशपुर और अलूर के बीच फंसी हुई हैं। बल्लुपेट और सकलेशपुर के बीच भूस्खलन के कारण पटरियां दब गई हैं, जिससे ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई है। सैकड़ों यात्री फंसे हुए हैं। उन्होंने रेलवे अधिकारियों से अनुरोध किया है कि उनकी यात्रा के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाए। रेलवे कर्मचारियों ने मलबा हटाने का काम शुरू कर दिया है। भूस्खलन से प्रभावित सकलेशपुर-सुब्रमण्य रोड के बीच पटरियों को साफ करने के बाद 8 अगस्त को बेंगलूरु-मेंगलूरु पर ट्रेनों की आवाजाही फिर से शुरू हुई। केएसआर बेंगलूरु-कन्नूर एक्सप्रेस (16511) को अलूर में रोका गया है। एसएमवीटी बेंगलूरु-मुर्देश्वर एक्सप्रेस (16585) को हासन में रोका गया है। मुर्देश्वर-एसएमवीटी बेंगलूरु एक्सप्रेस (16586) को सकलेशपुर में रोका गया है। कन्नूर-केएसआर बेंगलूरु एक्सप्रेस (16512) को सकलेशपुर में नियंत्रित किया गया है। कारवार-केएसआर बेंगलूरु पंचगंगा सुपर-फास्ट एक्सप्रेस (16596) को डोनिगल में नियंत्रित किया गया है। दक्षिण पश्चिम रेलवे द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, कर्मचारियों ने स्टेशनों पर यात्रियों के लिए भोजन और चाय की व्यवस्था की। बहाली का काम प्रगति पर है।

अब से प्रतिष्ठित निजी डिग्री कॉलेजों में भी गरीब मेधावी छात्रों को सरकारी कोटे के तहत मिलेंगी सीटें

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उच्च शिक्षा विभाग ने इंजीनियरिंग और मेडिकल पाठ्यक्रमों के सीट आवंटन के समान ही बीए, बीएससी, बीकॉम सहित विभिन्न डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए निजी कॉलेजों में सीटें आवंटित करने का प्रस्ताव दिया है। इस कदम से विभाग ने निजी डिग्री कॉलेजों को बड़ा झटका दिया है। अब से प्रतिष्ठित निजी डिग्री कॉलेजों में भी गरीब मेधावी छात्रों को सरकारी कोटे के तहत सीटें मिलेंगी। उच्च शिक्षा विभाग ने इंजीनियरिंग और मेडिकल सीट आवंटन मॉडल में निजी डिग्री कॉलेजों में सरकारी कोटे के तहत 40 प्रतिशत डिग्री सीटें प्राप्त करने का प्रस्ताव दिया है। ऐसे में छात्रों को इसी साल 40 फीसदी सरकारी सीटें मिल सकती हैं। यह उन छात्रों के लिए खुशी की बात है जो निजी कॉलेजों में डिग्री हासिल करने का इरादा रखते हैं। इन सीटों को केईए या सीओएमईडी-के मॉडल में आवंटित करने का विचार है। गरीब प्रतिभाशाली छात्रों को प्रतिष्ठित निजी कॉलेजों में बीए, बीकॉम, बीएससी, बीबीए सहित विभिन्न डिग्री पाठ्यक्रमों में प्रवेश नहीं मिल पाता था। उन्हें सरकारी कॉलेजों पर निर्भर रहना पड़ता था। अब सरकारी सीटों के माध्यम से गरीब मेधावी छात्रों को प्रतिष्ठित डिग्री कॉलेजों में प्रवेश मिल सकेगा। इससे पहले, निजी डिग्री कॉलेज 100 प्रतिशत प्रबंधन कोटा के तहत नामांकन कर रहे थे। प्राइवेट कोटा के तहत नामांकन हुआ था। इस प्रकार प्रतिभाशाली गरीब छात्र प्रतिष्ठित कॉलेजों में पढ़ने के लिए संघर्ष कर रहे थे, क्योंकि वे फीस का भुगतान नहीं कर सकते थे। सरकार के इस कदम से गरीब छात्रों को फायदा होगा।

धारवाड़ के छात्र की मौत का मामला

चालक के खिलाफ पुलिस ने सख्त कानून लागू किया

धारवाड़/शुभ लाभ ब्यूरो। धारवाड़ में एक युवा छात्र की मौत का कारण बने चालक द्वारा लापरवाही से वाहन चलाने के मामले को गंभीरता से लेते हुए हुब्बल्ली धारवाड़ पुलिस ने आर-ोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 105 लागू की है। हुब्बल्ली में मामले के बारे में पत्रकारों को जानकारी देते हुए पुलिस आयुक्त एन. शशिकुमार ने कहा कि बुधवार आधी रात को धारवाड़ में एक एमयूवी ने छात्र को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। धारवाड़ निवासी 20 वर्षीय छात्र रोहित जगदीश कुंभार की चोटों के कारण मौत हो गई। दुर्घटना के बाद चालक ने वाहन नहीं रोका और मौके से भाग गया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी का पता लगाया, जो हुब्बल्ली में एक नेत्र अस्पताल में काम करने वाला चालक था। आरोपी की पहचान धारवाड़ जिले के कुंदगोल तालुक के रमनकोप्पा निवासी महंतेश यल्लप्पा कुराडे के रूप में हुई है, जिसे अब न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस आयुक्त ने कहा कि चालक ने वाहन चलाते समय लापरवाही बरती, जिससे यह जानलेवा दुर्घटना हुई, जबकि उसे पता था कि उसकी हरकत से अन्य लोगों को चोट लग सकती है। उन्होंने कहा कि चालक की लापरवाही को देखते हुए, उन्होंने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 105 और 106 (1) के तहत गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज करने का फैसला किया। पुलिस आयुक्त ने कहा कि वे वाहन चालकों से सावधानी से वाहन चलाने की अपील करेंगे। शशिकुमार ने कहा कि इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि उनका बेटा जीवित नहीं रहेगा, छात्र के माता-पिता ने अंगदान की अनुमति दी, जिससे अन्य लोगों की जान बच गई।

समभाव से कषाय को जीतें: राजेशमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक भवन में प्रवचन में राजेश मुनिजी ने फरमाया कि हमें जिनवाणी इस उद्देश्य से सुननी चाहिए कि हमारी आत्मा का उद्धार हो।

जिनवाणी से हम जीने की कला सीख सकें, इसके सूत्र हमारे आचरण में उतरें तो ही हमारे जीवन का कल्याण हो सकता है। जिनवाणी में नास्तिक को भी आस्तिक बनाने की क्षमता है। उत्तराध्ययन सूत्र की व्याख्या करते हुए फरमाया कि हमें अपने संसार को सीमित करना है और मोक्ष की प्राप्ति करनी है। शील और तप से कषाय की आग को ठंडा करना है। प्रतिशोध और प्रतिरोध की अग्नि को प्रतिबोध से ठंडा करना है। मुनि ने कहा कि सामायिक के माध्यम से समभावों को साधते हुए जीवन को ऊंचा उठाने का प्रयास करना चाहिए। समभाव से ही कषायों को जीता जा सकता है। इसके पहले ऋषभ मुनि ने कहा कि यदि हम चाहते हैं कि मृत्यु के बाद भी लोग हमें याद करें और हमारा जीवन सूर्य के समान प्रकाशित हो तो हमें भगवान की सच्ची अनुयाई बनकर गुरु की आज्ञा में जीवन जीना चाहिए। संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने धर्मसभा का संचालन किया।

मर्यादा में हमारी सुरक्षा भी है और शोभा भी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानक वासी जैन बावीस संप्रदाय संघ के तत्व-ावधान में गणेश बाग में आयोजित प्रवचन में विनय मुनि जी खीचन ने कहा कि मर्यादा में हमारी सुरक्षा भी है और शोभा भी। राष्ट्र हो या समाज प्रत्येक का एक संविधान होता है जो आम व्यवस्था व एक रुपता के लिए आवश्यक है। आज मर्यादा के प्रति हमारा समर्पण घट रहा है, इसलिए सामाजिक समस्याएं बढ़ रही हैं। परिवार बिखर रहे हैं और संस्कृति छिन्न भिन्न हो रही है और हम बेबस लाचार हो गए हैं। विनय मुनि जी ने आगे कहा कि हम जड़ से राग कम करें और जीव से द्वेष कम करें। जीवन यात्रा का यह साधना सूत्र है। भौतिक पुद्गलों के लिए हम अपना समय और संपदा व्यर्थ कर रहे हैं जबकि अपनों से ही दूर होते जा रहे हैं। रिश्तों की बुनियाद कमजोर हो रही हैं। विचार तामसिक हो रहे हैं और अहम भावना बढ़ रही हैं। सात्विकता काम पड़ रही हैं। आवश्यक सूत्र में सामायिक पर व्याख्या करते हुए मुनि श्री ने बताया कि सिद्धांतों को हम मजबूरी नही समझे। साधना में बहाने बाजी स्वयं को स्वयं का धोखा है। समस्याओं से निवृति का साधन सामायिक है। चातुर्मास कल्प साधुओं का साधना काल हैं। भक्तों की भीड़ का उद्देश्य नहीं होना चाहिए। प्रदर्शन की चाह मानसिक अशांति कराती हैं और स्वदर्शन में समाधि रहती हैं। प्रसन्न मंडोत ने सभा का संचालन किया।

निजी बस ने लॉरी को टक्कर मारी, कई छात्र घायल

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के कुंडापुरा में शनिवार सुबह बिंदूर से कुंडापुरा जा रही एक निजी एकेएमएस बस तल्लूर पर्यटन स्थल के पास एक लॉरी से टकरा गई। टक्कर से बस का पिछला हिस्सा और लॉरी का अगला हिस्सा दोनों ही क्षतिग्रस्त हो गए।

टक्कर में वेंकटरमण इंग्लिश मीडियम स्कूल के छात्र प्रसाद को गंभीर चोटें आईं, जिन्हें मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। श्रेयस पुजारी, दीपश्री, तनुश, प्रीतम और कोटा आश्रिता सहित उसी स्कूल के कई अन्य छात्रों के साथ-साथ नर्सिंग कॉलेज की छात्रा अश्मिता और अश्विनी को भी मामूली चोटें आईं। उनका फिलहाल कुंडापुरा के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि बस एनएच 66 पर तल्लूर के पास एक यात्री को लेने के लिए पेट्रोल पंप पर रुकी थी।

जैसे ही यात्री बस में चढ़ा, चालक ने बिना किसी चेतावनी के गाड़ी चलाना शुरू कर दिया। इस बीच, चालक द्वारा ब्रेक लगाने के प्रयासों के बावजूद लॉरी बस के पिछले हिस्से से टकरा गई। कुंडापुरा ट्रैफिक पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

अम्बेश गुरु सेवा समिति के सदस्य सिकंदराबाद रवाना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अभिग्रह अवतारी आचार्य रोड़ीदास स्वामी के 220 वें पुण्यस्मृति दिवस के उपलक्ष्य में अम्बेश गुरु सेवा समिति बेंगलूरु से लगभग 175 श्रद्धालुओं का संघ सिकंदराबाद में विराजित साध्वी विजयलता के दर्शन हेतु रवाना हुआ।

वहां पर रविवार को आचार्य रोड़ीदास स्वामी का 220 वाँ पुण्य पावन स्मृति दिवस तप त्याग द्वारा मनाया जाएगा। अनेक श्रद्धालु तेले एवं अट्ठाई की तपस्या लेकर उपस्थित हो रहे है। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष लादुलाल ओस्तवाल, उपाध्यक्ष पुखराज मेहता, महामंत्री सुरेन्द्र आंचलिया, सहमंत्री नेमीचंद दलाल एवं दिनेश पोखरना समेत अन्य पदाधिकारी कार्यकारिणी व सदस्य उपस्थित रहे।

ओवरटेक करने के प्रयास में कार पलटी

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। करकला और हेबरी के बीच स्टेट हाईवे पर मुनियालु में एक अन्य वाहन को ओवरटेक करने की कोशिश में एक कार पलट गई। कार सड़क के डिवाइडर से टकरा गई और पलट गई। यह घटना मुनियालु के पास स्टेट हाईवे के फोर-लेन खंड पर हुई। दो कारें, जिनमें दोनों ही युवा यात्री भरे हुए थे, एक-दूसरे को ओवरटेक करने की कोशिश कर रही थीं। बताया जाता है कि यह दुर्घटना इसलिए हुई क्योंकि आगे वाली कार के चालक ने पीछे वाली कार को रास्ता नहीं दिया। पलटी हुई कार में सवार यात्रियों को मामूली चोटें आईं। पुलिस ने दोनों वाहनों के बारे में जानकारी जुटाई है, जिसमें पाया गया है कि लापरवाही से गाड़ी चलाने और तेज गति से गाड़ी चलाने के कारण यह दुर्घटना हुई।

स्कूली छात्रा चमत्कारिक ढंग से सड़क के कुत्तों के हमले से बची

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। उडुपी जिले के हुडे में शनिवार की सुबह एक स्कूल जा रही लड़की एक आवारा कुत्ते के हमले से बाल-बाल बच गई। लड़की ने आक्रामक आवारा कुत्ते को भगाने के लिए अपने छाते का इस्तेमाल किया, जिससे गंभीर घटना होने से बच गई। इस हमले से ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया है, जो अब क्षेत्र में बढ़ती आवारा कुत्तों की समस्या को दूर करने के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पंचायत अधिकारियों से संपर्क करने पर उन्होंने आवारा कुत्तों के प्रबंधन में आने वाली चुनौतियों के बारे में बताया। एक अधिकारी ने कहा ग्राम पंचायत के पास आवारा कुत्तों को मारने का अधिकार नहीं है। हम सालाना नसबंदी और एंटी-रेबीज टीकाकरण अभियान चलाते हैं, जिसके बाद कुत्तों को उसी क्षेत्र में वापस छोड़ दिया जाता है। कुत्तों को पकड़ना मुश्किल है, और हमें कुत्तों को पकड़ने और फिर छोड़ने के समय जीपीएस-टैग वाली तस्वीरें लेनी चाहिए।

स्वस्थ जीवन-पेड़ पौधों के संग नामक एक वर्कशॉप आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वनबंधु परिषद महिला समिति बेंगलूरु ने शुक्रवार को स्वस्थ जीवन-पेड़ पौधों के संग' नामक एक वर्कशॉप का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत ओमकार व दीप प्रज्वलन से हुई। महिला समिति की अध्यक्ष बबीता अग्रवाल ने सभी मेहमानों का स्वागत किया। अंजना शर्मा ने मुख्य वक्ता काव्या चंद्रा का परिचय दिया। इस कार्यक्रम की मुख्य वक्ता काव्य चंद्रा, जो कि प्रकृति प्रेमी है, ने बहुत सारे आयुर्वेदिक पौधों के बारे में जानकारी देते हुए उनके उपयोग से रोगों का उपचार करने के नुस्खे भी बताये। राष्ट्रीय पदाधिकारियों सहित लगभग 35 लोगों ने इसमें भाग लिया और प्रकृति से जुड़े हुए नुस्खों का लाभ उठाया। इन लाभकारी पौधों को उगाने के निश्चय से सभी ने कोई ना कोई पौधा अवश्य खरीदा। वर्कशॉप के अलावा रोचक गेम्स और पौधों से संबंधित क्विज आयोजित किए गए। पहेलियां, टंग ट्वीस्टर ने सभी को उनका बचपन याद दिला दिया। कार्यक्रम का संचालन ज्योति भट्ट ने किया। सचिव बीना अग्रवाला ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

जयशंकर ने मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जु से मुलाकात की

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के बदले सुर, भारत को बताया करीबी साझेदार

माले/नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने शनिवार को कहा कि भारत हमेशा से एक करीबी सहयोगी और बहुमूल्य साझेदार रहा है तथा उनके देश को जब भी उसकी जरूरत पड़ी तब नई दिल्ली ने हर तरह की सहायता प्रदान की है। उन्होंने मालदीव में 28 द्वीप क्षेत्रों में जलापूर्ति व सीवर सुविधाएं शुरू किए जाने को लेकर राष्ट्रपति कार्यालय में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। भारत सरकार ने भारतीय एक्जिम बैंक के माध्यम से ऋण सुविधा के तहत इन परियोजनाओं का वित्तपोषण किया है। इससे पहले, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मुइज्जू से मुलाकात कर

दोनों देशों की जनता और क्षेत्र के लाभ के लिए भारत-मालदीव संबंधों को मजबूत बनाने की नई दिल्ली की प्रतिबद्धता दोहराई।

मुइज्जू ने कहा कि इन परियोजनाओं से महत्वपूर्ण आर्थिक लाभ होंगे, स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और कुल मिलाकर देश की समृद्धि में योगदान होगा। उन्होंने कहा कि भारत के साथ मालदीव के द्विपक्षीय संबंधों के लिहाज से ये परियोजनाएं महत्वपूर्ण मील का पत्थर हैं। समारोह के दौरान राष्ट्रपति मुइज्जू ने एक बार फिर मालदीव और भारत के बीच ऐतिहासिक एवं निकट संबंधों को मजबूत बनाने की अपने प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा करीबी सहयोगी और बहुमूल्य साझेदार रहा है तथा जब भी मालदीव को जरूरत हुई है उसने सहायता व मदद मुहैया कराई है। मुइज्जू ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मालदीव को उदारतापूर्वक व निरंतर सहायता' प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भारत सरकार और भारत के मित्रवत लोगों का आभार व्यक्त किया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यहां मुइज्जू से मुलाकात कर दोनों देशों की जनता और क्षेत्र के लाभ के लिए भारत-मालदीव संबंधों को मजबूत बनाने की नई दिल्ली की प्रतिबद्धता दोहराई।

डॉ. जयशंकर ने मालदीव के रक्षा मंत्री घासन मौमून, आर्थिक विकास एवं व्यापार मंत्री मोहम्मद सईद और वित्त मंत्री मोहम्मद शफीक के साथ भी बातचीत की। विदेश मंत्री ने मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर ने आज हुयी बैठक के दौरान भारत द्वारा सहायता प्राप्त छह उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजनों (एचआईसीडीपी) का उद्घाटन किया और समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये।

विदेश मंत्री ने एक्स पर पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज़्ज़ू से मुलाकात करके गौरवान्वित महसूस किया। उन तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शुभकामनाएं पहुंचाईं। हमारे लोगों और क्षेत्र के लाभ के लिए भारत-मालदीव संबंधों को गहरा करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। डॉ. जयशंकर ने कहा, रक्षा मंत्री मौमून के साथ बहुत अच्छी बैठक हुई।

भारत-मालदीव रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग, समुद्री सुरक्षा के लिए संयुक्त पहल और क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता बनाए रखने में हमारे साझा हित पर चर्चा हुई। इससे पहले, उन्होंने मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर के साथ माले के एक पार्क में संयुक्त रूप से स्टार फ्रूट का पौधा भी लगाया। जयशंकर ने कहा, आज माले के लोनुज़ियाराय पार्क में विदेश मंत्री जमीर और जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण एवं ऊर्जा मंत्री थोरिक इब्राहिम के साथ संयुक्त रूप से कैरामबोला (स्टार फ्रूट-कमरख) का पौधा लगाकर प्रसन्नता हुई। यह पौधा एक स्थायी भविष्य और भारत-मालदीव के बीच स्थायी संबंधों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

बारिश की कमी के कारण धीमी गति से पक रहे सेब

जम्मू, 10 अगस्त।

कश्मीर में इस बार लगातार सूखे के कारण सेब तोड़ने की प्रक्रिया में देरी हुई है और अपर्याप्त वर्षा ने कश्मीर में सेब के पकने की प्रक्रिया को धीमा कर दिया है। कश्मीर के विभिन्न क्षेत्रों के सेब उत्पादकों ने इसकी पुष्टि कि है उच्च घनत्व वाले सेब के बाग अपनी उच्च उपज क्षमता और कम गर्भकाल के कारण कश्मीर में लोकप्रिय हो रहे हैं। हालांकि, ड्रिप सिंचाई की सुविधा होने के बावजूद, वे भी मौजूदा मौसम की स्थिति से प्रभावित हुए हैं। सेब उत्पादकों का कहना था कि पर्याप्त वर्षा की कमी ने सेब की वृद्धि और पकने की प्रक्रिया को धीमा कर दिया है, जिससे सेब तोड़ने का मौसम हफ्तों पीछे चला गया है।

शोपियां के उच्च घनत्व वाले सेब उत्पादक फारूक अहमद बताते हैं कि ड्रिप सिंचाई की सुविधा होने के बावजूद, उच्च घनत्व वाले सेब भी मौजूदा मौसम से प्रभावित हुए हैं क्योंकि किसी भी पौधे के विकास के लिए बारिश महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि कुछ उत्पादकों के पास गुणवत्ता वाले फल हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी हैं जिनके फल आकार में छोटे और कम चमकदार हैं।

पुलवामा जिले के उच्च घनत्व वाले एक अन्य सेब उत्पादक अब्दुल रहीम ने कहा, सूखे मौसम ने वाकई मुश्किलें बढ़ा दी हैं, लेकिन हम जितना हो सके, खुद को ढाल रहे हैं। हमें उम्मीद है कि मौसम जल्द ही सुधर जाएगा, जिससे हम सही समय पर सेब तोड़ सकेंगे और अच्छा मुनाफा कमा सकेंगे। हालांकि लगातार सूखा मौसम बड़ी चुनौतियां पेश करता है, लेकिन अच्छे मुनाफे की उम्मीद से उत्पादक आशावादी बने हुए हैं।

कश्मीर के सेब उत्पादकों का कहना था कि उन्हें उम्मीद है कि पिछले कुछ सालों की तरह उच्च घनत्व वाले सेबों की अच्छी मांग रहेगी। कश्मीर घाटी फल उत्पादक सह डीलर संघ के अध्यक्ष बशीर अहमद बशीर ने बताया कि लगातार सूखे के कारण सेब तोड़ने में देरी हुई है, क्योंकि शुष्क मौसम में सेब को पूरा रंग आने में समय लगता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि मौजूदा रुझान के अनुसार, ऐसा लगता है कि उच्च घनत्व वाले सेबों की अच्छी मांग रहेगी और उत्पादकों को अच्छा मुनाफा मिलेगा।

आतंकवाद अब भी रोड़ा है विधानसभा चुनाव में

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 10 अगस्त।

हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों को जम्मू कश्मीर में एक कामयाबी मानने वाले भारतीय चुनाव आयोग के उस बयान के बाद अधिकतर राजनीतिक दलों द्वारा हैरानगी प्रकट की जा रही है जिसमें उसने सुरक्षा और आतंक के खतरे को उजागर करते हुए कहा है कि किसी को भी चुनावों में खलल डालने की इजाजत नहीं दी जाएगी और इन दोनों मुद्दों पर चर्चा के उपरांत तारीखों की घोषणा होगी।

प्रदेश के अपने दो दिनों के दौरे के दौरान चुनाव आयोग की टीम ने प्रशासनिक और सुरक्षाधिकारियों से मुलाकातें कर हालात का जायजा तो लिया लेकिन साथ ही सुरक्षा के मोर्चे पर कश्मीर के हालात को फिलहाल कथित तौर पर सही नहीं पाया है। हालांकि अपने संवाददाता सम्मेलन में चुनाव आयोग की टीम ने इतना जरूर कहा कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव करवाए जाने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित समय सीमा को वे ध्यान में रखेंगें। जानकारी के लिए प्रदेश में आखिरी विधानसभा चुनाव वर्ष 2015 में हुए थे।

यही कारण है कि चुनाव आयोग द्वारा

फिलहाल सुरक्षा के मोर्चे पर गंभीर अध्ययन करके बाद ही चुनाव की तारीखों की घोषणा करने के आश्वासन पर प्रदेश के राजनीतिक दलों में सुगबुगाहट शुरू हो गई है जिन्हें चिंता इस बात की है कि सुरक्षा और आतंक के नाम पर चुनावों को टालने का प्रयास हो सकता है। यह सच है कि पिछले तीन सालों से जम्मू संभाग में आतंकी घटनाओं में आई बिजली सी तेजी के कारण 55 सैनिकों को जम्मू संभाग में शहादत देनी पड़ी है। लेकिन बावजूद इसके प्रदेश में शांति लौटने के दावे रुके नहीं हैं। इतना जरूर था कि हाल ही में घटनारहित संपन्न हुए लोकसभा चुनावों के कारण चुनाव आयोग गदगद था पर वह विधानसभा चुनावों को संपन्न करवाने के लिए तारीखों की घोषणा को सुरक्षा व आतंकवाद से जोड़ कर राजनीतिक दलों के मन में आशंका जरूर पैदा कर रहा था।

15 अगस्त को आतंकी हमले का खतरा

चार फिदाईन आतंकियों के स्केच जारी, इनाम भी घोषित

जम्मू, 10 अगस्त (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर में 15 अगस्त पर आतंकी हमले का खतरा मंडरा रहा है। प्रदेश पुलिस ने चार फिदायीन पाकिस्तानी आतंकियों के स्केच जारी करते हुए चेतावनी दी है कि वे किसी भी समय कहर बरपा सकते हैं।। हालांकि उनकी तलाश में लड़ाकू हेलिकाप्टर और ड्रोन दो दिनों से उड़ानें भर रहे हैं पर बावजूद इसके उनकी खबर पाने को पांच लाख का इनाम भी घोषित किया गया है। डोडा जिले में भी पुलिस ने कई हमलों में शामिल चार आतंकवादियों के स्केच भी जारी किए हैं और उन पर पांच-पांच लाख रुपये का नकद इनाम भी घोषित किया है। उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं। पुलिस का कहना है ये आतंकी भी 15 अगस्त पर कुछ बड़ा कर सकते हैं।

यह सच है कि रियासी आतंकी हमले के बाद से ही जम्मू संभाग में आतंकी

वारदातें बढ़ गईं। इस क्रम में सुरक्षाकर्मियों और आतंकियों के बीच कई मुठभेड़ भी हुईं। इस कड़ी में जम्मू कश्मीर की कठुआ पुलिस ने चार आतंकवादियों के स्केच जारी किए है। मिली जानकारी अनुसार, कठुआ पुलिस ने चार आतंकवादियों के स्केच जारी किए हैं। इन आतंकियों को आखिरी बार मल्हार, बानी और सियोजधार के ढोक में देखा गया था। आतंकियों की जानकारी देने वाले को पांच लाख का इनाम भी दिया जाएगा। वहीं, विश्वसनीय जानकारी देने पर उचित पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार, स्केच में दिख रहे ये आतंकी आखिरी बार मल्हार, बानी और सियोजधार के ढोक में देखे गए थे।

कठुआ पुलिस ने आतंकियों की जानकारी देने वाले को पांच लाख का इनाम देने का भी ऐलान किया गया है। पुलिस का दावा है कि जम्मू संभाग में लगातार बढ़ रहे आतंकी हमलों के बाद सुरक्षाबलों ने बड़े क्लीनिकल आप्रेशन की तैयारी की है। संभाग के 48 स्थानों को चिन्हित किया गया है जहां सेना, अर्धसैनिक बलों व पुलिस को तैनात किया गया है। 1990 में जब आतंकवाद अपने चरम पर था उसके बाद ऐसा पहली बार हुआ है कि बड़े पैमाने पर सेना की तैनाती छत्रगलां से लेकर लोहाई मल्हार के बीच 80 किलोमीटर दायरे में की गई है।

आतंकियों और उनके मददगारों के सफाए के लिए सेना की अब तक लगभग छह कंपनियां कठुआ जिले में तैनात हो चुकी हैं। कठुआ जिले के ऊंचे पहाड़ी इलाकों में आतंकियों के सफाए के लिए सेना ने बड़ा आप्रेशन शुरू किया है। सामरिक दृष्टि से यह काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ठीक इसी प्रकार के अभियान डोडा में भी छेड़े गए हैं। राजौरी व पुंछ जिले भी इसके अपवाद नहीं हैं। आधिकारिक सूत्रों ने इसकी पुष्टि की है कि पाक सेना की आईएसआई विंग स्वतंत्रता दिवस पर जम्मू संभाग में कुछ बड़ा करने का दबाव उन आतंकियों पर बनाए हुए है जो पिछले कुछ सप्ताह पहले इस ओर घुसने में कामयाब रहे थे।

तीन साल में 5 करोड़ मोबाइल कनेक्शन काटे

ठगी से बचाए 2400 करोड़ रुपए

सात लाख व्हाट्सएप बंद

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)।

देश में साइबर अपराध की घटनाएं बढ़ रही हैं। खासतौर पर, साइबर अपराधियों द्वारा मोबाइल फोन के जरिए लोगों को आर्थिक चपत लगाई जा रही है। हालांकि केंद्र सरकार ने देश में सभी प्रकार के साइबर अपराध से समन्वित और व्यापक तरीके से निपटने के लिए एक संलग्न कार्यालय के रूप में भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (ख4सी) की स्थापना की है। गत तीन वर्ष में केंद्रीय गृह मंत्रालय के प्रयासों से 2400 करोड़ रुपये, साइबर अपराधियों के हाथों में जाने से रोके गए हैं। इन मामलों को लेकर 7.6 लाख से अधिक शिकायतें प्राप्त हुई थी। सात लाख व्हाट्सएप अकाउंट बंद किए गए हैं। इसके अलावा पांच करोड़ से अधिक मोबाइल फोन कनेक्शन, काटे गए हैं। इनकी सूचना ऑनलाइन डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म (डीआईपी) पर साझा की गई है।

साइबर अपराधियों द्वारा वारदात को अंजाम देने के लिए नित्य नए तरीके अपनाए जा रहे हैं। वीडियो कॉल के जरिए लोगों को अपने जाल में फंसाया जाता है। इसमें अश्लील कॉल भी शामिल है। अब एक नया तरीका सामने आया है। साइबर अपराधी, ऐसे परिवार की जानकारी एकत्रित करते हैं, जिनका लड़का/लड़की कहीं दूसरे शहर में पढ़ाई करते हैं। उनके पास यह कह फोन किया जाता है कि आपका बच्चा, अपराध की वारदात में फंसा गया है। रेप जैसी कहानी भी बताई जाती है। इतना ही नहीं, साइबर अपराधी, खुद को पुलिस अफसर बताकर पेरेंट्स को फोन करते हैं। उनके व्हाट्सएप पर किसी आईपीएस की डीपी लगी रहती

है।

पिछले कुछ दिनों से विदेशी नंबरों के जरिए कॉल आ रही हैं। अब एक नया नंबर देखने को मिला है। उस नंबर के आगे भारत का कोड यानी 91 लगा रहता है, लेकिन मोबाइल नंबर के दस अंकों के आगे दोबारा से 91 लिखा रहता है। व्यक्ति यह सोचकर फोन उठा लेता है कि अपने देश में से ही किसी का फोन है। ऐसे नंबर के जरिए साइबर अपराधी, डाक विभाग का नाम लेकर फोन करते हैं। वे कहते हैं कि आपका पार्सल, डिलीवर नहीं हो पा रहा है, कृप्या फलां अंक दबाएं। इस तरह से वे किसी भी सामान्य नागरिक को अपने जाल में फंसा लेते हैं।

गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार के मुताबिक, वित्तीय धोखाधड़ी की तत्काल रिपोर्टिंग और धोखेबाजों द्वारा धन की हेराफेरी को रोकने के लिए ख4सी के अंतर्गत नागरिक वित्तीय साइबर धोखाधड़ी सूचना एवं प्रबन्धन तंत्र (सिटीजन फाइनेंशियल साइबर फ्रॉड रिपोर्टिंग एंड मैनेजमेंट सिस्टम) वर्ष 2021 में लॉन्च किया गया है। इस तंत्र पर अभी तक 7.6 लाख से अधिक शिकायतें प्राप्त हुई हैं। समय पर त्वरित कार्रवाई होने से 2400 करोड़ रुपये की बचत हुई है। ऑनलाइन साइबर शिकायतें दर्ज करने में सहायता प्रदान करने के लिए एक टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1930 चालू किया गया है।

भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची के अनुसार पुलिस और सार्वजनिक व्यवस्था राज्य के विषय हैं। राज्य/केंद्र शासित प्रदेश अपनी कानून प्रवर्तन एजेंसियों (लॉ एनफोर्समेंट एजेंसीज) के माध्यम से साइबर धोखाधड़ी सहित अपराधों की रोकथाम, पता लगाने, जांच और अभियोजन के लिए मुख्य रूप से उत्तरदायी हैं। केंद्र सरकार अपने एलईए की क्षमता निर्माण के लिए विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सलाह और वित्तीय सहायता के माध्यम से राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों की पहल को बढ़ावा देती है। व्यापक और समन्वित तरीके से साइबर अपराधों से निपटने के लिए तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए, केंद्र सरकार ने साइबर अपराधों के बारे में जागरूकता फैलाने, चेतावनी (अलर्ट), सलाह (एडवाइजरी) जारी करने, कानून प्रवर्तन कर्मियों/अभियोजकों/न्यायिक अधिकारियों की क्षमता निर्माण/प्रशिक्षण, साइबर फोरेंसिक सुविधाएं आदि में सुधार के लिए कदम उठाए हैं।

अडाणी के बाद हिंडनबर्ग ने नए खुलासे की धमकी दी

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)।

निवेश रिसर्च करने वाली कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने बीते दिनों अडाणी समूह को लेकर जो खुलासे किए थे, उससे भारतीय बाजार में भारी उथल-पुथल देखने को मिली थी।

अब एक बार फिर हिंडनबर्ग रिसर्च भारत को लेकर कुछ बड़ा खुलासा करने का दावा कर रही है। दरअसल कंपनी के एक ताजा सोशल मीडिया पोस्ट ने चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है। इस पोस्ट में कंपनी ने लिखा है कि भारत में जल्द कुछ बड़ा खुलासा करेंगे।

बीते साल जनवरी में हिंडनबर्ग रिसर्च ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी, जिसमें अडाणी ग्रुप की वित्तीय स्थिति की जानकारी देते हुए समूह पर कई गंभीर आरोप लगाए गए थे। जिसमें स्टॉक की कीमतों में हेरा-फेरी करने जैसे कई गंभीर आरोप शामिल थे।

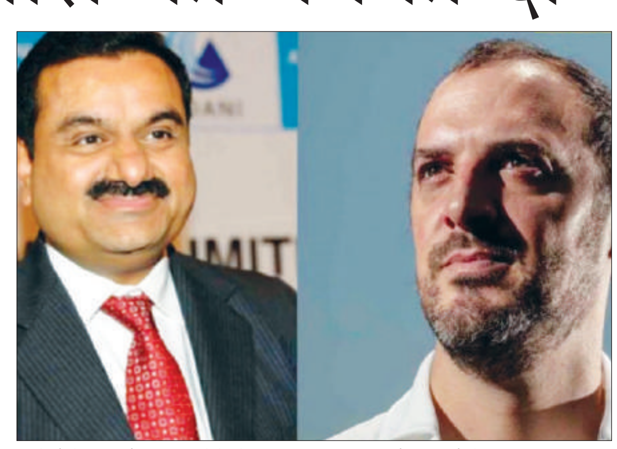

रिपोर्ट के सार्वजनिक होने के बाद अडाणी ग्रुप के के शेयरों में भारी गिरावट आई और अडाणी समूह के बाजार मूल्य में 86 अरब डॉलर की भारी-भरकम गिरावट दर्ज की गई। हालांकि अडाणी समूह ने हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट को खारिज कर दिया और समूह के प्रमुख गौतम अडाणी ने कहाथा कि हिंडनबर्ग मामला अडाणी समूह को बदनाम करने की नीयत से रचा गया था।

सेबी की जांच में पता चला कि हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडाणी समूह से संबंधित रिपोर्ट को सार्वजनिक करने से दो महीने पहले न्यूयॉर्क स्थित हेज फंड मैनेजर मार्क किंगडन के पास भेजा था। इस खुलासे के बाद माना जा रहा है कि हिंडनबर्ग ने रणनीति के तहत अडाणी समूह के शेयरों की कीमत गिराकर फायदा लेने की साजिश रची थी। किंगडन की कंपनी किंगडन कैपिटल के कोटक महिंद्रा इन्वेस्टमेंट लिमिटेड में भी अच्छी खासी मात्रा में शेयर हैं।

विद्यापीठ कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेज में बोले योगी

जिन्हें अत्याचार में भी वोट बैंक सूझता हो, वह हितैषी कैसा?

अयोध्या, 10 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि विगत 7 साल में अयोध्या को नई पहचान मिली है। ये पहचान आसानी से नहीं, बल्कि लंबे संघर्ष के बाद मिली है और इसे बचाए रखने का दायित्व भी अयोध्यावासियों का होना चाहिए। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए अयोध्या वासियों से कहा कि नकारात्मक शक्तियों के मन में आपके प्रति सम्मान नहीं बल्कि दिखावटीपन है। कहा कि जिन्हें अत्याचार में भी वोट बैंक दिखाई देता है, वो आपके हितैषी कैसे हो सकते हैं। सीएम योगी शनिवार को मिल्कीपुर में अयोध्या विद्यापीठ परिसर में श्रीराम दरबार और अशर्फी भवन अयोध्या धाम के पूज्य आचार्यों की दिव्य एवं भव्य प्रतिमा के स्थापना कार्यक्रम के दौरान जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि परिस्थितियां सम हों या विषम, कोई हमें हमारे मूल्यों से डिगा नहीं सकता। उन्होंने बांग्लादेश के हालात पर बोलते हुए कहा कि वहां प्रताड़ित होने वाले 90 प्रतिशत हिन्दू दलित समाज का हिस्सा हैं, मगर वहां के हिन्दू यहां के वोट बैंक नहीं हैं तो सभी के मुंह सिले हुए हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बांग्लादेश के हिन्दुओं की रक्षा करना हमारा दायित्व है। सीएम योगी ने कहा कि बांग्लादेश में हिन्दू होना गलती नहीं है, बल्कि सौभाग्य है और उनकी रक्षा करना और पीड़ा के वक्त उसके साथ खड़ा होना हमारा दायित्व है। मानवता के नाते उसकी रक्षा करना हमारा दायित्व है। ये काम हम हमेशा करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जो नकारात्मक ताकते हैं, जो राम, कृष्ण को नहीं मानते, भारतीयता के प्रति सम्मान का भाव नहीं रखते, जो दुनिया के किसी कोने में कोई हिन्दू प्रताणित हो रहा है तो उसके लिए आवाज नहीं उठा सकते, क्योंकि उन्हें डर लगता है कि इससे यहां का उनका वोट बैंक न खिसक जाए। जिनको दुनिया के अंदर होने वाले अत्याचार में वोट बैंक दिखाई देता है, वो आपके हितैषी कैसे हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि राक्षसी वृत्तियां जब भी प्रबल हों, उनका मुकाबला करने के लिए हमें तैयार होना होगा। सीएम योगी ने कहा कि हमारी आजादी सुरक्षित होगी, तभी हमारा भविष्य भी सुरक्षित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें अपने हित और अहित को पहचानना होगा, देखना होगा कि हमें कहां और कैसे सुरक्षा मिलेगी, कौन हमारे हितैषी हैं, कौन विरोधी हैं। समय रहते इसका विचार करना होगा, वरना आने वाली पीढ़ियां हमें कोसेगी। सीएम योगी ने काकोरी ट्रेन एक्शन के शताब्दी महोत्सव का जिक्र करते हुए पं रामप्रसाद बिस्मिल, राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी, ठाकुर रोशन सिंह, अशफाक उल्ला खां और चंद्रशेखर आजाद के देशप्रेम को नमन किया। मुख्यमंत्री ने सभी से आगामी 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा फहराने, तिरंगा यात्राएं निकालने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि उन्हें अयोध्या धाम की पावन धरा पर श्रीराम दरबार के पवित्र विग्रहों और पूज्य संतों की प्रतिमाओं की स्थापना का गौरव प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि अपने धर्माचरण से भारत भूमि को पवित्र करके श्रीराम जन्मभूमि के आंदोलन को अपने हाथों में लेने वाले पूज्य स्वामी मधु-सूदनाचार्य जी महाराज, जगद्गुरु रामानुजाचार्य माधवाचार्य की दिव्य प्रतिमाओं की स्थापना का कार्य हुआ है। उन्होंने कहा कि इन पूज्य संतों की साधना को मूर्त रूप देने के लिए न केवल आज अयोध्या विद्यापीठ के रूप में धर्म जागरण के बृहद कार्यक्रम को अपने हाथ में लिया गया है, साथ ही आधुनिक शिक्षा देने का कार्य भी किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब संतों की साधना मूर्त रूप लेती है तो ऐसे संस्थान हम सबको देखने को मिलते हैं। मधुसूदना जी महाराज ने अयोध्या धाम के साथ साथ पूरे देश के अलग अलग क्षेत्र को अभिसिंचित करने का कार्य किया।

रामानुजाचार्य पूज्य स्वामी माधवाचार्य जी महाराज का कार्यकाल भले ही अल्प रहा हो, लेकिन अपनी साधना के साथ उन्होंने लोगों के जीवन को बदलने का कार्य किया। सीएम योगी ने अयोध्या विद्यापीठ के माध्यम से कोरोना जैसी महामारी के वक्त किये गये लोक कल्याणकारी कार्यों को याद किया। कहा कि जब पूरी दुनिया हताश थी तब हमारे धर्मस्थल और पूज्य संत और ऐसे संस्थान लोक कल्याण के अभियान के साथ जुड़े थे।

अयोध्या विद्यापीठ परिसर में श्रीराम दरबार और अशर्फी भवन अयोध्या धाम के पूज्य आचार्यों की दिव्य एवं भव्य प्रतिमा के स्थापना कार्यक्रम में जगदुरू रामानुजाचार्य, स्वामी श्रीधराचार्य जी महाराज, रंग महल के संत श्रीराम शरण दास जी महाराज, महंत भरतदास जी महाराज, स्वामी अनंताचार्य जी महाराज, महंत रामलखन दास जी महाराज, करुणादास जी महाराज, स्वामी रामदास जी महाराज सहित संतजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रदेश सरकार में मंत्री सूर्य प्रताप शाही, राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा, पूर्व सांसद लल्लू सिंह, विधायक रामचंद्र यादव, महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, बीजेपी जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा, अयोध्या विद्यापीठ के पदाधिकारीगण, अशर्फी धाम के भक्तगण, छात्र-छात्राएं और अभिभावकगण सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

महिलाओं की नृशंस हत्याएं करने वाला विकृत व्यक्ति पकड़ा गया

बरेली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। बरेली के शाही और शीशगढ़ इलाके में महिलाओं की हत्या करने वाले सीरियल साइको किलर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी कुलदीप गंगवार नवाबगंज इलाके का रहने वाला है। उसने छह महिलाओं की हत्या की बात कबूल की है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि सौतेली मां के सितम और पत्नी के दूसरे व्यक्ति से शादी करने के बाद कुलदीप महिलाओं से नफरत करने लगा था। इसी वजह से वह वारदातें कर रहा था।

बरेली के शाही क्षेत्र में एक के बाद एक महिलाओं की हत्या का शासन ने संज्ञान लिया तो पुलिस ने तकनीक के प्रयोग में कोई कसर नहीं छोड़ी। इसके लिए खर्च भी खूब किया, पर आरोपी न तो मोबाइल फोन का प्रयोग करता था, न ही सड़क मार्ग से निकलता था। ऐसे में उसे खालिस पुलिसिंग से ही पकड़ा जा सका। सटीक मुखबिरी ने ही खुलासे की डगर आसान की। उम्मीद है कि अब शाही और शीशगढ़ थाना क्षेत्र में फैली दहशत पर लगाम लग जाएगी।

सिरफिरे को पकड़ने के लिए प्रधानों व संभ्रांत लोगों के सहयोग से पुलिस ने शाही के इर्द-गिर्द 25 किमी इलाके में 1500 सीसीटीवी कैमरे लगवाए। इनमें से 600 कैमरे तो एक खास दायरे में उन स्थानों पर लगाए गए, जहां से आवाजाही ज्यादा रहती है। आसपास के मोबाइल टावरों के रेंज में आने वाले 1.5 लाख मोबाइल नंबरों का डाटा निकाला। आरोपी कुलदीप न तो किसी वाहन का इस्तेमाल करता था, न ही सीधे सड़क पर जाता था। वह सुबह अपनी बहन या रिश्तेदार के घर से पैदल खेतों और पगडंडियों के रास्ते निकलता था। खेतों के बाहर महिलाओं की चप्पल आदि देखकर यह अंदाजा लगाता था कि महिला अकेली है या कोई और भी साथ है। वह मोबाइल फोन भी नहीं रखता था।

इसलिए वह सीसीटीवी, सर्विलांस और प्रमुख रास्तों पर लगे बैरियर की जद में कभी आया ही नहीं। एसएसपी अनुराग आर्य ने अनीता देवी की हत्या के बाद घटनास्थल का मुआयना कर यह समझ लिया कि हत्या किसी ऐसे ही सिरफिरे ने की है। इसके बाद ही उन्होंने मुखबिर तंत्र पर ज्यादा जोर दिया और आरोपी की गिरफ्तारी संभव हो सकी।

माफिया मुख्तार के कब्जे से छुड़ाई जमीन पर बन रहा गरीबों का फ्लैट

लखनऊ, 10 अगस्त (एजेंसियां)। माफिया मुख्तार अंसारी के कब्जे वाली जमीन पर अब लखनऊ डेवलपमेंट अथॉरिटी गरीबों के लिए फ्लैट बना रहा है। यह जमीन हजरतगंज स्थित डालीबाग में है, इस पर मुख्तार अंसारी का अवैध घर बना था। यहां की जमीन बेशकीमती है। यहां पर मुख्तार अंसारी का कब्जा था। मुख्तार के कब्जे वाली जमीन पर दो मकान बने हुए थे। यह शत्रु सम्पत्ति की जमीन थी।

योगी सरकार ने अवैध कब्जा हटाने के लिए दोनों मकानों को गिरा दिया था। अब इस पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घरों का निर्माण हो रहा है। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि अगले 3 महीने में घरों का निर्माण पूरा हो जाएगा और उसके बाद चुनिंदा लोगों को लॉटरी के माध्यम से आवास आवंटित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि 76 आवासों का निर्माण किया जा रहा है और जल्द ही आवंटन शुरू कर दिया जाएगा।

डालीबाग लखनऊ का सबसे वीवीआईपी इलाका है। इस कॉलोनी में अधिकारियों, नेताओं और वीवीआईपी लोगों के घर हैं। यहां पर दो वीवीआईपी गेस्ट हाउस भी हैं। साढ़े 7 लाख रुपए की कीमत पर 300 स्क्वायर फीट का फ्लैट आवास योजना के अंतर्गत दिया जाएगा। हालांकि इसके लिए लाभार्थी की वार्षिक आय 3 लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए। साढ़े 7 लाख रुपए का जो आवास होगा, उसमें से ढाई लाख रुपए सरकारी सब्सिडी मिलेगी। मतलब यह मकान गरीबों के लिए 5 लाख में होगा।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा

कैदियों तक नहीं पहुंच रही स्वतंत्रता की रौशनी

प्रयागराज, 10 अगस्त (एजेंसियां)। कानूनी सहायता के अभाव में जेलों में पड़े कैदियों की हालत पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने तल्ख टिप्पणी की है। अफसोस जताते हुए कहा कि राष्ट्र आजादी का अमृत काल मना रहा है, लेकिन नागरिकों का एक वर्ग जेलों की अंधेरी दीवारों के पीछे गुमनाम जीवन जी रहा है। क्योंकि वहां संवैधानिक स्वतंत्रता की रौशनी नहीं पहुंच रही है।

न्यायमूर्ति अजय भनोट की अदालत ने इस तल्ख टिप्पणी के साथ हत्या के आरोप में 14 साल से सजा काट रहे बुलंदशहर के रामू की जमानत अर्जी मंजूर कर ली। इसी तरह के मामले से जुड़ीं नौ अन्य जमानत याचिकाओं पर भी कोर्ट ने सुनवाई की। कोर्ट ने सरकार को विधिक सहायता के लिए दिशा-निर्देश जारी करने का आदेश दिया है।

कोर्ट ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के बहुत से मामले हैं, जिसमें कैदियों की जमानत याचिकाएं ठंडे बस्ते में पड़ी हैं, क्योंकि मामले पर बहस करने या शीघ्र सुनवाई का कोई प्रयास नहीं किया गया। कुछ में इन कैदियों का अपने वकीलों से कोई संपर्क नहीं है, जिससे उन्हें जमानत अर्जियों की स्थिति के बारे में पता चले।

कोर्ट ने कहा कि इन आवाजहीन कैदियों का भाग्य व्यवस्था पर एक मौन दोषारोपण है। न्यायालयों का यह सर्वोच्च कर्तव्य है कि वे यह सुनिश्चित करें कि आपराधिक कार्यवाही में उपस्थित होने वाले कैदियों को कानूनी सहायता प्राप्त हो और वे मूकदर्शक बने न रहें। कानूनी सहायता से इन्कार करने से निष्पक्ष, उचित और न्यायसंगत प्रक्रिया का उल्लंघन, अनुचित कारावास और स्वतंत्रता में कटौती होती है। अदालत ने कहा कि समय पर जमानत आवेदन दायर न करने से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि कानूनी सहायता नहीं मिली। न्यायालय ने इस उद्देश्य के लिए समय सीमा प्रदान करते हुए इस बात पर जोर दिया कि ट्रायल कोर्ट/मजिस्ट्रेट, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और जेल प्राधिकारियों पर यह दायित्व डाला गया है कि वे प्रत्येक घटना पर प्रत्येक कैदी की कानूनी सहायता की आवश्यकता की सक्रियता पूर्वक और स्वतंत्र रूप से जांच करें।

योगी सरकार की पहल : इसरो की सैर करेंगे अटल आवासीय विद्यालयों के छात्र

लखनऊ, 10 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी योजना अटल आवासीय विद्यालयों के छात्र इन दिनों अपनी नियमित पढ़ाई के साथ-साथ अंतरिक्ष विज्ञान, मशीन क्रिएशन और ड्रोन टेक्नोलॉजी जैसी एडवांस एक्टिविटीज से भी जुड़ रहे हैं। छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ ही तकनीकी शिक्षा से जोड़ने के प्रयासों के क्रम में अटल आवासीय विद्यालयों में 15 दिवसीय स्पेशल एकेडमिक्स एवं एक्टिविटीज का आयोजन किया गया। छात्रों को इन नई तकनीकों से जोड़ने के लिए अटल आवासीय विद्यालय की ओर से विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम में छात्रों को अंतरिक्ष के रहस्यों को जानने के साथ ही भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें मशीनों, कोडिंग और सेंसर तकनीक की बुनियादी जानकारी भी दी गई और उन्हें व्यावहारिक अनुभव के माध्यम से आधुनिक तकनीकों से रूबरू कराया गया। इसके बाद छात्रों ने भी ऑटोमैटिक लाइट, स्मार्ट ब्लाइंड स्टिक, स्मार्ट डस्टबिन और फुल रोवर ड्रोन जैसे एडवांस तकनीकी मॉडल बनाकर सभी को हतप्रभ कर दिया। इस दौरान स्पेस आर्ट और बेस्ट प्रोडक्ट डेवलपमेंट कांप्टीशन का भी आयोजन हुआ, जिसमें विजेता रहे छात्रों को भारतीय स्पेस एजेंसी इसरो के भ्रमण का अवसर मिलेगा, जहां वो इसरो के वैज्ञानिकों से मुलाकात कर सकेंगे।

अटल आवासीय विद्यालयों का संचालन उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा किया जा रहा है। बोर्ड की सचिव और मुख्य कार्यकारी अधिकारी गजल भारद्वाज ने बताया कि अटल आवासीय विद्यालय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी योजना है। इसमें छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ आधुनिक शिक्षा से भी जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इसके बहुत अच्छे नतीजे देखने को मिल रहे हैं। 15 दिवसीय उत्कृष्ट अटल प्रोग्राम के माध्यम से छात्रों की प्रतिभा एवं कौशल को निखारने का प्रयास किया गया। इस दौरान स्पेस आर्ट और बेस्ट प्रोडक्ट डेवलपमेंट कांप्टीशन में विजेता रहे छात्रों को इसरो भेजे जाने की योजना है। इसके लिए प्रत्येक विद्यालय से एक विजेता छात्र का चयन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्माण श्रमिकों के बच्चों और कोरोना काल में अपने माता-पिता को गंवाने वाले बच्चों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के लिए अटल आवासीय विद्यालयों का शुभारंभ किया है। सरकार ने समस्त 18 मंडलों में इन विद्यालयों की शुरुआत की है और अब सरकार की योजना बाकी बचे 57 जनपदों में भी विद्यालय शुरू करने की है।

कार्यक्रम के तहत विज्ञान और प्रौद्योगिकी में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए एक अनोखा अवसर प्रदान करते हुए, इसरो के साथ ब्रह्मांड की खोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सत्र में छात्रों को अंतरिक्ष अन्वेषण के मूलभूत सिद्धांतों का परिचय दिया गया। खगोलशास्त्र के इतिहास और आधुनिक अंतरिक्ष मिशनों पर चर्चा की गई। इसके अलावा, दूरबीन के माध्यम से खगोलीय पिंडों की पहचान करने का प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण में से एक इसरो की अंतरिक्ष प्रदर्शनी थी, जिसमें छात्रों को भारत की अंतरिक्ष यात्रा की झलक दिखाई गई। प्रदर्शनी में इंटरैक्टिव प्रदर्शनियां, मॉडल, और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी पर आधारित प्रस्तुतियां शामिल थीं। छात्रों के लिए एक स्पेस आर्ट प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने अपनी कल्पनाओं को कला के माध्यम से प्रस्तुत किया। इसरो के विशेषज्ञों द्वारा आयोजित हाइड्रो रॉकेट कार्यशाला में छात्रों को हाइड्रो रॉकेट के निर्माण और प्रक्षेपण का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। इस कार्यशाला ने छात्रों के बीच रचनात्मकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित किया। इसरो के इस कार्यक्रम ने न केवल छात्रों में अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति रुचि को बढ़ाया, बल्कि उन्हें भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों पर गर्व करने का भी अवसर प्रदान किया।

तकनीकी शिक्षा और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छात्रों के लिए दूसरी गतिविधि के तहत मशीन निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के पहले सत्र में छात्रों को मशीनों, कोडिंग के बुनियादी सिद्धांतों और सेंसर तकनीकों का परिचय दिया गया।

अजंता-एलोरा की गुफाएं

अजंता-एलोरा की गुफाएं हमारे इतिहास की अमूल्य धरोहर हैं। महाराष्ट्र के औरंगाबाद के निकट स्थित चट्टानों को काट कर बनाई गईं ये गुफाएं दुनिया भर में विख्यात हैं। अजंता औरंगाबाद से 106 किमी दूर है, तो एलोरा मात्र 26 किमी।

इन गुफाओं का वास्तुशिल्प और चित्रकला देख कर आप दंग रह जाएंगे। इसी विशेषता के कारण करीब डेढ हजार साल पुरानी ये गुफाएं आज भी पर्यटकों को प्रभावित करती हैं।

अजंता में कुल 29 गुफाएं हैं, जो कि नदी द्वारा निर्मित एक के दक्षिण में स्थित हैं। इनकी नदी से ऊंचाई 35 से 110 फुट तक की है। अर्धवृत्ताकार पहाड़ी में स्थित इन गुफाओं को चट्टानें काटकर बनाया गया है। ये सभी बौद्ध धर्म को समर्पित हैं। इनमें कुछ मूर्तियां भी विद्यमान है।

एलोरा गुफाएं अपने मूर्तिशिल्पों के कारण ही प्रसिद्ध हैं। एलोरा में कुल 34 गुफाएं हैं। पत्थरों को काट कर बनाई इन गुफाओं में 12 बौद्ध धर्म से जुड़ी हैं, 5 जैन तथा शेष 17 गुफाएं हिंदू मंदिरों के रूप में हैं। एलोरा की सभी गुफाएं छठीं से 10वीं शताब्दी के मध्य बनी हैं। ये भव्य गुफाएं और यहां के मूर्तिशिल्प महान कलासाधक शिल्पियों के अथक प्रयास के परिणाम हैं। पत्थर पर उकेरे गए जीवन के विभिन्न आयामों को प्रदर्शित करते खजुराहो के देवालय आज दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। चंदेल राजाओं द्वारा इन भव्य मंदिरों का निर्माण एक हज़ार साल पहले करवाया गया था। उत्कृष्ट वास्तुकला और भित्तियों पर सजी सर्वोत्तम मूर्तिकला के कारण इन मंदिरों को आज विश्व विरासत का दर्जा प्राप्त है। इन मंदिरों की दीवारों पर जड़ी मूर्तियां भी इनकी विश्व में ख्याति का कारण हैं।

आज यहां केवल 22 मंदिर शेष हैं। इनमें से कुछ पंचायतन, तो कुछ सप्तरथ शैली में बने हैं। इनमें मतंगश्वर मंदिर सबसे प्राचीन है। खजुराहो के मंदिर तीन हिस्सों में बंटे हैं। यहां के महत्वपूर्ण मंदिर पश्चिमी समूह में विद्यमान हैं। पूर्वी मंदिर समूह में तीन हिंदू तथा चार जैन मंदिर हैं।

खतरनाक चींटियां

चींटियों का खलिहानों या अनाज घरों पर हमला एक ही दिन में कई किलो अनाज को चौपट कर देता है। कोमारा द्वीप की चींटियां भी बड़ी ख़तरनाक होती हैं। ये जब अपने विशाल समूह में होती हैं, तो वृक्षों तक को चट कर जाती हैं। यहां रहने वाले आदिवासी चींटियों के कहर से बचने के लिए बंदर पालते हैं, क्योंकि बंदर इन चींटियों को बड़े चाव से खाते हैं।

डाक टिकटों का जादू बेमिसाल है। शायद ही कोई व्यक्ति हो, जो किसी न किसी दौर में इस तिलिस्म से होकर न गुजरा हो। तो चलें, खोलें कुछ रोचक रहस्य और जानें डाक टिकटों के बारे में...

डाक टिकटों का खजाना

डाक टिकटें सिर्फ चिट्ठियों की रसीदें नहीं हैं। इनसे बहुत से विषयों पर कई प्रकार की जानकारी मिलती है। ये अनेक देशों और अंतरराष्ट्रीय घटनाओं की सांझा धरोहर हैं। ये टिकटें विभिन्न देशों के इतिहास, प्राकृतिक सौंदर्य और संस्कृतियों की सांझा अमानत हैं। डाक टिकट खरीदना और बेचना एक व्यवसाय भी है। अमरीका में डाक टिकट इकट्ठे करना सबसे प्रसिद्ध हॉबी है। बहुत से बच्चे जिन्होंने जीवन में कभी टिकट जमा नहीं किए, शायद यह लेख पढ़ने के बाद इस शौक में डूबेंगे।

पहली डाक टिकट

1840 में इंग्लैंड में पहली डाक टिकटें 'द पैनी ब्लैक' जारी की गईं। इनका यह नाम इसलिए पड़ा, क्योंकि इन टिकटों की कीमत एक पैनी थी और टिकट का रंग काला था। इस टिकट पर महारानी विक्टोरिया का चित्र अंकित था। 6 मई 1840 को दुनिया की सबसे पहली डाक टिकट के जन्म दिवस के तौर पर याद रखा जाता है। इसलिए इस दिन को वर्ल्ड्स फर्स्ट स्टैंप डे के तौर पर मनाया जाता है।

पहली आधुनिक डाक टिकट अमरीका द्वारा 1847 में जारी की गई। कुछ लोगों का मानना है कि इसे अमरीका के पहले पोस्ट मास्टर जनरल बैंजमिन फ्रैंकलिन ने मान्यता दी, जबकि कुछ मानते हैं कि इसे पहले राष्ट्रपति जार्ज वशिंगटन ने मान्यता दी।

स्टैंप क्लैक्शन

एक अनुमान के मुताबिक अमरीका में 20 मिलियन लोग डाक टिकट इकट्ठी करते हैं। कुछ देशों में तो डाक टिकट केवल स्टैंप क्लैक्शन के शौकीन लोगों के लिए ही जारी किए जाते हैं। इनका इस्तेमाल पत्रों पर नहीं होता। ये देश सिर्फ पैसा कमाने के लिए ही इन डाक टिकटों की छपाई करते हैं।

गलत छपाई

साल 1918 में कई डाक टिकटों पर भूलवश हवाई जहाज की उल्टी छपाई हो गई थी। उन्हें 'विचित्र जेनी' डाक टिकट के नाम से जाना जाता है। उन डाक टिकटों में से केवल 100 ही मिल पाई हैं, जोकि अमूल्य हैं।

1903 में आईलैंड के सैंट कीट्स ने डाक टिकट पर क्रिस्टोफर कोलंबस का एक चित्र अंकित किया, जिसमें उन्हें टैलिस्कोप में देखते हुए दर्शाया गया था। लेकिन इसमें भी चूक हो गई, क्योंकि टैलिस्कोप की खोज कोलंबस की मृत्यु के बाद ही हुई थी।

हूबहू चित्र

ऐसे टिकट बहुत ही कम देखने में आते हैं, जिनमें चित्र हूबहू एक हो, पर देशों के नाम अलग-अलग हों। इनमें से एक टिकट पर थाईलैंड का नाम अंकित है और दूसरे पर कैनेडा का। डाक टिकटों की दुनिया में यह एक विशेष उदाहरण है जब कैनेडा और थाईलैंड ने संयुक्त रूप से एक-से डाक टिकटों का प्रकाशन कर दो देशों के बीच सहयोग के नए दस्तावेज पर मोहर लगाई थी। कैनेडा पोस्ट के अध्यक्ष आंद्रे ओले ने इन्हें जारी करते हुए कहा था, 'ये टिकटें न केवल हमारे दोनों महान् देशों के, बल्कि दोनों देशों के डाक-विभाग के बीच अद्वितीय सहयोग की भी प्रतीक हैं। ये दोनों देशों और उनकी जनता के बीच राजदूत की भूमिका अदा करेंगी।'

मजेदार तथ्य

- एक सर्वे के मुताबिक 200 देशों में डाक टिकटों की छपाई पिछले 150 सालों से हो रही है। अलग-अलग तरह की करीब 5 लाख डाक टिकटें दुनिया भर में हर साल जारी की जाती हैं।
- 1973 में भूटान में म्यूजिक रिकॉड्र्स जैसी डाक टिकटें जारी की गईं। ये सचमुच बहुत रोचक थीं, क्योंकि जब आप इस डाक टिकट को किसी रिकॉर्ड प्लेयर पर लगाते थे, तो यह भूटान का राष्ट्रीय गीत बजाती थी।
- फरवरी 1964 में सियरा लियोन ने पहली सैल्फ-एडहैसिव स्टैंप्स जारी की।
- डाक टिकट पर पहली व्यक्तिगत फोटो विलियम शेक्सपियर की छपी थी। इससे पहले केवल शाही लोगों के ही चित्र टिकटों पर अंकित होते थे।
- साल 1993 में अमरीका के रॉक स्टार एलविस प्रैसली की तस्वीर वाली डाक टिकट बहुत मशहूर हुईऔर उसी साल 120 मिलियन डाक टिकटें बिक गई थीं।
- ब्रिटेन एकमात्र ऐसा देश है जिसकी डाकटिकटों पर उसका नाम अंकित नहीं किया जाता।
- पैसिफिक आइलैंड टोंगा में केले के आकार की डाक टिकटें जारी की गई थीं।
- 1863 में कोलंबिया के राज्य बोलिवर ने सबसे छोटी डाक टिकट जारी की, जोकि 9.5×3.8 एमएम की थी।
- ऑस्ट्रेलिया में एक ऐसी डाक टिकट जारी की गई, जो एकदम रत्न जैसी दिखती थी। इसे बनाने के लिए विशेष तकनीक का इस्तेमाल किया गया। ओपेल जैसी दिखने वाली डाक टिकट 1995 में जारी की गई और 1996 में असली हीरे जैसी दिखने वाली डाक टिकटें जारी की गईं।
- स्पैशल क्रिसमस स्टैंप्स सबसे पहले 1966 में जारी की गई, जिसकी छपाई करने वाली कंपनी रॉयल मेल हर साल 480 मिलियन स्टैंप्स तैयार करती है।
- राष्ट्रीय टिकट संग्रहालय दिल्ली में है। यहां दुनिया भर के डाक टिकटों का अनूठा संग्रह है। यह संग्रहालय डाक भवन, सरदार पटेल चौक, नई दिल्ली में स्थित है। यहां स्टैंप कलैक्शन के शौकीन दुनिया भर की टिकटें खरीद भी सकते हैं।

माउंट एवरेस्ट बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए धर्म का प्रतीक है। नेपाल में माउंट एवरेस्ट को सागरमथा कहा जाता है, जिसका अर्थ है आकाश में माथा...

सागरमथा

माउंट एवरैस्ट दुनिया की सबसे ऊंची चोटी है। इसकी ऊंचाई 8,848 मीटर (29,028 फुट) है। दुनिया की सबसे ऊंची ईमारत बुर्ज दुबई से भी यह करीब साढ़े बारह गुना ऊंची है। कई वैज्ञानिकों का मानना है कि इसकी ऊंचाई हर साल एक इंच बढ़ जाती है। तिब्बती भाषा बोलने वाले माउंट एवरैस्ट को 'चोमोलूंगमा' कहते हैं, जिसका अर्थ है 'देवी, दुनिया की मां'। इसका नाम सर जॉर्ज एवरैस्ट के नाम पर रखा गया। वह 1829 से 1843 तक भारत में सर्वेयर जनरल थे। माउंट एवरैस्ट की लोकेशन व ऊंचाई रिकॉर्ड करने वाले वह पहले व्यक्ति थे। 1856 में इस बात की पुष्टि की गई कि यह दुनिया की सबसे ऊंची चोटी है।

माउंट एवरैस्ट ग्लेशियर्स से ढंका हुआ है। यहां का तापमान शून्य से 45 डिग्री सैल्यिस नीचे तक गिर सकता है। यहां इतनी ठंड होती है कि प्लास्टिक भुरभुरा हो जाता है, बैटरियां काम करना बंद कर देती हैं और थूक जमीन पर पहुंचने से पहले ही जम जाती है। माउंट एवरैस्ट की ऊंचाई दुनिया भर के पर्वतारोहियों को आकर्षित करती है। अब तक करीब चार हजार लोगों ने इस चुनौती को पूरा करने की कोशिश की है। इनमें से अधिकतर कोशिशें मॉनसून से पहले मई में और मॉनसून के बाद सितंबर व अक्तूबर के महीनों के दौरान की गईं। 25,000 वर्ग फुट की ऊंचाई पर समुद्र के तल की अपेक्षा ऑक्सीजन केवल एक-तिहाई ही है। इस कारण हाइपोथर्मिया व फ्रोस्ट-बाइट की समस्याओं के अलावा फेफड़ों व दिमाग से संबंधित परेशानियां भी हो सकती हैं। जो पर्वतारोही अपने साथ ऑक्सीजन लेकर चढ़ाई करते हैं, उनमें भी कमजोरी, फैसला लेने में कठिनाई, सिर दर्द, नॉजिया, डबल विजन और कई बार मतिभ्रम के लक्षण देखने को मिलते हैं। इसके बावजूद कई पर्वतारोहियों ने बगैर ऑक्सीजन के एवरैस्ट की चोटी तक पहुंचने में सफलता हासिल की है।

- 29 मई, 1953 को सर एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नॉर्वे एवरैस्ट की चोटी पर पहुंचने वाले पहले व्यक्ति थे।
- सबसे तेज गति से पहाड़ की चोटी पर पहुंचने का रिकॉर्ड फ्रांस के जीन-मार्क बॉयविन के नाम है। वह पैराग्लाइडर से केवल 11 मिनट में एवरैस्ट की चोटी पर उतरने में सफल रहे।
- नेपाल के मोनो मुलेपति और पेम दोरजी शेरपा ने 30 मई, 2005 को यहां विवाह रचाया। शादी की रस्मों को पूरा करने के लिए वे एक पुजारी को भी अपने साथ लेकर गए। वो भी एक पर्वतारोही था।
- 76 साल की उम्र में एवरैस्ट की चोटी पर चढ़ने वाले मिन बहादुर शेरचन सबसे बड़ी उम्र के थे।
- नेपाल का 15 वर्षीय तेंबा तशेरी माउंट एवरैस्ट पर चढ़ने वाला छोटी उम्र का व्यक्ति था।
- 16 मई, 1973 को एवरैस्ट की चोटी पर पहुंचे वाली पहली महिला जापान की जूंको तबई थी।
- माउंट एवरैस्ट की चोटी पर सबसे ज्यादा समय बिताने का रिकॉर्ड बाबू चिरी शेरपा के नाम है। उन्होंने यहां साढ़े इक्कीस घंटे बिताए।

स्किन का रंग अलग अलग होता है, क्यों?

स्किन की बाहरी लेयर के नीचे कुछ विशेष सैल्स होते हैं, जो पिगमेंट बनाते हैं, जिसे मैलानिन कहते हैं। इंसान की स्किन का रंग मुख्य रूप से शरीर में पाए जाने वाले तीन पिगमैंट्स या कलरिंग मैटीरियलस पर निर्भर करता है, ये हैं- मैलानिन, कैरोटिन और हीमोग्लोबिन। आपकी स्किन में कितना मैलानिन है, उसी से यह तय होता है कि आपका रंग गोरा होगा या काला। गोरे रंग वालों में मैलानिन कम होता है, जबकि गहरे रंग वालों में मैलानिन अधिक होता है। स्किन की भीतरी लेयर में मौजूद दूसरा पिगमेंट कैरोटीन यह तय करता है कि आपका स्किन टोन कितना पीला होगा।

आपमें पिगमेंट्स कितने हैं, यह उन जींस पर भी निर्भर करता है, जो आपको अपने पेरेंट्स से प्राप्त होते हैं। यदि शरीर में ये तीन पिगमैंट्स न हों, तो हमारी स्किन का रंग क्रीमी व्हाइट होगा। इन पिगमैंट्स की कमी के चलते स्किन पर सफेद दाग बन जाते हैं। इस रोग को 'ल्यूकोडर्मा' के नाम से जाना जाता है।

कैसे जलती है माचिस की तीली

बच्चो, हम कोई चीज जलाने के लिए माचिस का प्रयोग करते हैं। माचिस की डिबिया से हम एक तीली निकालते हैं और उसे माचिस की कम चौड़ाई वाली साइड पर रगड़ते हैं। रगड़ने पर तीली जल उठती है। क्या आप जानते हैं कि आखिर माचिस की तीली को आग कैसे लग जाती है? असल में माचिस की खुरदरी सतह फास्फोरस के योगिकों से बनी होती है। फास्फोरस जरा-सी ऊष्मा यानी गर्मी पाते ही चिंगारी देने लगती है। माचिस की तीली के काले सिरे पर पोटाशियम क्लोरेट लगा होता है। पोटाशियम क्लोरेट ज्वलनशील पदार्थ होता है। इसे माचिस की खुरदरी सतह पर रगड़ने से ऊष्मा पैदा होती है। ऊष्मा मिलते ही सतह से चिंगारी निकलती है। इस चिंगारी से तीली के सिरे पर लगा ज्वलनशील पदार्थ जलने लगता है। इस तरह जलती है तीली। अगर तीली को किसी अन्य जगह पर रगड़ा जाए, तो वह नहीं जलती। इसका मुख्य कारण यह है कि उस जगह पर फास्फोरस नहीं लगा होता, फलस्वरूप तीली नहीं जलती।

क्या आप जानते हैं?

- एक कप कॉफी में एक हजार से ज्यादा कैमिकल होते हैं।
- पृथ्वी पर कारों की संख्या पॉपुलेशन ग्रोथ के मुकाबले तीन गुणा तेजी से बढ़ रही है।
- सिर्फ एक फीसदी बैक्टीरिया बीमारी पैदा करते हैं।
- एक सिगरेट व्यक्ति की जिंदगी के पांच मिनट कम कर देती है।
- अधिकतर गाएं तब अधिक दूध देती हैं, जब वे म्यूजिक सुनती हैं।
- मधुमक्खियों की आंखों पर बाल होते हैं।
- जब हिप्पो अपसैट होता है, तब उसके पसीने का रंग लाल हो जाता है।
- बबलगम में रबड़ होता है।
- स्टारफिश का दिमाग नहीं होता।
- टीवी देखने के मुकाबले हम सोते समय अधिक कैलोरीज़ बर्न करते हैं।
- डायनामाइट में मूंगफली का इस्तेमाल किया जाता है।

>> हम बताएं, आप बनाएं

गूगल पर सर्च करते समय आपने इसके 'लोगो' के डिजाइंस को बदलते देखा होगा। इसे डूडल कहते हैं। क्या है यह डूडल, पढ़ें...

गूगल का डूडल

इंटरनैट की दुनिया में गूगल ने अपना एक अलग मुकाम बनाया है। यह मुकाम उसने अपनी रचनात्मकता के बूते बनाया है। गूगल की रचनात्मकता उसके 'लोगो' से भी झलकती रहती है। आपने गूगल के सर्च इंजन का उपयोग करते समय गूगल का लोगो तो जरूर देखा होगा। कई बार आपने ध्यान दिया होगा कि गूगल के मूल लोगो के साथ कई प्रयोग किए जाते हैं, जैसे किसी महापुरुष के जन्मदिन, नववर्ष, क्रिसमस या अन्य किसी अंतरराष्ट्रीय दिवस जैसे मदर्स-डे, फादर्स-डे, वर्ल्ड एनवायरमेंट-डे या वैलेनटाइंस-डे पर। ऐसे समय में बनाए जाने वाले विशेष लोगो को गूगल 'हॉलीडे लोगो' या 'डूडल' कहते है। ये डूडल कुछ खास दिनों के लिए बनाए जाते हैं, जो उस दिन दुनियाभर की कंप्यूटर स्क्रीन पर गूगल के लोगो की जगह दिखाई देते हैं। गूगल की प्रतिभाशाली नौजवानों की टीम के एक सदस्य डेनिस ह्वांग ही गूगल के असली डूडलर हैं। 1978 में अमेरिका के टेनेसी राज्य में पैदा हुए ह्वांग दक्षिण कोरियाई मूल के हैं। वह 2000 से गूगल के साथ जुड़े हुए हैं और ये अनोखे डूडल बना रहे हैं। ह्वांग ने कैलिफोर्निया की स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी से कंप्यूटर साइंस में ग्रेजुएशन के साथ ही गूगल के साथ इंटर्नशिप भी की, जहां इन्हें वैबसाइट्स बनाने में मदद करने का काम दिया गया था। इंटर्नशिप के बाद वह गूगल इंक. में वैबमास्टर बन गए। वैबमास्टर ह्वांग गूगल के लिए सालभर में तकरीबन 50 डूडल बनाते हैं। हाल ही में ह्वांग ने गांधीजी को लेकर गूगल का लोगो बनाया था। वह बताते हैं, 'डूडल बनाने से पहले गूगल पर इमेजिस की खोज के लिए जी-तोड़ मेहनत करनी पड़ती है। फिर सारी मेहनत को ऑ ज़र्व करने के बाद ऐसा डिजाइन बनाते हैं, जो लैटर्स के आकार के साथ इंटरैक्ट करे। यह सचमुच बहुत मजेदार होता है।' 14 जुलाई 2000 को ह्वांग ने बेस्टाईल डे (फ्रांस का राष्ट्रीय दिवस) पर पहला डूडल बनाया। यह इतना हिट हुआ कि पेज और ब्रिन ने ह्वांग को ही स्थाई डूडलर नियु त कर दिया। हालांकि गूगल के लिए पहला डूडल तो खुद गूगल के जनक लैरी पेज और सर्जेई ब्रिन ने ही बनाया था, जो खुद बहुत ही क्रिएटिव माइंड के हैं। कुछ समय पहले ही गूगल ने विभिन्न देशों के बच्चों के बीच एक प्रतियोगिता भी आयोजित कराई थी, जिसमें डूडलर खोजा जाना था। इसमें गूगल का सर्वश्रेष्ठ डूडल बनाने वाले बच्चे को एक लैपटॉप और उसके स्कूल को कई हजार डॉलर की स्कॉलरशिप मिलनी थी। अमेरिका में यह प्रतियोगिता क्रिस्टीन एनजिलबर्थ ने जीती, जिसे 15 हजार डॉलर की कॉलेज स्कॉलरशिप और एक लैपटॉप मिला। इसके अलावा उसके स्कूल को 25 हजार डॉलर की टै नोलॉजी ग्रांट भी दी गई। अभी कई देशों के विजेता बच्चों की घोषणा की जानी है। इन विजेता बच्चों के देश में एक विशेष दिन गूगल उनके बनाए गए डूडल का प्रदर्शन करेगा, जिसे करोड़ों लोग अपनी कप्यूटर स्क्रीन पर देख पाएंगे।

राष्ट्रपति मुर्मू तीन देशों की यात्रा के अंतिम चरण में तिमोर-लेस्ते पहुंचीं

डिली (तिमोर-लेस्ते), 10 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तीन देशों की राजकीय यात्रा के अंतिम चरण में शनिवार को तिमोर-लेस्ते पहुंचीं। तिमोर-लेस्ते की राजधानी डिली में उनका जोरदार स्वागत किया गया। भारत के किसी भी राष्ट्राध्यक्ष की तिमोर-लेस्ते की यह पहली यात्रा है। डिली पहुंचने के फोटो राष्ट्रपति मुर्मू के एक्स हैंडल पर साझा किए गए हैं।

तिमोर-लेस्ते के राष्ट्रपति जोस रामोस होर्ता के अलावा स्थानीय बच्चों ने भारतीय तिरंगा हवा में लहराते हुए हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। द्रौपदी मुर्मू डिली राष्ट्रपति जोस रामोस होर्ता के निमंत्रण पर पहुंचीं हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू डिली में अपने समकक्ष के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगी। उनकी तिमोर-लेस्ते के प्रधानमंत्री के राला जानाना गुस्मो मुलाकात होनी है। इसके अलावा राष्ट्रपति मुर्मू भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ भी बातचीत करेंगी।

न्यूज़ ब्रीफ

व्हाइट हाउस के पास मिले संदिग्ध पैकेट की जांच कर रहे अमेरिकी अधिकारी

वाशिंगटन, 10 अगस्त (एजेंसियां)। व्हाइट हाउस के पास मिले एक संदिग्ध पैकेट की जानकारी प्राप्त होने के बाद अमेरिकी आपातकालीन अधिकारी व्हाइट हाउस पहुंचे और कई प्रवेश द्वारों को बंद कर दिया और संदिग्ध पैकेज की जांच की। यह जानकारी अमेरिकी गुप्त सेवा के प्रवक्ता ने स्पुतनिक को दी।

आपातकाल के संबंध में प्रवक्ता ने शुक्रवार को कहा कि किसी संदिग्ध वस्तु की जांच के लिए यह एक सामान्य बंद है। प्रवक्ता ने कहा कि अगर उन्हें सार्वजनिक सुरक्षा संबंधी चिंता का पता चलता है तो एक अपडेट प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोई भी उच्च-स्तरीय अमेरिकी अधिकारी फिलहाल व्हाइट हाउस में नहीं है, राष्ट्रपति जो बाइडेन डेलावेयर में हैं और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस एरिज़ोना में हैं।

इजराइल को सबक सिखाने तुर्की ने बनाया स्टील डोम

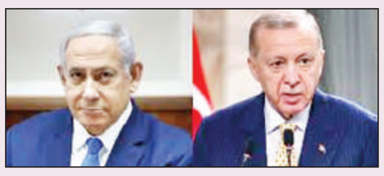

अंकारा। मिडिल ईस्ट में इस समय भारी तनाव की स्थिति है। एक तरफ इजरायल तो दूसरी तरफ फिलिस्तीन के साथ ईरान, तुर्की समेत कई देश हैं, लेकिन फिर भी इजरायल इन देशों की परवाह किए बिना गाजा पर लगातार हमले कर रहा है जिसमें कई बेगुनाह मासूम बच्चे और महिलाएं मारी जा रही हैं। इजरायल के इन हमलों का जवाब देने के लिए तुर्की नया हथियार बना रहा है। इजरायल के आयरन डोम के जवाब में स्टील डोम तैयार कर लिया है। तुर्की ने अत्याधुनिक घरेलू रूप से विकसित बहुस्तरीय वायु रक्षा प्रणाली की योजना की घोषणा की है, जिसे 'स्टील डोम' कहा जाता है। एक रिपोर्ट में कहा गया है एआई-संवर्धित, नेटवर्क-केंद्रित ढाल का उद्देश्य तुर्की के हवाई क्षेत्र के लिए व्यापक सुरक्षा प्रदान करना है। हैरान करने वाली बात यह है कि ईरान ने पुतिन को भी टेंशन दे दी है। दरअसल दोनों देश के बीच एस-400 मिसाइल डील खत्म हो गई है। 2.5 बिलियन डॉलर की रूसी एस-400 मिसाइल प्रणाली, जो अंतरराष्ट्रीय तनाव का अहम स्रोत है इसको नए सिस्टम से बाहर रखा गया है। यह निर्णय तुर्की द्वारा अपने नाटो सहयोगियों और रूस के बीच जटिल भू-राजनीतिक रिश्तों को उजागर करता है। तुर्की ने महत्वाकांक्षी 'स्टील डोम' परियोजना को हरी झंडी दे दी है, जो अत्याधुनिक बहुस्तरीय वायु रक्षा प्रणाली है।

बांग्लादेश में भड़की हिंसा के बीच तारिक तलाश रहे सत्ता में वापसी का मौका

ढाका। भ्रष्टाचार के आरोपों में नजरबंद रहीं बांग्लादेश की पूर्व पीएम बेगम खालिदा जिया के बेटे और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक प्रमुख तारिक रहमान के अंदर बांग्लादेश पीएम बनने की लालसा जाग गई है। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना के खिलाफ भड़के हिंसक आंदोलन के बाद तारिक रहमान को सत्ता में वापसी का मौका दिखाई दे रहा है। रहमान ने कहा है कि बांग्लादेश में जल्दी चुनाव होना चाहिए जबकि बांग्लादेश में हिंसक आंदोलन की अगुवाई करने वाले छात्र संगठन ने इसका विरोध किया है। छात्र संगठन ने कहा है कि उनकी पार्टी अभी तैयार ही नहीं हुई है। देखा जाए तो तारिक रहमान पीएम बनने को बेकरार हैं। बहरहाल बांग्लादेश में काम चलाऊ सरकार ने शपथ ली है जिसके मुखिया नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को बनाया गया है। वहीं बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने ऐलान किया है कि उनकी पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान ढाका लौटने वाले हैं।

हसीना ने आधिकारिक तौर पर प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा नहीं दिया : सजीब

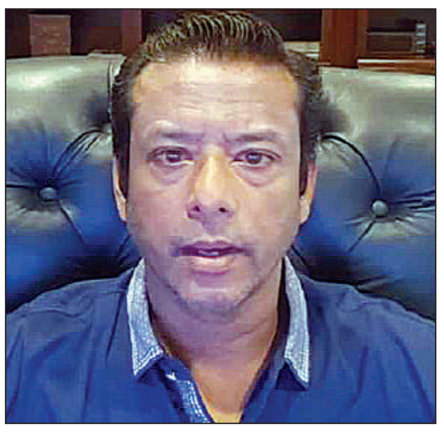

ढाका,10 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बेटे सजीब वाजिद जॉय ने शनिवार को कहा कि उन्होंने (सुश्री हसीना) देश छोड़ने से पहले आधिकारिक तौर पर प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा नहीं दिया है।सजीब ने यहां अपने बयान में कहा कि सुश्री हसीना को समय नहीं मिला और उन्होंने आधिकारिक तौर पर प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा नहीं दिया है। उन्होंने कहा मेरी मां ने एक बयान जारी करने और अपना इस्तीफा सौंपने की योजना बनायी थी, लेकिन फिर प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री के आवास की ओर मार्च करना शुरू कर दिया। और समय नहीं था। मेरी मां के पास सामान भी नहीं था। जहां तक संविधान की बात है, तो वह अभी भी बांग्लादेश की प्रधानमंत्री हैं।उन्होंने कहा कि हालांकि बांग्लादेश के राष्ट्रपति ने सैन्य प्रमुखों और विपक्षी नेताओं से परामर्श के बाद संसद को भंग कर दिया था, लेकिन प्रधानमंत्री के औपचारिक रूप से इस्तीफा दिए बिना कार्यवाहक सरकार के गठन को अदालत में चुनौती दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि सुश्री हसीना की अवामी लीग पार्टी अगला चुनाव लड़ेगी, जो तीन महीने के भीतर होना चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि अवामी लीग सत्ता में आयेगी। अगर नहीं, तो हम विपक्ष में होंगे। कोई भी रास्ता ठीक है।यह पूछे जाने पर कि क्या वह अवामी लीग के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे, सजीब ने कहा, मेरी मां वैसे भी इस कार्यकाल के बाद सेवानिवृत्त होने वाली थीं। अगर पार्टी चाहती है, तो मैं निश्चित रूप से इस पर विचार करूंगा। उन्होंने कहा, मेरी मां विद्रोह का नेतृत्व करने वाले छात्रों की मांग के अनुसार घर वापस लौटकर मुकदमे का सामना करने के लिए तैयार हैं। वह गिरफ्तारी के खतरे से पहले कभी नहीं डरी। उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। सिर्फ़ इसलिए कि उनकी सरकार में लोगों ने अवैध काम किए, इसका मतलब यह नहीं है कि मेरी मां ने ऐसा करने का आदेश दिया। इसका मतलब यह नहीं है कि मेरी मां इसके लिए ज़िम्मेदार हैं।सजीब ने कहा, सरकार एक बहुत बड़ी मशीनरी है। जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। मेरी मां ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ़ हिंसा करने का आदेश बिल्कुल नहीं दिया। पुलिस हिंसा को रोकने की कोशिश कर रही थी, लेकिन कुछ पुलिस अधिकारियों ने अत्याधिक बल का इस्तेमाल किया। हमने छात्रों पर गोली चलाने वाले पुलिस अधिकारियों को निलंबित किया था। हमने वह सब कुछ किया जो हम कर सकते थे। राजनीतिक दल कहीं नहीं जा रहे हैं। आप हमें मिटा नहीं सकते। हमारी मदद और हमारे समर्थकों के बिना, आप बांग्लादेश में स्थिरता लाने में सक्षम नहीं होंगे।

प्रदर्शनकारियों के दबाव के बीच बांग्लादेश के मुख्य न्यायाधीश का इस्तीफा

ढाका, 10 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश के मुख्य न्यायाधीश ओबैदुल हसन ने छात्र प्रदर्शनकारियों के दबाव के बीच कानून मंत्रालय को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। बांग्लादेश मीडिया ने शनिवार को यह खबर दी।

ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार यह कदम एक विपक्षी नेता की ओर से श्री हसन को पद छोड़ने की मांग करने वाले अल्टीमेटम के बाद उठाया गया है। उम्मीद है कि राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन उनके इस्तीफे पर कार्रवाई करेंगे। मुख्य न्यायाधीश के साथ सुप्रीम कोर्ट के अपीलीय प्रभाग के पांच न्यायाधीश भी इस्तीफा देने वाले थे। गौरतलब है कि गत रविवार को भेदभाव-विरोधी छात्र आंदोलन की ओर से अधिकारियों के साथ एक बहु-दिवसीय असहयोग कार्रवाई की घोषणा के बाद पूरे बंगलादेश में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। छात्रों, पुलिस और सरकार समर्थकों के बीच झड़पें दंगों में बदल गईं। अशांति के बीच बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस्तीफा दे दिया। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री एवं बैंकर मोहम्मद यूनुस ने गुरुवार को देश के अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली।

रुकने का नाम नहीं ले रहा युद्ध

यूक्रेनी सेना ने रुस के 350 वर्ग किमी क्षेत्र में किया कब्जा पुतिन ने लगाई इमरजेंसी

मॉस्को, 10 अगस्त (एजेंसियां)। कहने को रुस बेहद शक्तिशाली देश माना जाता है लेकिन एक छोटा सा देश यूक्रेन लगातार उसे चुनौती दे रहा है। यूक्रेनी सेना ने रुस के महत्वपूर्ण इलाके में कब्जा कर लिया है। उत्तर-पूर्व रूस के कुर्स्क क्षेत्र में तीन दिन से यूक्रेन की अप्रत्याशित छापेमारी लगातार जारी है। 6 अगस्त की सुबह ऑपरेशन शुरू होने के बाद से रूस ने अपने क्षेत्र के कम से कम 350 वर्ग किमी से पूरी तरह से नियंत्रण खो दिया है। दावा किया जा रहा है कि इस ऑपरेशन में रूस के सैकड़ों सैनिक मारे गए या गिरफ्तार हुए हैं। रूस की ओर से यूक्रेनी सैनिकों को घुसने से रोकने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। यूक्रेन की ओर से इसे रूस के साथ मौजूदा युद्ध के सबसे साहसी जवाबी हमले की तरह देखा जा रहा है।

वॉशिंगटन स्थित थिंक टैंक इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर ने कहा कि यूक्रेनी बलों ने कई अहम बस्तियों पर कब्जा कर लिया है। यूक्रेनी बलों के नियंत्रण में आया क्षेत्रफल करीब 350 वर्ग किलोमीटर है। रूस ने तनाव बढ़ने के बाद अपने दक्षिणी कुर्स्क क्षेत्र में अतिरिक्त टैंक, तोपखाने और रॉकेट प्रणालियां भेजी हैं।

फरवरी 2022 से रूस और यूक्रेन आमने-सामने

रूस ने कुर्स्क क्षेत्र में स्थिति को देखते हुए शुक्रवार को आपातकाल घोषित कर दिया और अतिरिक्त सुरक्षा बलों को भेजा है। फरवरी 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से व्लादिमीर पुतिन और रूस के सामने यूक्रेन की ओर से पेश की गई यह सबसे बड़ी चुनौती मानी जा रही है। यूक्रेन का ये चौंकाने वाला सैन्य अभियान मंगलवार की सुबह शुरू हुआ। यूक्रेनी सेना का ध्यान रूसी शहर सुद्जा और उसके आसपास केंद्रित है। इसमें अंतिम पाइपलाइन में से एक पर गैस ट्रांजिट स्टेशन भी शामिल है जो अभी भी मध्य यूरोप में रूसी गैस की आपूर्ति कर रहा है।

अमेरिका को नष्ट करने की साजिश का हिस्सा हैं अप्रवासी : डोनाल्ड ट्रम्प

वाशिंगटन, 10 अगस्त)। अमेरिका में रह रहे लाखों आप्रवासियों को देश से निकालने की कसम तक खा चुके अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर अप्रवासियों के प्रति जहर उगला है। पत्रकारों से चर्चा करते हुए ट्रम्प ने कहा कि दुनियाभर से लंपट अमेरिका चले आते हैं। विश्वभर में जेलों, कारागारों और मानसिक संस्थानों को खाली किया जा रहा है ताकि कैदियों को अमेरिका भेजा जा सके ताकि वे अमेरिका पहुंचकर देश को नष्ट कर सकें। ट्रम्प के इस बयान की खूब आलोचना हो रही है और लोग अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति को अमेरिका की तरक्की में आप्रवासियों के योगदान की जानकारी दोबारा हासिल करने की सलाह दे रहे हैं। एक शोध के अनुसार, आप्रवासियों की अमेरिकी सकल घरेलू उत्पाद (यूएस जीडीपी) में 17 फीसदी हिस्सेदारी है, जो 3.3 ट्रिलियन डॉलर के बराबर बनती है।

आप्रवासन से अगले दशक में अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद में 7 ट्रिलियन डॉलर की वृद्धि होने और सरकार को 1 ट्रिलियन डॉलर का अतिरिक्त राजस्व मिलने की उम्मीद है। चूंकि आप्रवासियों का एक बड़ा हिस्सा कामकाजी आयु का है और बहुत उत्पादक और उद्यमशील है, इसलिए बढ़ते आप्रवासन से अमेरिका का प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद भी बढ़ रहा है। आप्रवासी (शरणार्थियों और शरण चाहने वालों को मिलाकर) संघीय, राज्य और स्थानीय करों के रूप में सालाना लगभग 525 बिलियन डॉलर का भुगतान अमेरिकी खजाने में करते हैं।

ब्राजील के साओ पाउलो में बड़ा हादसा, 62 लोगों को ले जा रहा विमान हुआ दुर्घटनाग्रस्त

साओ पाओलो, 10 अगस्त (एजेंसियां)। ब्राजील के साओ पाओलो में एक यात्री विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जानकारी के मुताबिक इस विमान में 62 लोग सवार थे। इस हादसे में कितने लोगों की मौत हुई और कितने लोगों को बचाया गया है इस बारे में अंतिम जानकारी उपलब्ध नहीं मिल सकी है। यह विमान 14 साल पुराना विमान था। यह विमान एक आवासीय इलाके में क्रैश हुआ है। घटना से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

एयरलाइन वोएपास ने विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की पुष्टि की है। विमान में 58 यात्री और 4 चालक दल के सदस्य सवार थे। यह विमान साओ पाउलो के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर जा रहा था।

एयरलाइन ने एक बयान में पुष्टि की कि साओ पाउलो के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ग्वारुलहोस के लिए जा रहा एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें 58 यात्री और 4 चालक दल के सदस्य सवार थे। बयान में यह नहीं बताया गया कि दुर्घटना किस कारण से हुई।

साओ पाउलो के राज्य अग्निशमन विभाग ने सोशल मीडिया पर पुष्टि की कि विन्हेडो में एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसने दुर्घटना वाले क्षेत्र में सात दल भेजे हैं। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में दिखाया गया है कि विमान पेड़ों के समूह में गिर रहा है और उसके बाद काले धुएं का बड़ा गुबार उठता दिख रहा है। घटना ब्राजील के साओ पाउलो राज्य की है।

नेपाल के उद्योग मंत्री दामोदर भंडारी और भारत के पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के साथ हुई बैठक

भारत के सहयोग से नेपाल में तीन प्रमुख पेट्रोलियम परियोजनाओं का होगा निर्माण

नई दिल्ली/काठमांडू, 09 अगस्त (एजेंसियां)। *भारत के आर्थिक अनुदान से नेपाल में तीन प्रमुख पेट्रोलियम परियोजनाओं का निर्माण किया जाएगा। नेपाल के उद्योग, वाणिज्य एवं आपूर्ति मंत्री दामोदर भंडारी ने पिछले दिनों नई दिल्ली में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी के साथ बैठक कर इन परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की। इस बैठक में भारतीय सहयोग से अमलेखगंज-चितवन, सिलीगुड़ी-झापा पाइपलाइन और झापा में भंडारण टैंक बनाने का फैसला किया गया।*

नई दिल्ली में 6-8 अगस्त तक आयोजित बिम्सटेक व्यापार शिखर सम्मेलन के बाद काठमांडू लौटे मंत्री भंडारी के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल में शामिल वाणिज्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव बाबूराम अधिकारी ने शनिवार को पत्रकारों को यह जानकारी दी। बाबूराम ने बताया कि भारतीय अनुदान से पेट्रोलियम परियोजना के निर्माण को अंतिम रूप दे दिया गया है। दोनों देशों के मंत्री स्तरीय बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि भारत सब्सिडी के साथ परियोजना का निर्माण करने पर सहमत हो गया है। उन्होंने बताया कि दोनों देशों की संयुक्त सचिव स्तर की बैठक में भारतीय सब्सिडी से परियोजना को लेकर औपचारिक सिफारिश की जाएगी और सरकार की मंजूरी के बाद निर्माण शुरू हो जाएगा। जल्द ही दोनों देशों के संयुक्त सचिवों की अगुवाई में बैठक होगी।

तत्कालीन प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल 'प्रचंड' के पिछले साल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ नई दिल्ली में हुई बैठक में इसको लेकर समझौता हुआ था। समझौते में यह शर्त थी कि दोनों देशों की तेल कंपनियां 6 महीने के भीतर निर्माण पूरा करेंगी लेकिन इस मुद्दे पर भ्रम था कि भारत 'ऋण या अनुदान' कैसे निवेश करेगा। मंत्री भंडारी ने अपने हालिया भारत दौरे में इस बात को लेकर विस्तृत बातचीत कर समझौते को अंतिम रूप दिया। इस बैठक में यह तय किया गया कि भारत सब्सिडी के साथ परियोजना का निर्माण करेगा।

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने पुरुष हॉकी टीम को किया सम्मानित, दृढ़ता और जज्बे को सराहा

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम शनिवार को पेरिस से स्वदेश लौट आई हैं। भारत लौटने पर टीम का भव्य स्वागत किया गया और केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने टीम के सदस्यों का सम्मान किया।

भारतीय हॉकी टीम ने स्पेन को 2-1 से हराकर लगातार दूसरी बार ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। पुरुष हॉकी टीम ने इससे पहले टोक्यो ओलंपिक में भी कांस्य अपने नाम किया था। मांडविया ने खिलाड़ियों के समर्पण और कड़ी मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि वैश्विक मंच पर उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन ने पूरे देश को गर्व से भर दिया है। मांडविया ने कहा, आपने भारत को बहुत गौरव दिलाया है और लाखों युवा खिलाड़ियों को अपने सपनों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। पूरे देश को आपकी उपलब्धि पर गर्व है। यह जीत आपकी दृढ़ता, टीम वर्क और अदम्य जज्बे का प्रमाण है। आपने भारत को बहुत गौरव दिलाया है और लाखों युवा एथलीटों को अपने सपने पूरे करने के लिए प्रेरित किया है।

केंद्रीय मंत्री ने टीम की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कोचिंग स्टाफ और सहयोगी टीम के अथक प्रयास की भी सराहना की। उन्होंने भारत में हॉकी को और अधिक बढ़ावा देने के साथ देश की खेल प्रतिभा को निखारने के लिए सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। मांडविया ने कहा, हॉकी हमारे लिए सिर्फ एक खेल से कहीं अधिक है। यह हमारे राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। टीम द्वारा प्रदर्शित कड़ी मेहनत, प्रतिबद्धता और जुनून के कारण यह ऐतिहासिक सफलता मिली है। आपने दुनिया को दिखाया है कि संकल्प और बुलंद हौसले से क्या हासिल किया जा सकता है।

खिलाड़ियों के साथ बातचीत के दौरान मांडविया ने उन्हें उत्कृष्टता के लिए प्रयास जारी रखने और भविष्य में और भी बड़ी उपलब्धियों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

न्यूज ब्रीफ

युवा क्रिकेटर जितेश शर्मा की शालका मकेश्वर से सगाई हुई

नई दिल्ली। युवा क्रिकेटर जितेश शर्मा की सगाई हो गयी है। विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश आईपीएल में पंजाब किंग्स की ओर से खेलते हैं। उनकी सगाई शालका मकेश्वर से हुई है। इस क्रिकेटर ने सोशल मीडिया पर अपनी सगाई की जानकारी प्रशंसकों को दी। जितेश ने अपनी सगाई की कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर साझा की हैं। इस घोषणा के बाद ही उन्हें साथी खिलाड़ियों से बधाई मिलनी शुरु हो गयी है। सूर्यकुमार यादव सहित कई क्रिकेटरों ने सोशल मीडिया पर जितेश को उनकी सगाई पर बधाई दी है। सूर्या ने लिखा, बहुत बहुत बधाई भाऊ और वाहिनी दोनों को। वहीं रुतुराज गायकवाड़ ने जितेश का शादीशुदा क्लब में स्वागत करते हुए उन्हें बधाई दी, जबकि शिवम दुबे ने भी नवविवाहित जोड़े को शुभकामनाएं भेजीं हैं। इसके अलावा वॉशिंगटन सुंदर, मोहसिन खान और पंजाब किंग्स के पूर्व कोच वसीम जाफर सहित कई अन्य लोगों ने उन्हें बधाई दी है। सभी ने जितेश और शालका को सुखी वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दीं हैं। शालका के पास इंजीनियरिंग की डिग्री है और वह एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में काम कर रही हैं। वहीं जितेश शर्मा ने भारतीय टीम की ओर से अबतक नौ टी20 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 147.05 के प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से 100 रन बनाए हैं।

नीरज चोपड़ा को बधाई देते नजर आए अभिषेक

मुंबई। पेरिस ओलंपिक में भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा के पदक जीतते ही अभिनेता अभिषेक बच्चन उनसे गले मिले थे। इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर आई हैं। इन तस्वीरों में अभिषेक को दर्शकों के बीच बैठकर ताली बजाते और जीत के बाद नीरज से गले मिलते देखा जा सकता है। अभिषेक भारतीय खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने यहां पहुंचे थे। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी भारतीय तिरंगे के साथ एक तस्वीर भी साझा की थी। अब इसी इवेंट का एक वीडिया भी वायरल हो रहा है। इस वायरल वीडियो में अभिषेक को नीरज से मुलाकात करते हुए देखा जा सकता है। अभिषेक इस दौरान रजत जीतने पर नीरज को बधाई देते और उनसे गले मिलते दिख रहे हैं। यह वीडियो काफी तेजी से वायरल हुआ है। नीरज ने जैवलिन थ्रोल में रजत पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। अभिषेक भी इस ऐतिहासिक पल में शामिल थे। उन्होंने इंस्टाग्राम पर तस्वीर साझा कर खुशी भी भी जताई। अभिषेक की खेलों में काफी रुचि है और ऐसे में वह कई अहम मुकाबलों के दौरान देखे जाते हैं।

बावुमा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वापसी करते हुए अर्धशतक लगाया

त्रिनिदाद। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा ने मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ वापसी करते हुए 86 रन बनाये। बावुमा ने 227 दिनों के बाद मैदान पर वापसी करते हुए आक्रामक बल्लेबाजी की। अपनी आक्रामक पारी के दौरान उन्होंने 182 गेंदों पर 7 चौके और 1 छक्के लगाया। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 47.25 रनों का रहा है। बावुमा के अलावा टोनी डी जॉर्जी ने भी पारी की शुरुआत करते हुए 78 रन बनाये। टोनी ने अपनी इस पारी में 7 चौके और 2 छक्के लगाए। इससे दक्षिण अफ्रीकी टीम पहली पारी में 344 रन बना पायी। बावुमा को आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम से बाहर कर दिया गया था। उसके बाद इस टूर्नामेंट में टीम की कप्तानी एडन मारक्रम को मिली थी। बावुमा दिसंबर 2023 में भारत के खिलाफ हुए मुकाबले में अंतिम बार उतरे थे। इस दौरान वह चोटिल भी हो गये थे।

पेरिस ओलंपिक में भारत को मिला एक और पदक

भारतीय प्लेयर अमन सेहरावत ने कुश्ती में जीता कांस्य पदक

पेरिस, 10 अगस्त (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारतीय पहलवान अमन सहरावत ने कुश्ती में कांस्य पदक जीता। अमन ने शुक्रवार देर रात को कांस्य के लिए खेले गए मुकाबले में पुअर्तो रिको के डारियान टोई क्रूज को 13-5 के अंतर से हराया। इससे पहले, 21 वर्षीय पहलवान अमन ने गुरुवार को प्री क्वार्टर फाइनल और क्वार्टर फाइनल में दमदार प्रदर्शन किया था लेकिन पुरुषों के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग के सेमीफाइल में जापान के शीर्ष वरीय रेई हिगुची से एकतरफा अंदाज में हार गए थे। भारत ने पेरिस ओलंपिक में अबतक पांच कांस्य और एक रजत सहित कुल छह पदक जीते हैं।

पहले राउंड में ही अमन 6-3 से आगे चल रहे थे। दूसरे राउंड अमन ने इस बढ़त को और आगे बढ़ाया और क्रूज को कोई मौका नहीं दिया। इस तरह अमन सहरावत ने जीत हासिल की। अमन पेरिस ओलंपिक में भारत के एकमात्र पुरुष पहलवान थे। हालांकि, उन्होंने कुश्ती में पदकों के सिलसिले को बरकरार रखा। भारत 2008 बीजिंग ओलंपिक के बाद से हर ओलंपिक में कुश्ती में पदक जीत रहा है। 2008 में सुशील कुमार ने कांस्य, 2012 में सुशील ने रजत और योगेश्वर दत्त ने कांस्य, 2016 में साक्षी मलिक ने कांस्य, 2020 टोक्यो ओलंपिक में रवि दहिया ने रजत और बजरंग पूनिया ने कांस्य पदक जीता था। अमन का यह पहला ओलंपिक था और उन्होंने अपने पहले ही ओलंपिक में कांस्य पदक जीत लिया है। अमन ने इस तरह ओलंपिक में कुश्ती में भारत का पदक का खाता खोला। विनेश फोगाट के अयोग्य करार दिए जाने के बाद निराशा में डूबे भारत को उन्होंने खुशियां दी हैं।

रीतिका हुड्डा क्वार्टर फाइनल में हारीं

भारतीय महिला पहलवान रीतिका हुड्डा पेरिस ओलंपिक 2024 में महिलाओं की 76 किलोग्राम फ्रीस्टाइल कुश्ती स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में हार गईं। क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला शीर्ष वरीयता प्राप्त किर्गिस्तान की एपेरी मेडेट काइजी से हुआ। यह मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा लेकिन आखिरी अंक एपेरी काइजी ने स्कोर किया था। इस कारण उन्हें सेमीफाइनल में जगह मिल गई। अब अगर किर्गिस्तान की पहलवान फाइनल में पहुंचती हैं तो फिर रितिका को रेपचेज खेलने का मौका मिलेगा। इससे पहले रितिका ने राउंड ऑफ 16 मुकाबले में हंगरी की पहलवान बर्नाडेट नागी को 12-2 से पटखनी देकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी।

पीएम मोदी ने अमन को दी जीत की बधाई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहलवान अमन सहरावत को पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने पर बधाई दी है। सहरावत सबसे कम उम्र में पुरुषों के 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में कांस्य पदक जीतने वाले पहले भारतीय पहलवान हैं। अमन ने तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में प्यूर्टो रिको के डेरियन क्रूज़ को 13-5 से हराया। इस मुकाबले में उतरते समय सहरावत की उम्र 21 साल 24 दिन रही। इस प्रकार उन्होंने पीवी सिंधु के 2016 में रियो ओलंपिक 2016 में रजत पदक जीतने के रिकार्ड को भी तोड़ दिया। तब रजत जीतते समय सिंधु की उम्र 21 साल 1 महीने और 14 दिन की थीं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी पोस्ट में अमन की प्रशंसा करते हुए कहा,अधिक गर्व, हमारे पहलवानों को धन्यवाद। पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की फ़्रीस्टाइल 57 किग्रा में कांस्य पदक जीतने के लिए अमन सहरावत को बधाई। उनका समर्पण और दृढ़ता स्पष्ट रूप से झलकती है। पूरा देश इस उल्लेखनीय उपलब्धि का जश्न मना रहा है। पूरा कुश्ती जगत इस जीत का जश्न मना रहा है। विनेश फोगाट को फाइनल से पहले अयोग्य ठहराये जाने के बाद ऐसा लग रहा था कि 2008 के बाद पहली बार भारतीय पहलवान ओलंपिक से खाली हाथ लौटेंगे, तब सहरावत ने कांस्य पदक जीतकर दल का उत्साह बढ़ाया।

आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स में विनेश फोगाट पर सुनवाई पूरी फैसला जल्द आने की संभावना

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाफ को पेरिस ओलंपिक फाइनल से ठीक पहले वजन अधिक होने के आरोप में अयोग्य करार दिये जाने के मामले में सुनवाई पूरी हो गयी है। इस मामले में अब फैसला जल्द आने की उम्मीद है। विनेश ने इस प्रकार अयोग्य ठहराने जाने के खिलाफ भारतीय ओलंपिक संघ कोर्ट (आईओए) के साथ मिलकर ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स (कैस) में अपील की थी। कैस में इस मामले को लेकर 3 घंटे सुनवाई चली। फाइनल से पहले विनेश का वजन उनके 50 किलो वर्ग में 100 ग्राम अधिक पाया गया था। आईओए को उम्मीद है कि इस मामले में फैसला विनेश के पक्ष में आयेगा। आईओए ने अपने एक बयान में कहा, 'भारतीय ओलंपिक संघ को उम्मीद है कि विनेश की अपील पर कोई अच्छा फैसला आयेगा।' विनेश की जगह फाइनल में क्यूबा की पहलवान युस्नेलिस गुजमान लोपेज उतरीं जबकि वह सेमीफाइनल में विनेश से हारी थी।

कोर्ट में 3 घंटे चली सुनवाई

विनेश ने अपनी अपील में लोपेज के साथ संयुक्त रूप से रजत पदक दिये जाने की अपील की है। विनेश का कहना है कि मंगलवार को लोपेज के खिलाफ हुए मुकाबलों के दौरान उनका वजन निर्धारित 50 किलो सीमा के अंदर था। विनेश का पक्ष सीनियर एडवोकेट हरीश साल्वे और विदुष्पत सिंघानिया ने रखा। आईओए ने कहा, 'मामला विचाराधीन है, इसलिए आईओए अभी इतना ही कह सकता है कि ऑस्ट्रेलियाई आर्बिट्रेटर डॉक्टर अनाबेल बेनेट एसी एससी ने सभी पक्षों को सुना। इस दौरान विनेश के अलावा यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग, इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी और आईओए ने अपनी ओर से पक्ष रखे। सभी संबंधित पक्षों को सुनवाई से पहले एफिडेविट जमा करने को कहा गया था। उसके बाद ही बहस हुई। आईओए ने कहा, 'आर्बिट्रेटर बेनेट ने संकेत दिया कि आदेश का कार्यकारी हिस्सा जल्दी ही आएगा। वहीं विस्तृत फैसला बाद में सुनाया जाएगा।' वहीं आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा, 'आईओए मानता है कि विनेश का साथ देना उसका काम है कयोंकि हमें उसकी उपलब्धियों पर गर्व है।'

डूरंड कप : नॉकआउट में जगह बनाने के लिए मुंबई सिटी एफसी से भिड़ेगी पंजाब एफसी की टीम

कोलकाता, 10 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब एफसी की टीम 133वें डूरंड कप में नॉकआउट में जगह बनाने की उम्मीदें बरकरार रखने के लिए रविवार को ग्रुप सी के मुकाबले में आईएसएल ट्रॉफी विजेता मुंबई सिटी एफसी का सामना करेगी। यह मैच किशोर भारती क्रीड़ांगन में खेला जाएगा और शाम 4 बजे शुरू होगा।

पंजाब एफसी के लिए एक जीत उन्हें सात अंकों पर पहुंचा देगी, जो उन्हें नॉकआउट में जगह दिलाने के लिए पर्याप्त हो सकती है, चाहे वह ग्रुप विजेता के रूप में हो या टूर्नामेंट में दूसरे स्थान की सर्वश्रेष्ठ टीम के रूप में। केरल ब्लास्टर्स, जो आज सीआईएसएफ प्रोटेक्टर्स इलेवन के खिलाफ खेल रहे हैं, भी सात अंकों के साथ समाप्त करेंगे, लेकिन उनका गोल अंतर बेहतर है। पंजाब एफसी ने अपने पहले मैच में सीआईएसएफ प्रोटेक्टर्स इलेवन को 3-0 से हराया और दूसरे मैच में केरल ब्लास्टर्स के खिलाफ एक रोमांचक 1-1 ड्रॉ खेला। वहीं मुंबई सिटी एफसी को पहले मैच में केरल ब्लास्टर्स ने 8-0 से मात दी थी और दूसरे मैच में उन्हें सीआईएसएफ प्रोटेक्टर्स से 2-0 की हार का सामना करना पड़ा था। पंजाब एफसी पिछले दो मैचों में आक्रमण में शानदार रहा है, जिसमें लुका माजसेन ने दो मैचों में तीन गोल करके गोल स्कोरिंग चार्ट में शीर्ष स्थान हासिल किया है। निखिल प्रभु, विनीत राय और क्रोएशियाई फिलिप मर्जलियाक की नई मिडफील्ड तिकड़ी ने मिलकर बेहतरीन खेल दिखाया है और वे मिडफील्ड पर हावी होने की कोशिश करेंगे।

पेरिस ओलंपिक : स्पेन ने फ्रांस को हराकर 32 साल बाद जीता पुरुष फुटबॉल में स्वर्ण पदक

पेरिस, 10 अगस्त (एजेंसियां)। स्थानापन्न सर्जियो कैमेलो ने अतिरिक्त समय में दो गोल किए, जिससे स्पेन ने शुक्रवार देर रात को फ्रांस के खिलाफ 5-3 से जीत दर्ज करके ओलंपिक पुरुष फुटबॉल फाइनल में स्वर्ण पदक जीता। पार्क डेस प्रिंसेस में रोमांचक जीत ने स्पेनिश फुटबॉल के लिए एक स्वर्णिम ग्रीष्मकाल पूरा किया - पिछले महीने सीनियर टीम की यूरोपीय चैम्पियनशिप जीत के बाद।

स्पेन, जो तीन साल पहले टोक्यो ओलंपिक में ब्राजील से फाइनल हार गया था, 1992 में बार्सिलोना खेलों में टूर्नामेंट जीतने के बाद से पुरुष फुटबॉल में पहला यूरोपीय स्वर्ण पदक विजेता बन गया। फ्रांस ने 3-1 से पिछड़ने के बाद वापसी की और खेल को अतिरिक्त समय में भेज दिया जब जीन-फिलिप माटेता ने तीसरे मिनट में पेनल्टी स्पॉट से बराबरी का गोल किया। लेकिन स्थानापन्न कैमेलो ने 100वें मिनट में फ्रांस के गोलकीपर गिलौम रेस्टेस को छकाते हुए पहले मिनट में ही अपना दूसरा गोल कर लिया।

स्पेन की जीत फर्मिन लोपेज़ और एलेक्स बेना के लिए व्यक्तिगत दोहरी उपलब्धि थी, जो दोनों यूरो 2024 जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। बार्सिलोना के स्टार लोपेज़ ने दो गोल किए और बेना ने पहले हाफ में 10 मिनट के तेज खेल में स्पेन के लिए दूसरा गोल किया, जिससे एन्जो मिलोट द्वारा फ्रांस के लिए पहला गोल करने के बाद मध्यांतर तक स्पेन 3-1 से आगे हो गया। लेकिन खेल का रुख उस समय बदल गया जब फ्रांस ने मैगनेस अक्लिओचे और जीन-फिलिप माटेता के माध्यम से वापसी की, जिन्होंने अतिरिक्त समय के तीसरे मिनट में पेनल्टी को गोल में बदल दिया और खेल को अतिरिक्त समय में ले गया।

नाटकीय चरमोत्कर्ष ने घरेलू प्रशंसकों को पागल कर दिया और वे एलेज़ लेस ब्लूज़ के नारे लगाने लगे तथा अपनी टीम को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने लगे।

और जबकि कैमेलो के गोलों ने अंततः लॉस एंजिल्स 1984 के बाद से पहली बार स्वर्ण जीतने की फ्रांस की उम्मीदों को समाप्त कर दिया, भीड़ जोर से जयकार करती रही क्योंकि कोच थिएरी हेनरी और उनके खिलाड़ियों ने अंतिम सीटी बजने के बाद सम्मान के साथ अपनी सराहना व्यक्त की। हेनरी ने कहा, यह एक पागलपन भरा फाइनल था, अंत में हमें पदक मिला। दुर्भाग्य से, हम ओलंपिक चैंपियन नहीं हैं, लेकिन आप इस टीम से कुछ भी नहीं छीन सकते। कैमेलो ने अपने हाफ से भागकर रेस्टेस को पीछे छोड़ते हुए दूसरा गोल किया, जिससे स्पेनिश खिलाड़ी में उन्मादपूर्ण जश्न मनाया गया। फॉरवर्ड ने अपनी शर्ट फाड़ दी और टीम के साथी तथा स्थानापन्न खिलाड़ी उसके पीछे पड़ गए, जो टचलाइन से मैदान पर आ गए। वह 83वें मिनट में केवल स्थानापन्न के रूप में आये थे, जब स्पेन ने नियमित अंतराल में अपनी बढ़त को बचाने का प्रयास किया - लेकिन अंततः राष्ट्रीय नायक बन गये। स्पेन की जीत ने ओलंपिक के पिछले पांच संस्करणों से लैटिन अमेरिकी देशों के वर्चस्व को समाप्त कर दिया। उस समय ब्राज़ील और अर्जेंटीना ने दो बार जीत हासिल की, जबकि मेक्सिको ने भी स्वर्ण पदक जीता।

पेरिस ओलंपिकः मुक्केबाजी के अंतिम दिन उज्बेकिस्तान ने जीते दो स्वर्ण

पेरिस, 10 अगस्त (एजेंसियां)। रोलांड गैरोस में मुक्केबाजी के अंतिम दिन शुक्रवार देर रात चार स्वर्ण पदक दिए गए, जिसमें चीन की वू यू, अल्जीरिया की इमान खलीफ और उज्बेकिस्तान की जोड़ी असदखुजा मुयदिनखुजाएव और लाजीजबेक मुलोजोनोव ने स्वर्ण पदक जीता।

महिलाओं के 50 किग्रा के फाइनल में, चीन की वू यू ने तुर्किये की बुसे नाज़ काकिरोग्लू को विभाजित निर्णय के माध्यम से 4-1 से हराकर मुक्केबाजी में चीन का दूसरा स्वर्ण पदक जीता। दूसरी ओर, यांग लियू चीन के स्वर्ण पदकों की संख्या में इज़ाफा नहीं कर सकीं और महिलाओं के 66 किग्रा वर्ग के फाइनल में इमान खलीफ से सर्वसम्मत निर्णय से हार गईं।

पुरुषों के 71 किग्रा के फाइनल में, 1968 के बाद से मैक्सिको के पहले ओलंपिक स्वर्ण की तलाश कर रहे मार्को वर्डे, उज्बेकिस्तान के असदखुजा मुयदिनखुजाएव से हार गए। मुयदिनखुजाएव के फुटवर्क ने मैक्सिकन खिलाड़ी को कमियों को तीन राउंड में उजागर कर दिया, क्योंकि उज्बेक ने वर्डे के चारों ओर घेरा बनाया, अपने कंधे के रोल का उपयोग करके प्रभावी ढंग से मुक्कों को अंजाम दिया। यह परिणाम उज्बेकिस्तान के खेलों का दूसरा मुक्केबाजी स्वर्ण है।

उज्बेकिस्तान ने ल्द ही अपने तीसरे स्वर्ण का जश्न मनाया, जब लेजज़िबेक मुलोजोनोव ने पुरुषों के 92 किग्रा फाइनल में सर्वसम्मत निर्णय के माध्यम से अज़रबैजान के लोरेन अल्फोंसो को हराया।

ब्राजीली जोड़ी रामोस-लिस्बोआ ने महिला बीच वॉलीबॉल में जीता स्वर्ण

विश्व की नंबर एक जोड़ी ब्राजील की एना पेट्रीसिया सिल्वा रामोस और एडुआर्डा सैंटोस लिस्बोआ ने शुक्रवार रेत रात कनाडा की मेलिसा हुमाना-पारेडेस और ब्रांडी विल्करसन को तीन सेटों के रोमांचक फाइनल में हराकर पेरिस ओलंपिक में महिला बीच वॉलीबॉल का स्वर्ण पदक जीता। ब्राजील की जोड़ी ने एफिल टॉवर स्टेडियम में 26-24, 12-21, 15-10 से लगातार सातवीं जीत दर्ज की, जबकि ह्यूमैना-पैरेडेस और विल्करसन ने महिला बीच वॉलीबॉल में कनाडा का पहला ओलंपिक पदक जीता। लकी लूजर राउंड से लेकर फाइनल तक संघर्ष करने के बाद, कनाडाई टीम ने आश्चर्यजनक रूप से पहले सेट में 8-2 की बढ़त हासिल कर ली, लेकिन अपराजित ब्राजीलियाई जोड़ी ने 17-17 की बराबरी पर वापसी की। इसके बाद दोनों टीमों ने 24-24 की बराबरी पर बढ़त हासिल की, जिसके बाद सिल्वा रामोस और सैंटोस लिस्बोआ ने लगातार दो अंक हासिल किए और पहला सेट अपने नाम किया। ह्यूमैना-पैरेडेस और विल्करसन ने 10-10 की बराबरी से आगे बढ़ते हुए दूसरे सेट को 11-2 की बढ़त के साथ समाप्त किया और टाईब्रेकर के लिए मजबूर किया, जहां ब्राजीलियाई टीम ने 5-2 की बढ़त हासिल की और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। इससे पहले शुक्रवार को स्विट्जरलैंड की तान्जा ह्युबर्ली और नीना ब्रूनर ने ऑस्ट्रेलिया की मारियाफे आर्टाचो डेल सोलर और तालिक्का क्लैंसी को 21-17, 21-15 से हराकर कांस्य पदक जीता।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आरबीआई के निदेशक मंडल की बैठक में वित्त मंत्री, बोलीं- बैंकिंग कानून में बदलाव जरूरी

नई दिल्ली,10 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि बैंकों को जमा राशि जुटाने और ऋण देने के अपने मूल कारोबार पर वापस लौटना होगा। उन्होंने कहा कि बैंकों को अपने डिपॉजिट को बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। बैंकों का सबसे अहम काम है डिपॉजिट लेना और फिर लोगों को लोन देना।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के केंद्रीय निदेशक मंडल के साथ नई दिल्ली में परंपरागत बैठक के बाद आयोजित एक साझा प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, हम बैंकिंग विनियमन संशोधन ला रहे हैं। इस संशोधन अधिनियम लाने की कई वजह हैं। यह कुछ समय से लंबित था, इसका लंबे समय से इंतजार था। निदेशक मंडल की बैठक में वित्त मंत्री सीतारमण के साथ केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी भी मौजूद रहे।

वित मंत्री सीतारमण ने कहा कि सहकारी क्षेत्र के बैंकिंग क्षेत्र के संबंध में कुछ पुनर्गठन भी किए गए हैं, नामांकन उन चीजों में से एक है जो ग्राहक-अनुकूल कदम है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि ग्राहकों के लिए यह विकल्प होना महत्वपूर्ण है और यह भी सुनिश्चित करना है कि बाद में नामांकित व्यक्ति को अपनी सही चीज का दावा करने में कोई कठिनाई न हो...।

इस दौरान सीतारमण ने कई अहम बातें कहीं। उन्होंने कहा कि बैंकों को अपने कोर पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। बैंकों को अपने डिपॉजिट को बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। अभी बैंकों का डिपॉजिट धीरे चल रहा है। बैंकों को कुछ इनोवेटिव और आकर्षक पोर्टफोलियो लाने के बारे में विचार करना चाहिए, ताकि अधिक से अधिक लोग बैंकों में पैसे जमा करें। उन्होंने कहा कि लोगों को अभी अधिक रिटर्न पाने के लिए कई रास्ते दिख रहे हैं, जिनमें से एक शेयर बाजार भी है। यही वजह है कि शेयर बाजार में खुदरा निवेश काफी बढ़ा है। लोग बैंकों में पैसे जमा करें, इसके लिए बैंकों को कुछ नया करने की जरूरत है।

ब्याज दरें तय करने के लिए बैंकों को खुली छूट : शक्तिकांत दास

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शनिवार को कहा कि ब्याज दरों पर फैसला के लिए बैंक स्वतंत्र हैं। बैंक में जमा राशि और कर्ज पर ब्याज दरें नियंत्रण मुक्त कर दी गई हैं। वे अपनी ब्याज दरें तय करने के लिए स्वतंत्र हैं। इस लिहाज से उन्हें ऐसे उत्पाद को लाने पर जोर देना चाहिए, जिससे जमा राशि को बढ़ाया जा सके। आरबीआई गवर्नर ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ केंद्रीय बैंक के निदेशक मंडल की 609वीं बैठक के बाद यहां आयोजित एक संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में यह बात कही। दास ने कहा कि बैंकों में नॉमिनी बढ़ाने का मसला लंबे समय से लंबित था। लेकिन, केंद्र सरकार अब बैंकिंग कानून संशोधन बिल 2024 संसद में पेश कर बैंक अकाउंट और लॉकर में चार नॉमिनी के नाम जोड़ने की व्यवस्था की है। सरकार के इस फैसले से बैंकों में पड़ा करीब 78 हजार करोड़ रुपये का अनक्लेम्ड डिपॉजिट लोगों को वापस किया जा सकेगा। इसके साथ ही अब लॉकर को एक्सेस करने के लिए 4 लोगों को नॉमिनेट किया जा सकेगा। शक्तिकांत दास ने कहा कि पिछले साल हमने एक विशेष अभियान शुरू किया था। इसके तहत हमने प्रत्येक बैंक को सलाह दी थी कि हर शाखा को उनके पास मौजूद दावा न किए गए जमा की गई राशियों की संख्या के आधार पर सक्रिय रूप से अपने स्तर पर आगे बढ़ना चाहिए। इस मामले में प्रगति संतोषजनक रही है। बैंक ब्याज दरों की अस्थिरता के सवाल पर दास ने कहा कि बैंक अपनी जमा दरें तय करते हैं। वे अपनी ब्याज दरें भी तय करते हैं। यह स्थिति बैंक दर बैंक अलग-अलग हो सकती है। लेकिन मुझे लगता है कि हमारी वास्तविक ब्याज दरें बहुत अस्थिर नहीं रही हैं। वे बहुत हद तक स्थिर हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में केंद्रीय बजट पास होने के उपरांत आरबीआई के केंद्रीय निदेशक मंडल के साथ परंपरागत तौर पर बैठक आयोजित की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक में सीतारमण के साथ केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास और केंद्रीय बैंक के निदेशक मंडल के सभी वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

एससी-एसटी...

इसमें उन्हें रिजर्वेशन के फायदों से बाहर रखा जा सकता है। उनके इस फैसले का अन्य तीन जजों ने भी समर्थन किया है।

हिमाचल प्रदेश से भाजपा सांसद सुरेश कुमार कश्यप ने बताया कि प्रधानमंत्री के साथ उनकी मीटिंग का एजेंडा ही एक था। उन्होंने कहा कि हमने प्रधानमंत्री से सिर्फ ज्ञापन देने के लिए ही मुलाकात की थी। हालांकि, उन्होंने हमें आश्वासन दिया कि सरकार इस दिशा में कोई भी कदम नहीं उठाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि जस्टिस बीआर गवई की यह बस एक टिप्पणी ही थी और सरकार के लिए बाध्यकारी नहीं थी। दिल्ली से भाजपा के सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने कहा कि यह टिप्पणी फैसले का हिस्सा नहीं थी, लेकिन हमारे विरोधी अफवाहें फैला रहे हैं कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकरा क्रीमी लेयर लाना चाहती है। इसी वजह से हमने पीएम मोदी से मुलाकात की है। उन्होंने हमें पूरी तरह से आश्वासन दिया है कि एससी-एसटी के लिए क्रीमी लेयर का कोई सवाल ही नहीं है। भाजपा हमारी पार्टी के अध्यक्ष और प्रधानमंत्री सभी लोग इसी बात पर एक मत ही हैं।

मध्य प्रदेश से एसटी नेता और भाजपा सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने भी प्रधानमंत्री के आश्वासन की चर्चा की और कहा कि सुप्रीम कोर्ट के चार जजों ने अपनी राय देते हुए कहा था कि एससी-एसटी में क्रीमी लेयर को दूर करना चाहिए, लेकिन यह कोर्ट के फैसले का भाग नहीं था। सासंदों ने कहा कि जहां तक सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सवाल है तो यह चर्चा का विषय नहीं है। भाजपा ने 1 अगस्त के फैसले पर आधिकारिक तौर पर अपना रुख नहीं बताया है। दलित वोट बैंक वाली उसके साथी लोजपा ने फैसले से असहमति जताई है। इतना ही नहीं उसने यह भी कहा कि वह पुनर्विचार याचिका दायर करेगी। भाजपा को इस बात का अहसास है कि एससी-एसटी के बीच में उसका जनाधार कम हो रहा है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि हाल के लोकसभा चुनाव में इसका नतीजा देखने को भी मिला है।

भारतीय जनता पार्टी ने इसके लिए विपक्ष को ही जिम्मेदार ठहराया है। विपक्षी दलों ने अपने चुनावी अभियान में कहा था कि भाजपा संविधान को बदल देगी और एससी-एसटी कैटेगरी के लिए रिजर्वेशन को खत्म कर सकती है। 2019 के लोकसभा इलेक्शन में भाजपा ने 46 एससी-रिजर्व सीटें जीती थीं। यह इस बार घटकर केवल 30 ही रह गई हैं। 2019 में इसकी एसटी-रिजर्व सीटों की संख्या 31 से घटकर 25 हो गई। कांग्रेस ने 2024 के लोकसभा चुनावों में एससी-रिजर्व सीटों पर अपना वोट शेयर 2019 के 16.7 फीसदी से बढ़ाकर 20.8 फीसदी कर लिया।

नेताओं को ...

रामदास अठावले भी अपना विरोध दर्ज करा चुके हैं।

एससी-एसटी आरक्षण के कोटा में कोटा बनाने का फैसला आने के बाद ही बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि आरक्षण का बंटवारा अनुचित और असंवैधानिक है। मायावती ने सुप्रीम कोर्ट से फैसले पर पुनर्विचार करने के साथ-साथ एससी और एसटी वर्ग के लोगों से अपने संवैधानिक अधिकारों को बचाने की अपील किया। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि रिपब्लिकन पार्टी एससी-एसटी में आरक्षण के लिए क्रीमीलेयर का कड़ा विरोध करती है, तो चिराग पासवान ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को एससी समुदाय में बंटवारा डालने वाला बताया।

केंद्रीय स्तर पर अनुसूचित जाति को 15 और अनुसूचित जनजाति को 7 फीसदी आरक्षण का प्रावधान है, जबकि राज्यों में आरक्षण का अलग कोटा है। आरक्षण का लाभ लगातार वही ले रहे हैं, जो ऊपर उठ चुके हैं और जो नौकरियों में पर्याप्त प्रतिनिधित्व हासिल कर चुके हैं। ऐसे में दलित और आदिवासी समुदाय की तमाम जातियों को अभी भी आरक्षण का लाभ नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने निचले स्तर तक आरक्षण का लाभ पहुंचाने के मकसद से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के भीतर कोटा बनाने का फैसला राज्य सरकारों को दिया है।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद देश में राज्य सरकारें अब राज्यों में अनुसूचित जातियों में शामिल अन्य जातियों को भी कोटे में कोटा दे सकेंगी। इससे अनुसूचित जातियों की जो जातियां आरक्षण से वंचित रह गई हैं, उनके लिए कोटा बनाकर उन्हें आरक्षण देने का कदम उठा सकेंगी। इस तरह आरक्षण से वंचित दलित जातियों को मुख्यधारा में लाने के लिए कोटा में कोटा बनाने का फैसला कर सकती हैं। उदाहरण के तौर पर बिहार में जिस तरह से दलित और महादलित का कदम नीतीश सरकार ने उठाया था, उसी तरह से महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, पंजाब में अनुसूचित जाति को मिलने वाले आरक्षण को श्रेणी में बांटने का फैसला राज्य सरकारें कर सकती हैं।

महाराष्ट्र में रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया का 1957 में गठन दलित राजनीति की दिशा में उठाया गया कदम था। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में चार बार सरकार बना चुकी बसपा का गठन भी इसी आधार पर हुआ था। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के आलोक में कोई कदम उठाती है तो राजनीतिक उथल-पुथल होने की संभावना है। इसी वजह से राजनीति दल अभी चुप्पी साधे हुए हैं, तो मायावती से लेकर चिराग पासवान और रामदास अठावले जैसे दलित नेताओं को अपने सियासी वोट बैंक में सेंधमारी का खतरा मंडराने लगा है।

उत्तर प्रदेश में लंबे समय अनुसूचित जाति को मिलने वाले आरक्षण को दो वर्गों में बांटने की बात की जा रही थी। यूपी में अनुसूचित जाति के लिए 21 फीसदी आरक्षण मिलता है। यूपी में सियासी तौर पर जाटव और गैर-जाटव के बीच दलित बंटा हुआ है। साल 2021 में भाजपा की सरकार हुकुम सिंह की अध्यक्षता में सामाजिक न्याय समिति का गठन किया था। इस समिति ने एससी-एसटी के 21 फीसदी और पिछड़ों के 27 फीसदी आरक्षण को विभाजित करने की सिफारिश की गई थी। यूपी में 21 फीसदी दलित आरक्षण को 10 फीसदी और 11 फीसदी में बांटने की बात कही थी।

यूपी में अनुसूचित जाति को मिलने वाले आरक्षण का लाभ जाटव समुदाय को सबसे ज्यादा हुआ है और उसके बाद धोबी, पासी और अन्य जातियों को मिली है, लेकिन कोरी, कोल, बाल्मिकी जैसी अनुसूचित जातियां को आरक्षण वैसा नहीं मिला जैसे जाटवों को मिला है। इस बात का जिक्र हुकुम सिंह आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है। जाटव वोटर बसपा का कोर वोटबैंक माना जाता है। ऐसे में भाजपा और सपा गैर-जाटव वोटों को साधने के लिए दलित आरक्षण का वर्गीकरण करती रही हैं और अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले के चलते सियासत तेज हो गई है।

बसपा प्रमुख मायावती की चिंता अपने दलित वोट बैंक में सेंधमारी की सताने लगी है। यूपी में बसपा का पहले आधार सभी दलित जातियों के बीच रहा है, लेकिन अब जाटवों की पार्टी बनकर रह रहे हैं। एससी आरक्षण का सबसे ज्यादा लाभ बसपा के वोट बैंक जाटव समाज को अभी तक मिलता रहा है। यूपी में अगर एससी आरक्षण में बंटवारा होता है तो जाटव और पासी समुदाय के लिए सियासी तौर पर झटका हो सकता है, जिसके चलते ही बसपा खुलकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ खड़ी हो गई है। मायावती ने कहा कि अदालत के फैसले के बाद अब राज्य मनमाने तरीके से कई जातियों को लाभ देंगे तो कुछ को नकाराने का काम करेंगे। केंद्र और राज्य सरकार के बीच टकराव होगा। राज्य सरकारों को जिस वोट बैंक से लाभ मिलेगा, उसे आरक्षण देंगे और इस तरह एससी-एसटी को मिल रहा आरक्षण खत्म हो जाएगा। इस तरह मायावती अब दलित समुदाय को संदेश देने में जुट गई हैं। इसीलिए उन्होंने दलित समुदाय से कहा कि आपातकालीन स्थिति को समझते हुए एकजुट हों और सभी राजनीतिक पार्टियों के ऊपर दबाव डालकर उन्हें संवैधानिक संशोधन के लिए मजबूर करें।

बसपा ही नहीं एलजेपी (आर) के प्रमुख केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ उतर गए हैं। चिराग पासवान ने कोर्ट के फैसले को एससी समुदाय में बंटवारा डालने वाला बताया है और कहा है कि जो राज्य ऐसा डिवाइड एंड रूल की सोच रखते हैं, वह इसको बढ़ावा देने की कोशिश करेंगे। उनका कहना है कि दलितों की एकता ही उनकी ताकत है और कई लोग इस ताकत से घबराते हैं और इसीलिए बंटवारा करना चाहते हैं। चिराग पासवान की सियासी बेचैनी की वजह उनके राजनीतिक आधार वाले वोट बैंक पर कोर्ट का फैसला सियासी असर डाल सकता है। बिहार में नीतीश कुमार ने सीएम बनने के दो साल बाद ही 2007 में दलित समुदाय को दलित और महादलित में बांटा था। नीतीश सरकार ने महादलित आयोग का भी गठन किया था। आयोग को अनुसूचित जातियों में शैक्षणिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर जातियों की पहचान करनी थी। इसके बाद नीतीश ने बिहार में हाशिए वाली अनुसूचित जातियों को कुछ सुविधा अलग से दी थी, जिसमें महादलित घोषित समुदाय के लिए तीन डिसमिल जमीन और दूसरी सुविधाएं दी थीं। चिराग पासवान अब अपना सियासी नफा-नुकसान देख रहे हैं, जिसके चलते सुप्रीम कोर्ट के फैसला के खिलाफ खड़े हैं, जबकि साल 2016 में खुद कहा था कि अमीर दलितों को खुद ही आरक्षण का लाभ लेना छोड़ देना चाहिए।

बिहार में करीब 17 फीसदी दलित मतदाता हैं और 22 के करीब दलित जातियां हैं। नीतीश कुमार ने दलित बनाम महादलित का दांव चला है, जिसमें 22 में से 21 दलित जातियों को महादलित घोषित कर दिया था और 2018 में पासवान को भी महादलित वर्ग में शामिल कर दिया है। बिहार में दलित समुदाय में अधिक मुसहर, रविदास और पासवान समाज की जनसंख्या है। वर्तमान में साढ़े पांच फीसदी से अधिक मुसहर, चार फीसदी रविदास और साढ़े तीन फीसदी से अधिक पासवान जाति के लोग हैं। इनके अलावा धोबी, पासी, गोड़ आदि जातियों की भागीदारी अच्छी खासी है। ऐसे में जेडीयू नेता अशोक चौधरी इसे दलित समाज को बांटने के बजाय दलित समुदाय के हाशिए पर रह रहे लोगों को बढ़ावा देने का उपाय मानते हैं।

सुप्रीम कोर्ट के फैसला से महाराष्ट्र में दलित राजनीति करने वाले आरपीआई के प्रमुख केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले भी खुश नहीं है। इतना ही नहीं वह दलितों को बांटने वाला और आरक्षण को खत्म करने की साजिश बता रहे हैं। इसके अलावा वंचित बहुजन आघाड़ी के अध्यक्ष प्रकाश अंबेडकर ने कहा कि यह फैसला समानता के मौलिक अधिकार के खिलाफ है। उन्होंने कहा है कि एससी-एसटी का आरक्षण गरीबी हटाने का फार्मूला नहीं बल्कि सामाजिक न्याय का हथियार है। अठावले से लेकर अंबेडकर की सियासी बेचैनी की वजह यह है कि महाराष्ट्र में दलित आरक्षण के बंटवारे का रास्ता साफ हो गया है। महाराष्ट्र में दलित समुदाय के आरक्षण को लंबे समय से वर्गीकरण करने करने की मांग उठती रही है। महाराष्ट्र में दलित आबादी 12 प्रतिशत के बीच है, जो दो हिस्सों में महार और गैर-महार में बंटी हुई है। महार जाति महाराष्ट्र के दलितों में पचास फीसदी से थोड़ी ज्यादा है। अंबेडकर ने जब दलित आंदोलन शुरू किया तो उनकी जाति के ज्यादातर महार ही उनसे जुड़े। इसके अलावा बाकी दलित जातियों में मांग, कोरी, खटीक, मातंग, भेड़, चमार, ढोर, डोम औलख, गोतराज हैं। महाराष्ट्र में दलित आरक्षण का ज्यादातर लाभ महार जाति के लोगों के उठाने का आरोप लगता रहा है, जिसके चलते गैर-महार जाति के लिए अलग से कोटा बनाकर आरक्षण की मांग होती रही है। प्रकाश अंबेडकर से लेकर रामदास अठावले तक महार जाति से आते हैं और आरक्षण के बंटवारे से सबसे बड़ा झटका उनको लग सकता है। इसलिए खुलकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का विरोध कर रहे हैं।

पिछले तीन लोकसभा चुनावों में दलित वोट का झुकाव देखें तो भाजपा की हिस्सेदारी कांग्रेस के मुकाबले 14 फीसदी ज्यादा है। हालांकि, 2019 लोकसभा चुनाव की तुलना में 2024 में कांग्रेस के पक्ष में दलितों की हिस्सेदारी 4 फीसदी बढ़ गई, जबकि भाजपा के वोटर्स में यह हिस्सेदारी 1 फीसदी घट गई। वहीं, दलितों के संख्याबल की वजह से मायावती, चिराग पासवान और रामदास अठावले जैसे नेता उभरे हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद दलितों में उपजे असंतोष का फायदा उठाने की कोशिश में चिराग से लेकर अठावले और मायावती तक हैं।

अब सवाल ये उठता है कि दलित भारतीय राजनीति में इतने महत्वपूर्ण क्यों हैं। समाज में सबसे कमजोर माने जाने वाले दलित वर्ग की बड़ी सियासी ताकत है। यह ताकत है इनकी संख्या की वजह से। 2011 की जनगणना के मुताबिक देश में 16.63 फीसदी अनुसूचित जाति और 8.6 फीसदी अनुसूचित जनजाति हैं। 150 से ज्यादा संसदीय सीटों पर एससी/एसटी का प्रभाव माना जाता है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की एक रिपोर्ट के मुताबिक देश में 46,859 गांव ऐसे हैं जहां दलितों की आबादी 50 फीसदी से ज्यादा है। 75,624 गांवों में उनकी आबादी 40 फीसदी से अधिक है। देश की सबसे बड़ी पंचायत लोकसभा की 84 सीटें एससी के लिए, जबकि 47 सीटें एसटी के लिए आरक्षित हैं। विधानसभाओं में 607 सीटें एससी और 554 सीटें एसटी के लिए आरक्षित हैं। इसलिए दलितों का हितैषी बनने के लिए सभी दलों में होड़ लगी हुई है। ऐसी होड़ कि कहीं ये वोट बैंक हाथ से छूट न जाए। दलित वोट बैंक को लेकर इस बार के लोकसभा चुनाव में जिस तरह शह-मात का खेल हुआ है, उससे सबसे ज्यादा कसमसाहट भाजपा में है। ऐसे में बेचैनी उन लोगों में भी है, जो अपने आपको अब तक दलितों का सबसे बड़ा खैरख्वाह मानते आए हैं। मायावती से लेकर चिराग पासवान और अठावले जैसे नेता अपने आपको दलित वोटों का स्वाभाविक हकदार मानकर चल रहे हैं। मतलब हर दल दलितों के मुद्दों को उठाकर फायदा लेने की फिराक में है।

पैदल ही ...

इस दौरान, केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और केंद्रीय पर्यटन तथा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी भी उनके साथ थे। हवाई सर्वेक्षण में प्रधानमंत्री ने भूस्खलन का केंद्र बिंदु देखा, जो इरुवाझिनजी पुझा (नदी) के उद्गम स्थल पर है। उन्होंने पुंचिरीमट्टम, मुंडक्कई और चूरलमाला के सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों का भी जायजा लिया। वायनाड से चूरलमाला के बीच प्रधानमंत्री के काफिले के मार्ग पर सैकड़ों लोग उनकी एक झलक पाने के लिए सड़कों के किनारे एकत्र थे। केरल के वायनाड जिले में 30 जुलाई को बड़े पैमाने पर हुई भूस्खलन की घटनाओं में कम से कम 226 लोगों की मौत हो गई थी। क्षेत्र के कई लोग अब भी लापता हैं।

प्रधानमंत्री ने 30 जुलाई को वायनाड त्रासदी की सूचना मिलते ही बैठक की समीक्षा की थी। उन्होंने एनडीआरएफ, सेना, वायु सेना और नौसेना को राहत व बचाव कार्य में लगाने का निर्देश दे दिया था। सेना के तीनों अंगों और केंद्रीय बलों के साथ-साथ अग्निशमन तथा सिविल डिफेंस के 1200 से अधिक कर्मी मौके पर राहत एवं बचाव कार्य में लगा दिए थे। सेना ने वायनाड में प्रभाव क्षेत्र में 190 फुट का वेलीफुट शीघ्रता से स्थापित कर, आवागमन के लिए सुचारू बनाया। इससे राहत कार्य के लिए एंबुलेंस और भारी मशीनरी का आवागमन संभव हो सका था। केंद्र ने इलाके के दौरे के लिए अंतर मंत्रालयीय दल भी भेजा है जो 8 अगस्त से दौरा कर प्रभावित इलाकों में नुकसान का जायजा ले रहा है।

भूस्खलन क्षेत्र...

के कार्यकर्ताओं, अधिकारियों और स्वयंसेवकों सहित करीब 2,850 लोगों ने सफाई अभियान में हिस्सा लिया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कचरा प्रबंधन में दखल दिया है और भूस्खलन क्षेत्र व राहत शिविरों में कचरे के मुद्दों को हल किया है।

राजेश ने कहा, भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों और राहत शिविरों में प्रभावी कचरा निपटान ने केरल में आपदा प्रभावित क्षेत्रों में कचरा प्रबंधन में एख नई मिसाल कायम करने में मदद की है। मंत्री ने कहा, ठोस कचरे में 10.6 टन जैव निम्नीकरणीय (बायोडिग्रेडबल) कचरा, 49.47 टन गैर-निम्नीकरणीय कचरा है। गैर-निम्नीकरणीय कचरे में 0.3 टन सैनिटरी कचरा, 2.64 टन बायोमेडिकल कचरा और 18.63 टन कपड़ा कचरा शामिल है। जैव निम्नीकरणीय कचरे का मतलब स्वाभाविक तरीके से सड़ने वाले कचरे से है। उन्होंने बताया कि एलएसजीडी ग्रीन प्रोटोकॉल का प्रभावी ढंग से पालन करके जैव निम्नीकरण और गैर-जैव निम्नीकरणीय कचरे, शौचालय अपशिष्ट, स्वच्छता और जैव-चिकित्सा कचरे के प्रबंधन के वैज्ञानिक निपटान में लगा हुआ है।

उन्होंने यह भी कहा कि आपदा प्रभावित क्षेत्र और राहत शिविरों में सफाई अभियान आयोजित किए जाते हैं, जिसमें 150 स्वयंसेवक भाग लेते हैं। एलएसजीडी राहत शिविरों से जैविक कचरे को संसाधित करने के लिए कलपेट्टा नगर पालिका की विंडरो खाद इकाइयों का उपयोग कर रहा है। यह कचरा तीन लाइसेंस प्राप्त सूअर पालन करने वाले किसानों को भी सौंपा जा रहा है।

अनंतनाग में ...

आज की घटना दक्षिण कश्मीर जिले के कोकरनाग इलाके के अहलान गगरमांडू जंगल में उस समय हुई जब वहां आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया गया था।

जंगल में छिपे आतंकवादियों ने तलाशी दलों को देखते ही अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद भीषण मुठभेड़ हुई। आतंकवादियों की गोलीबारी में सेना के पांच जवान घायल हो गए। घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उनमें से दो की मौत हो गई।

अहलान इलाके में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ जारी है।इलाके में अतिरिक्त बल भेजे गए हैं और अंतिम रिपोर्ट मिलने तक आतंकवादियों को पकड़ने और उन्हें बेअसर करने के लिए अभियान जारी था।

सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने कहा कि विशिष्ट खुफिया इनपुट के आधार पर, भारतीय सेना, जम्मू कश्मीर पुलिस और केरिपुब ने आज अनंतनाग के कोकरनाग इलाके में एक संयुक्त अभियान शुरू किया था।

इससे पहले बीती छह अगस्त को बसंतगढ़ क्षेत्र में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच शाम चार बजे के करीब मुठभेड़ शुरू हुई थी। दोनों ओर से दो घंटे तक गोलीबारी हुई। मौसम खराब होने और धुंध के बीच सुरक्षाबलों ने देर शाम तक तलाशी अभियान चलाया। सेना ने जंगल में छिपे आतंकियों की घेराबंदी बढ़ा दी। अभी किसी भी आतंकी के मारे जाने की सूचना नहीं है।

सभापति से पहले ...

उनका लहजा अस्वीकार्य है। धनखड़ ने पलटवार करते हुए कहा, जया जी आपने फिल्मों में बहुत नाम कमाया है। यह फिल्म नहीं है। यह धरातल है। आप मेरे लहजे की बात कर रही हैं? बहुत हो गया। आप कोई भी हो सकती हैं। आपको शिष्टाचार समझना होगा। आप एक सेलिब्रिटी हो सकती हैं, लेकिन शिष्टाचार को स्वीकार करें। इसके बाद नाराज विपक्ष ने सोनिया गांधी की अगुवाई में उच्च सदन से वॉकआउट कर दिया।

विपक्षी नेताओं ने दावा किया कि 80 से ज़्यादा सांसदों ने पहले ही नोटिस पर हस्ताक्षर कर दिए हैं, लेकिन सत्र समाप्त होने के साथ ही पार्टियां इस बात पर चर्चा कर रही हैं कि नोटिस के साथ आगे बढ़ना है या नहीं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अगर वे आगे बढ़ने का फ़ैसला करते हैं तो कब। अब जबकि सदन का सत्र नहीं चल रहा है, ऐसे में इस तरह के नोटिस को आगे बढ़ाने की तकनीकी बातों के बारे में अभी तक कोई स्पष्टता नहीं है।

बांग्लादेश में ...

कूचबिहार के सीतलकूची बॉर्डर पर शुक्रवार को बड़ी संख्या में बांग्लादेशी लोग सीमा पार करने के लिए सीमा पर इकट्ठा हो गए थे। हालांकि बीएसएफ ने उन्हें रोक दिया। आज भी वहां चौकसी बढ़ी हुई है और बीएसएफ के जवान लगातार इलाके में पेट्रोलिंग कर रहे हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा में वृद्धि को देखते हुए अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने चिंता व्यक्त की। उन्होंने विदेश मंत्री एंटनी ब्लिकन से हिंदुओं के खिलाफ हिंसा को रोकने और इसमें जिम्मेदार लोगों को सजा दिलाने के लिए अंतरिम सरकार से संपर्क करने का आग्रह किया। उन्होंने इस मामले में एक चिट्ठी भी लिखी।

राजा कृष्णमूर्ति ने कहा, मैं आपको बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति और शेख हसीना के इस्तीफे के बाद हिंदू विरोधी हिंसा में वृद्धि को लेकर लिख रहा हूं। अब मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन हो चुका है। यह अत्यंत आवश्यक है कि अमेरिका हिंसा को समाप्त करने और अपराधियों को न्याय दिलाने के लिए उनकी सरकार के साथ जुड़े। एक विदेशी मीडिया के अनुसार, शेख हसीना के इस्तीफे के बाद हिंसा में 60 से अधिक हिंदुओं और अल्पसंख्यकों की मौत हो चुकी है। बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद ने मीडिया को बताया कि इस सप्ताह देश के 64 में से 45 जिलों में ज्यादातर हिंदू घरों और मंदिरों को निशाना बनाया गया। सैकड़ों हिदू बांग्लादेश से भागकर भारत आने का प्रयास कर रहे हैं।

राजा कृष्णमूर्ति ने कहा, अफसोस की बात, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, जब बांग्लादेश में सरकार विरोध प्रदर्शनों ने हिंदू विरोधी हिंसा का रूप ले लिया हो। 2021 में हिंदू विरोधी दंगों ने नौ लोगों की जान ले ली थी। इस दंगे में सैकड़ों घर, कारोबार और मंदिर नष्ट हो गए थे। 2017 में 107 हिंदुओं की मौत हो गई थी और 37 लोग लापता हो गए थे। उन्होंने चिट्ठी में लिखा, बांग्लादेश में हिंसा और अस्थिरता स्पष्ट रूप से अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के हित में नहीं है। मैं आपसे मुख्य सलाहकार यूनुस की सरकार के साथ सीधे तौर पर बात करने का आग्रह करता हूं।

हजारों बांग्लादेशियों को...

ऐसी स्थिति को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारत की पूर्वी सीमा की निगरानी करने के लिए भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उच्च स्तरीय कमेटी गठित करने की घोषणा की है। 7 अगस्त को भी पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के दक्षिण बेरुबारी के पास में करीब 500 बांग्लादेशी भारत में शरण लेने के लिए प्रवेश की तैयारी में थे। लेकिन बीएसएफ ने उन सभी को समझाकर वापस भेज दिया।

बांग्लादेश के 52 जिलों में ...

क्योंकि हमारा जीवन विनाशकारी स्थिति पर पहुंच गया है। हम रात में जागकर अपने घरों और मंदिरों की रक्षा कर रहे हैं। मैंने इससे पहले अपने जीवन में इससे पहले ऐसा कुछ नहीं देखा। हम सरकार से देश में सांप्रदायिक सौहार्द्र बहाल करने की मांग करते हैं। उन्होंने अंतरिम सरकार से इस मुद्दे को गंभीरता से लेने की अपील की है।

इस चिट्ठी में बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद के महासचिव राणा दासगुप्ता और बांग्लादेश पूजा उद्यापन परिषद के अध्यक्ष बासुदेव धर ने हस्ताक्षर भी किया। इस चिट्ठी में कहा गया, जब लोगों की जीत मंजिल की तरफ बढ़ रही है तो हम दुखी मन से इसे देख रहे हैं। क्योंकि अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ हिंसा को अंजाम देकर इस उपलब्धि को धूमिल करने की कोशिश की जा रही है। इस हिंसा ने अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों के मन में डर, चिंता और अनिश्चितता पैदा कर दी है। हम इस स्थिति को जल्द से जल्द खत्म करने की मांग करते हैं।

एकता परिषद के एक सदस्य ने कहा, अल्पसंख्यकों पर हमला करने वालों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। अगर राजनीतिक कारणों से अल्पसंख्यकों पर हमला किया जाता है तो इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। जो भी अपराध करता है, उसका न्याय किया जाना चाहिए, लेकिन घरों को जलाने और लूटपाट से इसका समाधान नहीं निकलेगा। हिंदू समुदाय के कई सदस्य अपने घरों से भागकर दूसरे के घरों में शरण ले रहे हैं। मैं भी, अपने दोस्त के घर में रहने के लिए मजबूर हूं।

लक्ष्मी जी रूठ गई है, पैसों की है तंगी तो

वरलक्ष्मी व्रत के दिन कर लें ये चार काम

वरलक्ष्मी व्रत 16 अगस्त 2024 को सावन के आखिरी शुक्रवार के दिन रखा जाएगा । वरलक्ष्मी व्रत के दिन मां लक्ष्मी को कमलगट्टा अर्पित करें और देवी का ध्यान करते हुए लक्ष्मी चालीसा का पाठ करें, अगले दिन इस कमलगट्टे को तिजोरी में रख दें। मान्यता है इससे धन प्राप्ति के रास्ते खुलते हैं।

वरलक्ष्मी व्रत की सुबह श्रीयंत्र की शुभ मुहूर्त में स्थापना करें और फिर रात को घी का दीपक जलाकर ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं नम: मंत्र का 108 बार जाप करें। कहते हैं इससे लक्ष्मी जी घर में स्थाई रूप से विराजित होती हैं।

वरलक्ष्मी व्रत के दिन महिलाएं आंगन या मुख्य द्वार पर रंगोली बनाकर कुमकुम हल्दी से गेट के दोनों ओर स्वास्तिक बनाएं। इस दिन 7 कन्याओं को घर बुलाकर चावल से बनी खीर खिलाएं। मान्यता है इससे मां लक्ष्मी घर में वास करती हैं। आर्थिक संकट नहीं रहता। दांपत्य जीवन में खुशहाली बनी रहे, इसके लिए पति-पत्नी दोनों को वरलक्ष्मी का व्रत करना चाहिए एवं किसी ब्राह्मण को घर बुलाकर भोजन करवाकर अपनी सामर्थ्य के अनुसार वस्तुओं का दान करना चाहिए।

पारिजात का पौधा मां लक्ष्मी को प्रिय है। सावन के आखिरी शुक्रवार यानी वरलक्ष्मी व्रत के दिन इसे घर की पूर्व या उत्तर दिशा में लगाएं। इससे तरक्की होती है। कुबेर जी की कृपा बनी रहती है। वरलक्ष्मी व्रत रखने से घर में धन रुकना शुरू हो जाता है। जीवन में समृद्धि आती है और मानसिक संतापों से आराम मिलता है।

राखी बांधने के पहले बहनें कर लें ये काम, भाई बनेंगे धनवान

कमाल है ये लाल पोटली का उपाय

रक्षाबंधन का पर्व नजदीक ही है। बहनों ने राखियां खरीदनी भी शुरू कर दी हैं। रक्षाबंधन का महत्व हिंदू धर्म में बड़ा खास है। इस दिन बहनें अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं और भाई की सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। बदले में भाई बहन की रक्षा करने का वचन देते हैं। लेकिन, कुछ उपाय पर्व को और खास बना सकते हैं।

हर साल रक्षाबंधन सावन पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। इस साल 19 अगस्त को सावन पूर्णिमा है। उसी दिन रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जाएगा। हालांकि, इस बार अगर बहनें राखी बांधने के साथ कुछ उपाय कर लें तो भाई-बहन के रिश्ते में मिठास आने के साथ-साथ भाई के सुख-समृद्धि में वृद्धि होगी।

19 अगस्त को रक्षाबंधन है। इस दिन भद्रा का साया रहने वाला है। भद्रा में राखी बांधना अशुभ माना जाता है, इसलिए भद्रा समाप्त होने के बाद ही बहन भाई की कलाई पर राखी बांधें। राखी बांधने के साथ कुछ ऐसे कार्य हैं जो बहनों को जरूर करना चाहिए। इससे भाइयों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

जब बहन अपने भाई की कलाई में राखी बांधें तो उससे पहले भगवान गणेश के सामने राखी की थाली रखकर उनके चरणों में राखी अर्पण करें। उसके बाद वह राखी भाई की कलाई के ऊपर बांधनी चाहिए। भगवान गणेश प्रथम पूज्य देवता माने जाते हैं, इस विधि से वह प्रसन्न होते हैं।

दूसरा उपाय ये है कि बहन एक लाल कपड़े में रोली, अक्षत और एक सिक्का बांधकर अपने भाई को आशीर्वाद के रूप में दें और वह पोटली भाई अपनी तिजोरी में रख लें। इससे भाई को कभी आर्थिक समस्या नहीं झेलनी पड़ेगी। भाई दिन दोगुनी रात चौगुनी तरक्की करेंगे।

साथ ही रक्षाबंधन के दिन पंचमेवा की खीर बनाकर कुंवारी कन्या को अवश्य खिलाना चाहिए। इससे घर में सुख-समृद्धि की वृद्धि होगी और नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होने के साथ ही भाई बहन के रिश्ते में मिठास बढ़ेगी।

हर साल रक्षाबंधन के दिन भद्रा का साया रहता है और भद्रा में राखी बांधना शुभ नहीं माना जाता है। वहीं, 18 अगस्त दिन रविवार रात्रि 2 बजकर 21 मिनट से भद्रा लगने जा रही है। इसकी समाप्ति अगले दिन 19 अगस्त दोपहर 1 बजकर 25 मिनट पर होगी, इसलिए 19 अगस्त को दोपहर 1 बजकर 25 मिनट के बाद ही राखी बांधें।

चौथा सावन सोमवार कल

शुक्ल योग-स्वाति नक्षत्र में होगी शिव पूजा

सावन सोमवार का व्रत श्रावण मास में सबसे महत्वपूर्ण दिन माना जाता है। अब सावन का चौथा सोमवार आने वाला है। तीन सावन सोमवार बीत चुके हैं। चौथे सावन सोमवार के दिन शुक्ल योग और स्वाति नक्षत्र का संयोग बन रहा है। हालांकि उस दिन भद्रा भी लग रही है, लेकिन उसका वास पाताल लोक में है। सावन सोमवार के दिन भगवान भोलेनाथ की विशेष पूजा की जाती है और उनका जलाभिषेक भी किया जाता है। सावन सोमवार को आप रुद्राभिषेक भी करा सकते हैं, जिससे आपकी मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं।

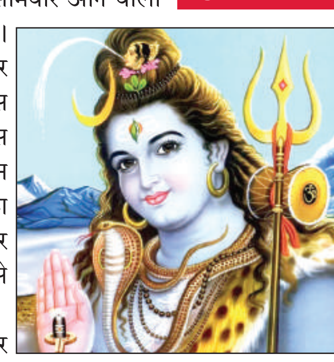

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, चौथा सावन सोमवार 12 अगस्त को है। उस दिन सावन माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि है। जो सुबह में 07:55 ए एम तक मान्य है, उसके बाद से सावन शुक्ल अष्टमी तिथि प्रारंभ हो जाएगी। सप्तमी तिथि के अधिपति देव भगवान चित्रभानु हैं। इस तिथि में सूर्य देव की पूजा करना अतिशुभ माना जाता है।

चौथे सावन सोमवार के दिन 2 शुभ योग बनेंगे। उस दिन शुक्ल योग प्रात:काल से लेकर शाम 4 बजकर 26 मिनट तक है। उसके बाद से ब्रह्म योग लगेगा। चौथे सावन सोमवार पर स्वाति नक्षत्र प्रात:काल से लेकर सुबह 08:33 ए एम तक है, उसके बाद विशाखा नक्षत्र है। चौथा सावन सोमवार के दिन ब्रह्म मुहूर्त सुबह 04:23 से 05:06 तक है। इसमें आपको स्नान करना चाहिए। यह स्नान का सबसे अच्छा समय माना जाता है। उस दिन का शुभ मुहूर्त या अभिजीत मुहूर्त प्रातः 11:59 से दोपहर 12:52 तक है।

यदि आपको चौथे सावन सोमवार के दिन जलाभिषेक करना है तो आप ब्रह्म मुहूर्त सुबत 04:23 से जलाभिषेक कर सकते हैं। चौथे सावन सोमवार पर पूरे दिन शुभ योग बने हैं, ऐसे में आप कभी भी शिवलिंग का जलाभिषेक कर सकते हैं।

राहुकाल के समय में कालसर्प दोष की पूजा कराते हैं। चौथे सावन सोमवार पर राहुकाल प्रातः 07:28 से 09:07 तक है।

आम तौर पर भक्त भगवान शिव के पूजा मे बेलपत्र और शमी का पत्ता जरूर अर्पण करते हैं, लेकिन सावन की चौथी सोमवारी के दिन भगवान शिव के शिवलिंग के ऊपर शमी के पत्ते के साथ शमी का जड़ भी अर्पण करें। दूसरा उपाय यह है की सोमवारी के दिन मछली को आटे की छोटी-छोटी गोली बनाकर जरूर खिलाएं। तीसरा उपाय बेलपत्र में भगवान राम का नाम लिखकर भगवान शिव के ऊपर अर्पण करें क्योंकि मान्यता है कि भगवान राम के बिना शिव अधूरे हैं, और शिव के बिना भगवान राम अधूरे हैं। सावन के चौथी सोमवारी के दिन अगर यह उपाय करते हैं तो आपकी आर्थिक समस्या दूर हो जाएगी और आप हमेशा कर्ज मुक्त रहेंगे।

घर पर लड्डू गोपाल की मूर्ति किस दिशा में करें स्थापित

जानिए पूजा विधि और बहुत कुछ

घर पर लड्डू गोपाल की मूर्ति के दिव्य महत्व को जानें, और भगवान कृष्ण के आशीर्वाद, आनंद और सकारात्मकता को अपने जीवन और रहने की जगह में आमंत्रित करने के लिए आवश्यक वास्तु दिशाएँ, पूजा विधि और अनुष्ठान सीखें।

भगवान कृष्ण के बाल रूप का प्रिय रूप लड्डू गोपाल कई हिंदू घरों में बहुत महत्व रखता है। सही वास्तु दिशा सुनिश्चित करना और भक्ति के साथ पूजा करना आपके घर में आशीर्वाद और सकारात्मकता को आमंत्रित कर सकता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, लड्डू गोपाल की मूर्ति को अपने घर की उत्तर-पूर्व दिशा में रखना सबसे शुभ माना जाता है। ईशान कोण के नाम से जानी जाने वाली इस दिशा को आध्यात्मिक ऊर्जा को बढ़ाने वाला माना जाता है, जिससे घर में शांति, समृद्धि और खुशी आती है। यहां रखे जाने पर, लड्डू गोपाल की दिव्य उपस्थिति आपके घर को खुशी और सद्भाव से भर सकती है।

जो जोड़े गर्भधारण करना चाहते हैं, उनके लिए छोटी लड्डू गोपाल की मूर्ति रखना विशेष रूप से लाभकारी हो सकता है। ऐसा कहा जाता है कि लड्डू गोपाल की चंचल और प्रेमपूर्ण ऊर्जा जोड़े को पितृत्व का आनंद दे सकती है। इसके अतिरिक्त, यदि माँ और उसके बच्चों के बीच कोई समस्या है, तो मूर्ति को दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखने से मदद मिल सकती है। पृथ्वी के तत्व द्वारा शासित यह दिशा स्थिरता और पोषण से जुड़ी है, इस प्रकार माँ और बच्चे के बीच एक मजबूत और सहज बंधन को बढ़ावा मिलता है।

लड्डू गोपाल की पूजा करने के लिए सच्ची श्रद्धा और कुछ सरल चरणों की आवश्यकता होती है। सबसे पहले मूर्ति को पंचामृत (दूध, दही, शहद, घी और चीनी का मिश्रण) से स्नान कराएं, उसके बाद साफ पानी से धो लें। लड्डू गोपाल को साफ कपड़े पहनाएं और उन्हें आभूषणों से सजाएं। भगवान कृष्ण को फूल, फल, मिठाई और तुलसी के पत्ते बहुत पसंद हैं, इसलिए उन्हें अर्पित करें। उनका आशीर्वाद पाने के लिए कृष्ण मंत्र का जाप करें या भजन गाएं। शांत वातावरण बनाने के लिए घी का दीपक और धूपबत्ती जलाएं।पूजा का समापन दिल से प्रार्थना करके करें और लड्डू गोपाल से अपने घर को प्यार, समृद्धि और खुशी का आशीर्वाद देने के लिए कहें। सच्ची आस्था और प्रेम के साथ इन प्रथाओं का पालन करके, आप अपने जीवन में लड्डू गोपाल की दिव्य उपस्थिति को आमंत्रित कर सकते हैं, और असंख्य तरीकों से उनके आशीर्वाद का अनुभव कर सकते हैं।

किस्मत के ताले खोल सकते हैं पान के पत्ते

हिंदू धर्म में पूजा-पाठ का विशेष महत्व है। देवी देवताओं के प्रसन्न करने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए उन्हें कई तरह की चीजें अर्पित की जाती है। इन्हीं चीजों में पान का पत्ता भी शामिल है। वैसे तो हमारे देश में खुशी भरे माहौल के साथ ही सामान्य दिनों में भी पान खाने की परंपरा है। लेकिन धार्मिक दृष्टि से भी पान का पत्ता बेहद पवित्र होता है। अजमेर की प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा ने बताया कि देवताओं ने समुद्र मंथन के समय पान के पत्ते का प्रयोग कर भगवान विष्णु की आराधना की थी। तब से ही पूजा में पान के पत्ते का इस्तेमाल किया जाता है। पूजा के अलावा पान के पत्ते से जुड़े कुछ उपाय भी बेहद चमत्कारी होते हैं। पान के पत्तों द्वारा उपाय करके आफ सुख, समृद्धि और शांति प्राप्त कर सकते हैं। यदि आपका कोई काम काफी लंबे समय से अटका हुआ है और लाख कोशिशों के बाद भी पूरा नहीं हो रहा है, तो रविवार के दिन उस काम को करने निकले और घर से निकलते वक्त पान के पत्ते को अपनी जेब में रखें। ऐसा करना शुभ माना जाता है। कहा जाता है किऐसा करने से आपका काम बन जाएगा।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, मंगलवार या शनिवार के दिन हनुमानजी को पान का बीड़ा अर्पित करने से लंबे समय से रुके काम पूरे हो जाते हैं। बीड़ा अर्पित करने से तात्पर्य ये है कि अब से हनुमानजी आपकी बीड़ा उठाएंगे। एक बात का ध्यान रखें इस पान में सिर्फ कत्था, सौंफ, गुलकंद, गुलकंद और खोपरे डलवाएं। गलती से भी पान में चूना या सुपारी डलवाने की गलती न करें। कहा जाता है कि पान के पत्तों को घर के मुख्य द्वार पर टांगने से घर की नकारात्मकता खत्म हो जाती है। अगर आप ऐसा कर रहे हैं तो इस बात का ध्यान जरूर रखें कि हर दिन इन पत्तों को बदलते रहें। यदि घर में किसी को नजर दोष लग जाए तो इसके लिए पान के पत्ते पर सात गुलाब की पंखुड़ियां रखकर उसे खिला दें। मान्यता है कि ऐसा करने से नजर दोष समाप्त हो जाता है। मान्यता के अनुसार, यदि आपका कारोबार ठप पड़ गया है तो पान के पत्तों का दान करने से सारी परेशानियां दूर हो जाती हैं। इस उपाय को बुधवार के दिन करें तो ज्यादा शुभ माना जाता है।

हिंदू धर्म में किसी भी शुभ कार्य में पान का बहुत अधिक महत्व है। लगभग सभी पूजा-अनुष्ठान में पान के पत्ते का उपयोग किया जाता है। संस्कृत में पान के पत्ते को तांबूल कहा जाता है,शास्त्रों में इसे बहुत शुभ और मंगलकारी माना गया है।देवी-देवताओं की प्रसन्नता के लिए उन्हें पान नैवेद्य के रूप में अर्पित भी किया जाता है। स्कंद पुराण के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान पूजा में पान के पत्तों का इस्तेमाल किया गया था। ज्योतिष एवं धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पान के पत्ते से जुड़े कुछ उपाय हैं जिनको अपनाकर आप अपने जीवन की समस्याओं को दूर कर सकते हैं।

कार्यों में आ रही रूकावट

यदि आप बहुत दिनों से किसी कार्य को करने का प्रयास कर रहे हैं या आपको अपने जॉब में सफलता प्राप्त नहीं हो रही है तो घर से बाहर जाते समय जेब में पान का पत्ता रखकर जाएं। आप चाहें तो अपने पर्स में भी पान का पत्ता रखकर जा सकते हैं। मान्यता है कि ऐसा करने से आपके सभी कार्य बिना किसी विघ्न के पूरे होंगे।

कष्टों को दूर

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मंगलवार और शनिवार के दिन हनुमान जी को लगा हुआ पान अर्पित करना अत्यंत शुभ माना जाता है। इसके लिए सूर्योदय से पहले उठकर स्नानादि से निवृत होकर हनुमान मंदिर में पान हनुमान जी के चरणों में अर्पित करना चाहिए। ऐसा करने से बजरंगबली उस व्यक्ति के सारे कष्ट हर लेते हैं।

रोग मुक्ति

पान के पत्ते में देवी-देवताओं का वास माना जाता है। मंगलवार और शनिवार के दिन 11 पान के पत्ते लेकर उन पर लाल चन्दन से राम नाम लिखें और पीले या लाल धागे से उनकी एक माला बनाकर हनुमानजी के गले में धारण करवा दें एवं रोग मुक्ति की प्रार्थना करें।

व्यवसाय में बरकत

काफी प्रयास करने के बाद यदि आपका व्यवसाय नहीं चल रहा है तो शनिवार के दिन 5 पान के साबुत पत्ते लेकर एक ही धागे में बांध दें। इस धागे को अपनी दुकान में पूर्व दिशा में बांध दें। हर शनिवार को यह पत्ते और धागा बदल दें। पुराने पत्तों को जल में प्रवाहित कर दें। ऐसा करने से आपके व्यवसाय में आ रही बाधा दूर होती हैं।

मधुर दांपत्य

यदि आपके दांपत्य जीवन में तनाव रहता है तो शुक्रवार के दिन पान के एक पत्ते में 7 गुलाब की ताज़ा पंखुड़ियां रखें और इसे माता लक्ष्मी के मंदिर में अर्पित करें। यदि आप मंदिर नहीं जा सकती हैं तो घर में ही लक्ष्मी जी की तस्वीर के पास इसे रखें। लेकिन ध्यान रहे इस पर किसी बाहरी व्यक्ति की नजर न पड़े। यह उपाय कम से कम 4 शुक्रवार तक आजमाएं,धीरे-धीरे पति-पत्नी के बीच प्रेम बढ़ जाएगा।

नकारात्मक ऊर्जा

घर में वास्तु दोष होने के कारण घर की सुख-शांति भंग होती है,कलह का माहौल रहता है। दुकान या प्रतिष्ठान में वास्तुदोष होने से हमेशा घाटा होता रहता है। घर या प्रतिष्ठान में वास्तुदोष व नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने के लिए पान के पत्ते से हल्दी मिश्रित जल का छिड़काव करें। ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा दूर तो दूर होगी और धन लाभ भी होगा।

कब करें विवाह

सनातन धर्म में विवाह को लेकर कई मान्यताएं और नियम है, लेकिन वहीं हिंदू धर्म में इंसान के जन्म से लेकर उसके मरने तक 16 संस्कारों के बारे में बताया है। जिसमें से एक शादी भी है। वहीं कई जगह विवाह दिन में होती है, तो कई जगह रात में। जिसको लेकर लोगों के बीच में काफी सवाल है कि शादी दिन में करें कि रात में। साथ ही इसका विधान क्या है। वहीं इन सभी सवालों के जवाब खुद जगद्गुरू शंकराचार्य स्वामिश्री: अवमिुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी ने दिया है।

जब किसी ने शंकराचार्य से सवाल किया तो उन्होंने बोला कि अगर कोई पंडित होगा, तो वह शादी नहीं विवाह करवाएगा। शादी नहीं विवाह बोलो। वहीं विवाह का दिन और रात से कोई मतलब नहीं होता है। वहीं उन्होंने बताया कि अगर आप विवाह स्थिर लग्न में करते है, तो विवाह टिका हुआ रहता है।

शंकराचार्य ने आगे कहा कि जब कोई दो लोग विवाह करते है तो वह विवाह हमेशा स्थिर लग्न में होना चाहिए और हिंदू धर्म में तलाक, सनातन धर्म में डिवोर्स, छूटा-छेड़ा ऐसे कोई भी शब्द नहीं होते है। वहीं हमारे शास्त्रों में ऐसा कुछ लिखा नहीं है, जिसमें एक बार पति- पत्नि अगर एक दूसरे से जुड़ जाएं तो अलग हो जाएं। ऐसा नहीं होता है। वहीं जब दो लोग एक-दूसरे से जुड़ते हैं तो उनकी पहली जरूरत होती है कि वह जीवनपर्यंत एक दूसरे से जुड़े रहें। वहीं इस लग्न के अनुसार विवाह दिन या रात में हो सकता है।

शंकराचार्य ने आगे बताया कि रात में जो विवाह करने की प्रथा चल गई है, ये मुगलों के आने के बाद ही चली है। क्योंकि दिन में विवाह करने में अड़चने आती थीं। तो रात में शादी की जाती थी, ताकि किसी को पता न चले। गोधुली बेला में बारात आ जाती थी और रात में ही स्थिर लग्न देखकर ही विवाह किया जाता था। इसलिए दिन और रात दोनों समय विवाह किए जा सकते हैं। दोनों समय में से कोई भी शुभ या अशुभ नहीं होता। स्थिर लगन जिस समय बनता है वही विवाह के लिए सही माना जाता है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म में कहा गया है कि स्थिर लगन में विवाह करने से विवाह टिका रहता है और पति-पत्नी में प्रेम बना रहता है।

स्वामी जी कहते हैं कि विवाह एक ऐसा संस्कार है, जहां दो लोग खुशी-खुशी एक दूसरे का साथ मांगते हैं। इसलिए सनातन धर्म के अनुसार स्थिर लगन में विवाह किए जाने का प्रावधान है। ऐसा इसलिए है क्योंकि सनातन धर्म में तलाक जैसे कोई शब्द नहीं है। क्योंकि विवाह का मतलब जुड़ना होता है न कि अलग होना। वे कहते हैं कि कोई नहीं चाहता है कि उसके विवाह जीवन में कोई अड़चन आए। इसलिए अच्छे लगन को देखकर ही विवाह किया जाता है।

शमशान चंपा से पहले इन सीरियलों में दिखाई गई डायन और चुड़ैल की कहानी

टीवी पर जल्द ही मोनालिसा का नया शो 'शमशान चंपा' शुरू होने वाला है। 20 अगस्त से यह सीरियल टीवी पर दस्तक देगा। इस सीरियल में एक्ट्रेस मोनालिसा एक डायन का किरदार निभाएंगी। मोनालिसा को फिर से डायन के रोल में देखने के लिए फैंस बेहद ही एक्साइटेड हैं। लेकिन बता दें कि 'शमशान चंपा' से पहले और भी कई ऐसे टीवी शोज हैं, जिनमें डायन और चुड़ैलों की कहानी को दिखाया गया है। इस लिस्ट में निया शर्मा का शो 'सुहागन चुड़ैल' से लकेर नायरा बनर्जी का शो 'पिशाचिनी' भी शामिल है।मोनालिसा स्टारर शो 'शमशान चंपा' में डायन की कहानी को दिखाया जाएगा। इस सीरियल में मोनालिसा बुरी डायन का किरदार निभाएंगी। यह शो सिमारो टीवी पर 20 अगस्त से प्रसारित होगा।

सुहागन चुड़ैल – निया शर्मा का शो 'सुहागन चुड़ैल' कलर्स टीवी पर प्रसारित हो रहा है। इस शो में एक्ट्रेस निया शर्मा 'निशिगंधा' नाम की चुड़ैल बनी हैं, जिसका निशाना शादीशुदा मर्द होते हैं। स्टारप्लस के 'नजर' टीवी शो में एक्ट्रेस मोनालिसा डायन के रोल में नजर आई थीं। इस शो में मोना की एक्टिंग को काफी पसंद किया गया था। इस शो में नियति फतनानी लीड रोल में थी।मोनालिसा और नियति फतनानी के शो 'नजर' में श्रीजिता डे ने चुड़ैल की भूमिका निभाई थी। स्टार प्लस के इस शो को दर्शकों का खूब प्यार मिला था।

कलर्स टीवी के शो 'पिशाचिनी' में भी एक्ट्रेस नायरा बनर्जी चुड़ैल बनी थीं। यह शो भी दर्शकों को खूब पसंद आया था।'नागमणि' टीवी शो दंगल टीवी पर प्रसारित होता था। इस शो में बिग बॉस फेम पवित्रा पुनिया ने चुड़ैल का किरदार निभाया था। इस शो में पवित्रा की एक्टिंग को काफी पसंद किया गया था।जी टीवी के फेमस टीवी शो 'मनमोहिनी' को भी काफी पसंद किया गया था। इस सीरियल में एक्ट्रेस रेहाना मल्होत्रा ने चुड़ैल की भूमिका निभाई थी।टीना दत्ता के शो 'डायन' में एक्ट्रेस आशका गोराडिया ने डायन का रोल निभाया था। यह सीरियल काफी फेमस हुआ था।

अदिति भाटिया ने अपने खास दोस्तों की कराई ग्रूमिंग, देखते रह गए लोग

एक्ट्रेस अदिति भाटिया आज भी लोकप्रिय शो ये है मोहब्बतें में मेन लीड रमन कुमार भल्ला की बेटी रूही भल्ला के किरदार से घर-घर में मशहूर हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उन्होंने गुरुवार को अपने पेट डॉग मर्फी और ओली के खास ग्रूमिंग सेशन की एक झलक साझा की।अदिति ने स्टोरीज सेक्शन में अपने पेट डॉग्स के साथ एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में अदिति ने कैजुअल ब्लैक टी-शर्ट पहनी हुई है और उनके पेट डॉग्स कार की खिड़की से बाहर खुशी से देख रहे हैं। वीडियो को शेयर करते हुए अदिति ने कैप्शन में लिखा, ग्रूमिंग के बाद लोग इन्हें देख रहे हैं।एक अन्य स्टोरी में अदिति ओली के साथ पोज दे रही हैं और उन्होंने लिखा, वह पिछले दिनों काफी बुरा था!!अदिति ने अपनी एक सेल्फी भी अपलोड की, जिसमें उनके चारों ओर यूनिकॉर्न, फूल, दिल और टेडी बियर के स्टिकर लगे हुए हैं। उन्होंने लिखा, मेरी जिंदगी में बहुत उथल-पुथल है, मैं अपना ख्याल रखना या इंस्टा पर एक्टिव रहना भूल गई हूं, इस समय मैं पागल हो रही हूं।आखिरी तस्वीर में अदिति मर्फी और ओली के साथ सेल्फी ले रही हैं। इस पर कैप्शन लिखा, ओके बाय लव यू। अदिति ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर की। उन्होंने सबसे पहले छोटे पर्दे पर सीरियल होम स्वीट होम में करिश्मा का रोल अदा किया। वह टीवी सीरियल तुझ संग प्रीत लगाई साजना में तुलसी के किरदार में नजर आईं। उन्होंने शाहिद कपूर और अमृता राव की फिल्म विवाह में अमृता राव के बचपन का किरदार निभाया था। यह फिल्म 2006 में रिलीज हुई। इसमें शाहिद कपूर और अमृता राव के साथ अनुपम खेर, आलोक नाथ, सीमा बिस्वास, समीर सोनी और लता सभरवाल भी नजर आए। इसके अलावा उन्होंने फिल्म शूट आउट एट लोखंडवाला में संजय दत्त की बेटी का किरदार निभाया। द ट्रेन में इमरान हाशमी की ऑनस्क्रीन बेटी बनी। वहीं, चांस पे डांस और सरगोशियां जैसी फिल्मों में भी बतौर बाल कलाकार काम किया। लीड एक्ट्रेस के तौर पर अदिति ने टशन-ए-इश्क में काम किया। उन्होंने बबली तनेजा का किरदार निभाया। इसके बाद ये है मोहब्बतें में रूही भल्ला के किरदार में दिखीं। स्टार प्लस पर प्रसारित होने वाले इस शो का निर्माण एकता कपूर ने बालाजी टेलीफिल्म्स के तहत किया था। इसमें करण पटेल, दिव्यांका त्रिपाठी दहिया और रूहानिका धवन लीड रोल में थे। अदिति ने कॉमेडी नाइट्स बचाओ ताजा, कॉमेडी सर्कस और खतरा खतरा खतरा में भी काम किया है।

म्यूजिक एल्बम जिक्र तेरा में कुणाल जयसिंह के साथ काम करना मजेदार : सुरभि चंदना

टीवी इंडस्ट्री में मशहूर एक्ट्रेस सुरभि चंदना के लाखों दीवाने हैं। उनका चुलबुला और दिलकश अंदाज फैंस को काफी पसंद आता है। इन दिनों वह अपने नए म्यूजिक एल्बम जिक्र तेरा को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। इसमें उनके साथ इश्कबाज के को-स्टार कुणाल जयसिंह हैं।कुणाल जयसिंह के बारे में बात करते हुए सुरभि ने कहा, कुणाल और मैं एक दूसरे को इश्कबाज के दिनों से ही जानते हैं।

इश्कबाज से पहले भी हमने साथ में एक्टिंग वर्कशॉप की थी। हमने साथ में करीब ढाई से तीन साल तक काम किया।उन्होंने कहा, इतने सालों के बाद फिर से साथ काम करना और एक-दूसरे के साथ सही जोड़ी बनाना, मेरे लिए एक बहुत ही अलग और मजेदार एक्सपीरियंस था।जिक्र तेरा एक रोमांटिक गाना है, जिसकी शूटिंग कश्मीर में हुई है।कुणाल ने गाने में राहील नामक एक गुंडे का किरदार निभाया है, वहीं सुरभि ने इनाया का रोल अदा किया है।यह गाना 8 अगस्त को फील गुड ओरिजिनल यूट्यूब चैनल पर रिलीज होने वाला है।सुरभि ने फिलहाल टीवी से ब्रेक लिया हुआ है।

उन्हें पिछली बार शेरदिल शेरगिल में धीरज धूपर के साथ देखा गया था।एक्ट्रेस के करियर की बात करें तो सुरभि ने अपने करियर की शुरुआत साल 2009 में मशहूर कॉमेडी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा से की थी। इसमें वह स्वीटी की भूमिका में नजर आईं। उन्हें जी टीवी के सीरियल जमाई राजा में लीड एक्ट्रेस के तौर पर सलेक्ट किया गया था, लेकिन बाद में मेकर्स ने निया शर्मा को चुन लिया।इसके बाद वह स्टार प्लस के शो एक ननद की खुशियों की चाबी... मेरी भाभी में काम किया था। वह सुजैन के रोल में थीं। वह जी टीवी के शो कुबूल है का हिस्सा रहीं।

इसमें उन्होंने हया का किरदार निभाया और यहां से वह दर्शकों के बीच पहचानी जानी लगी, लेकिन लोकप्रियता इश्कबाज से मिली। इसमें उन्होंने अनिका ओबेरॉय का किरदार निभाया।वह टीवी शो संजीवनी के नए सीजन में डॉक्टर इशानी अरोड़ा के किरदार में नजर आई थीं। टीवी शो नागिन में उन्हें लोगों ने काफी पसंद किया। वह म्यूजिक वीडियो बेपनाह प्यार में भी नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा, हुनरबाज में उन्होंने एंकर के तौर पर भारती सिंह को रिप्लेस किया।

महाराष्ट्रीयन लुक में निकिता दत्ता ने ढाया कहर

बॉलीवुड की ग्लैमरस और हॉट एक्ट्रेस निकिता दत्ता काफी ज्यादा पॉपुलर हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी का जादू फैंस के बीच इस कदर बिखेरा है कि लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की बेहद स्टनिंग फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनकी दिलकश अदाएं देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं।एक्ट्रेस निकिता दत्ता हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही वायरल होने लगता है।हाल ही में एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने पिंक कलर की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो महाराष्ट्रीयन लुक में नजर आ रही है।निकिता दत्ता ने अपने इस साड़ी लुक को कंप्लीट करने के लिए गले में नेकलेस, हाथों में चूड़ियां, नाक में नथ, कानों में इयररिंग्स, बालों का बन बनाकर और लाइट मेकअप कर के अपने आउटलुक को कप्लीट किया है।

रायन ने कमल हसन की इंडियन 2 को पछाड़ा

धनुष की फिल्म बनी साल 2024 की सबसे कमाऊ तमिल मूवी

साउथ सुपरस्टार धनुष स्टारर रायन ने दो हफ्ते पूरे होने से पहले ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है। पहले हफ्ते की कमाई में रायन विजय सेतुपति की महाराजा को पीछे छोड़ते हुए दूसरी सबसे बड़ी फिल्म बनीं वहीं अब दूसरा हफ्ता खत्म होने से पहले ही फिल्म ने कमल हासन की इंडियन 2 को भी पीछे छोड़ दिया है। फिल्म 26 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और इंडियन को पीछे छोड़ते हुए यह साल की सबसे ज्यादा कमाने वाली तमिल फिल्म बन गई है।कमल हासन स्टारर इंडियन 2 ने इस साल की शुरूआत में 81.31 करोड़ रुपये की कमाई की थी। मीडिया ट्रेड के मुताबिक रायन ने 13 दिनों में 82.25 करोड़ रुपये की कुल कमाई के साथ इस आंकड़े को पार कर लिया है। इससे पहले, यह फिल्म महाराजा को पीछे छोड़कर साल की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तमिल फिल्म बनी थी। विजय सेतुपति स्टारर इस फिल्म ने 72.1 करोड़ रुपये की घरेलू कमाई की थी और रायन ने 10 दिनों में इस आंकड़े को पार कर लिया था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

तनाव से बचने के लिए मधुर संगीत का सहारा लें। चंद्र की स्थिति की वजह से आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आज आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगी।इस राशि के छात्र छात्राओं को आज के दिन पढ़ाई में मन लगाने में दिक्कतें आ सकती हैं। आज आप अपना कीमती समय दोस्तों के चक्कर में बर्बाद कर सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपमें आज चुस्ती–फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आज यार दोस्तों के साथ पार्टी में आप खूब पैसे लुटा सकते हैं लेकिन इसके बावजूद भी आपका आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा। घर में रस्म–रिवाज़ आदि होगा। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। बातचीत में कुशलता आज आपका मज़बूत पक्ष साबित होगी। अगर आपके जीवनसाथी की सेहत कर चलते किसी से मिलने की योजना रद्द करनी पड़ेगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। सहकर्मियों के साथ काम करते वक़्त युक्ति और चतुरता की ज़रूरत होगी। आज अपने लिए वक्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। अगर हाल में आप व आपका जीवनसाथी बहुत ख़ुश महसूस नहीं कर रहे थे, तो आज हालात बदल सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

भले ही आप उत्साह से लबरेज़ हों, फिर भी आज आप किसी ऐसे की कमी महसूस करेंगे जो आज आपके साथ नहीं है। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा।

अन्य दिनों की अपेक्षा आज आपके सहकर्मी आपको अधिक समझने की कोशिश करेंगे। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। इस बात की प्रबल सम्भावना है कि आपके आस–पास के लोग आप दोनों के बीच मतभेद पैदा करने का प्रयास करेंगे। अत: बाहरी लोगों के कहने पर अमल करना ठीक नहीं होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी, हालाँकि आपके ख़र्चे बढ़ सकते हैं। उदार बनें और ईमानदारी से तारीफ़ करें। आपकी थकी और उदास ज़िन्दगी आपके जीवन–साथी को तनाव दे सकती है। आपको पता लग सकता है कि आपके बॉस आपसे इतने रूखेपन से क्यों बात करते हैं। वजह जानकर आपको वाक़ई तसल्ली होगी। कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है। ख़ुद तनावग्रस्त होने की झल्लाहट आप बेवजह अपने जीवनसाथी पर निकाल सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन आपको अपने उन दोस्तों से बचकर रहने की जरुरत है जो आपसे उधार मांगते हैं और फिर उसे लौटाते नहीं हैं। आपके जीवन–साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत है। किसीकी दख़लअंदाज़ी के चलते आपके और आपके प्रिय के रिश्ते में दूरियाँ आ सकती हैं। पेशेवर तौर पर आज का दिन सकारात्मक रहेगा। इसका भरपूर उपयोग करें। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आपको उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जब आप कोई फ़ैसला लें, तो दूसरों की भावनाओं का ख़ास ख़याल रखें। आपका कोई भी ग़लत निर्णय न केवल उनपर ख़राब असर डालेगा, बल्कि आपको भी मानसिक तनाव देगा। आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। यह परिवार में दबदबा बनाए रखने की अपनी आदतों को छोड़ने का वक़्त है। ज़िंदगी के उतार–चढ़ाव में उनके कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। यात्राओं से व्यवसाय के नए मौक़े मिलेंगे। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप अपने घर के सदस्यों को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं और आपका काफी धन खर्च हो सकता है। परिवार वालों का हँसी–मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का–फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। आपकी शैली और काम करने का नया अन्दाज़ उन लोगों में दिलचस्पी पैदा करेगा, जो आप पर नज़दीकी से ग़ौर करते हैं। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर, गुरुद्वारे या किसी भी धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपके ऑफिस का कोई सहकर्मी आपकी कीमती वस्तु चुरा सकता है इसलिए आज आपको अपना सामान ध्यान से रखने की जरुरत है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र के किसी काम में खराबी की वजह से आज आप परेशान रह सकते हैं और इस बारे में सोचकर अपना कीमती वक्त बर्बाद कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। अपनी उपयोगिता की ताक़त को सकारात्मक सोच और बातचीत के ज़रिए विकसित करें, ताकि आपके परिवार के लोगों को लाभ हो। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना था। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

कोई पुराना मित्र आज आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है और यदि आप उसकी आर्थिक मदद करते हैं तो आपके आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। आज का दिन बढ़िया प्रदर्शन और ख़ास कामों के लिए है। आज कुछ ऐसा दिन है जब चीजें उस तरह नहीं होंगी, जैसी आप चाहते हैं। मुमकिन है कि आपके माता–पिता आपको कुछ शानदार आशीर्वाद दें ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। यह वह दिन है जब आपको अपनी अहम योजनाओं पर रोशनी डालने के लिए ख़ास और बड़े लोगों से मिलना चाहिए। आपका खाली वक्त आज किसी गैरजरुरी काम में खराब हो सकता है। आपकी भागदौड़ भरी दिनचर्या के कारण आपका जीवनसाथी ख़ुद को दरकिनार महसूस कर सकता है।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 11 अगस्त 2024 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : सप्तमी अहोरात्र
नक्षत्र : स्वाति अहोरात्र
योग : शुभ दोपहर 03:48 तक
करण : गर प्रात: 06:26 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:44 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 06:42 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:35 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:50 , सूर्यास्त 06:34 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्री तुलसीदास जी जयंती , शील सप्तमी , भानु सप्तमी

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मंत्री नितिन गडकरी से मिले सांसद नीरज डांगी

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने पर की चर्चा

सिरोही,10 अगस्त (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद नीरज डांगी ने शनिवार को सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन जयराम गडकरी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राजसमंद और पाली के बीच देसूरी नाल एलिवेटेड रोड और आबूरोड में पालनपुर–सरूपगंज फोरलेन पर हनुमान टेकरी मार्ग पर अंडरब्रिज निर्माण करवाने की मांग की। लगातार हो रही जनहानि को रोकने के लिए एलीवेटेड रोड और अंडरब्रिज की बेहद आवश्यकता जताई। सांसद डांगी हाल ही में इन दोनों दुर्घटना स्थलों की गंभीरता को प्रस्तुत करते हुए जनहित के इस मामले को सदन में भी पुरज़ोर तरीके से उठा चुके हैं।

मुलाकात के दौरान उन्होंने सड़क परिवहन मंत्री को बताया कि राजस्थान के उदयपुर, पाली, जैसलमेर और जोधपुर को जोड़ने वाले मुख्य राजमार्ग एस.एच.16 का एक घाट सेक्शन है। राजसमंद जिले के गढ़बोर से देसूरी के बीच 8 किलोमीटर का हिस्सा देसूरी की नाल पर एलिवेटेड रोड बनाकर यहां लगातार हो रही जनहानि को रोका जा सकता है।

उन्होंने बताया कि इस 'देसूरी की नाल' में सन् 1952 से अब तक लगभग 1000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। देसूरी की नाल क्षेत्र में देश ही नहीं बल्कि संपूर्ण एशिया का सबसे बड़ा सड़क हादसा (देसूरी दुखांतिका) हो चुका है, जिसमें 7 सितंबर 2007 को इसी स्थान पर 108 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रतिवर्ष लगभग 100 लोंगों की सड़क हादसे में यहां मौतें होती हैं। उन्होंने बताया कि इस घाट सेक्शन में 12 खतरनाक सेक्शन मोड़ हैं एवं पांच संकरी पुलियाओं पर खतरनाक ढलान हैं, जिसमें वाहनों की सांस हांफ जाती है और ब्रेक फेल होकर वाहन कभी चट्टानों से टकराते हैं। कभी पास की 40 फीट गहरी खाई में गिरते हैं।

इसी प्रकार आबूरोड हाईवे पर स्थित हनुमान टेकरी चौराहा जहां श्रमिक, कामगार, खेतीहर मजदूर व स्थानीय शहरवासी लोगों की आवाजाही से अतिव्यस्ततम् एवं दुर्घटना स्थल बना हुआ है।

विशाल नि:शुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर आज

अजमेर, 10 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अजयमेरु सावन सीनियर सेकेंडरी स्कूल अजमेर और पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के संयुक्त तत्वाधान में रविवार 11 अगस्त को अजमेर में विशाल नि:शुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर आयोजित किया जायेगा। नि:शुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर में वैदिक जन्म कुंडली, लाल किताब, हस्त रेखा, मस्तिष्क रेखा, वास्तु, अंकगणित, केपी पद्धति और मंत्र ज्योतिष आदि विधाओं से ज्योतिषीय परामर्श दिया जायेगा। ज्योतिष परामर्श शिविर में पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के भविष्यवक्ता एवं कुंडली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास जन्मकुंडली के माध्यम से लोगों की ज्योतिषीय समस्याओं का समाधान करेंगे। शिविर में लोगों को छोटे–छोटे सरल उपायों के माध्यम से समस्याओं का समाधान किया जायेगा। इसके अलावा मंत्र उपचार द्वारा पेचुटी धरण मोच नजर दोष कमर दर्द का इलाज किया जायेगा। मकान में अगर वास्तु दोष है तो घर का नक्शा या फोटो जरूर साथ लेकर आए।

अजयमेरु प्रेस क्लब के अध्यक्ष राजेंद्र गुंजल ने बताया कि रविवार 11 अगस्त को अजमेर के वैशाली नगर स्थित अजयमेरु प्रेस क्लब में सुबह 10:00 से 2:00 तक विशाल निशुल्क ज्योतिष परामर्श आयोजित किया जा रहा है। शिविर का उद्घाटन चित्रकूट धाम के पाठक जी महाराज अपने कर कमलों से सुबह 10 बजे करेंगे। जिसमें वैदिक, जन्मकुंडली, हस्त रेखा, मस्तिष्क रेखा, वास्तु, अंकगणित, टैरो कार्ड, लाल किताब, केपी और मंत्र ज्योतिष चिकित्सा सहित अन्य विधाओं के विद्वान ज्योतिषाचार्य लोगों की समस्याओं का समाधान करेंगे।

अजयमेरु प्रेस क्लब के महासचिव सत्यनारायण झाला ने बताया कि विशाल नि:शुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर में 15 से अधिक विद्वान ज्योतिषाचार्य अपनी सेवाएं देंगे। इसमें डॉ मनोज गुप्ता, पंडित डॉ अनीष व्यास, शमशेर सिंह, सुकांत पांडे, लक्ष्मी राय, कीर्ति गुप्ता, विश्वास भट्ट, रंजीता व्यास, सुमित रामदेव, नितिका शर्मा, हेमा टांक, शिवानी गौतम, दिनेश भट्ट, नीता शर्मा, साकेत भारद्वाज, सुमन राठौड़ सहित अन्य ज्योतिषी अपनी सेवाएं देंगे। निशुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर में जयपुर के अलावा जोधपुर उदयपुर कोटा नई दिल्ली अहमदाबाद इंदौर भोपाल सूरत मुंबई के विद्वान ज्योतिषाचार्य अपनी सेवाएं देंगे।

शराब पिलाकर व्यक्ति से मारपीट कर किया सामूहिक कुकर्म

चार पर मामला दर्ज, आईसीयू में भर्ती

चूरू,10 अगस्त (एजेंसियां)। सदर थाना क्षेत्र के एक गांव के 40 वर्षीय व्यक्ति को शराब पिलाकर मारपीट करने और नंगाकर सामूहिक कुकर्म करने का मामला सामने आया है। फिलहाल पीड़ित बीकानेर के पीबीएम अस्पताल के आईसीयू वार्ड में भर्ती है। पीड़ित बयान देने की स्थिति में नहीं है।पीड़ित के पिता की रिपोर्ट पर सदर थाने में चार जनों के खिलाफ मारपीट करने और सामूहिक कुकर्म करने का मामला दर्ज किया गया है। पीड़ित के बयान लेने के लिए सदर थाना से पुलिस बीकानेर गई थी। मगर पीड़ित की हालत गंभीर होने के कारण बयान देने की स्थिति में नहीं था।

डीएसपी सुनील झाझड़िया ने बताया कि पीड़िता के पिता ने रिपोर्ट दी है। बताया कि दो अगस्त को परिवार के सदस्य के पास गांव के स्कूल से फोन आया कि आपका 40 वर्षीय बेटा स्कूल में बेहोश पड़ा है। तभी मेरी पत्नी ने जाकर देखा तो पीड़ित बेहोशी की हालत में नग्न पड़ा था। उसको घर लाया गया। तब वह ठीक से बोल भी नहीं पा रहा था। पीड़ित को गंभीर हालत में गवर्मेंट डीबी अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने इलाज शुरू किया। मगर पीड़ित की तबीयत में कोई भी सुधार नहीं हुआ। स्थिति गंभीर होने पर प्राथमिक इलाज के बाद उसको रेफर किया गया।

पीड़ित ने बताया कि एक अगस्त की रात चार लोग उसको गांव के स्कूल की तरफ ले गए। यहां उसको शराब पिलायी। नंगा कर मारपीट की गई। इसके बाद चारों ने सामूहिक कुकर्म किया। इसके बाद पीड़ित बेहोश हो गया।

आरपीएससी परीक्षा में डमी कैंडिडेट बैठाने वाला गिरफ्तार

अजमेर,10 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित वरिष्ठ अध्यापक हिंदी परीक्षा 2022 में अपनी जगह डमी कैंडिडेट को बैठाने वाले आरोपी को अजमेर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कैंडिडेट ने बार–बार फेल होने पर 5 लाख रुपये देकर अपने दोस्त को एग्जाम देने के लिए भेजा था। पूर्व में भी पुलिस डमी कैंडिडेट को पकड़कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज चुकी है। पुलिस गिरफ्तार आरोपी कैंडिडेट को रिमांड पर लेकर पूछताछ में जुटी है। पूछताछ के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश कर पुलिस अग्रिम अनुसंधान करेगी।

मामले की जानकारी देते हुए एएसआई प्रभुलाल ने बताया कि 10 जनवरी 2024 को सिविल लाइन थाने में राजस्थान लोक सेवा आयोग के सहायक सचिव सायरमल कुमार की ओर से मुकदमा दर्ज करवाया गया था। सहायक सचिव के द्वारा शिकायत दी गई की जिला सांचौर निवासी कैंडिडेट ओमप्रकाश पुत्र बाबूराम खिलेरी के द्वारा वरिष्ठ अध्यापक हिंदी परीक्षा में प्रवेश पत्र में छेड़छाड़ कर अपने स्थान पर सांचौर निवासी भेराराम बिश्नोई से परीक्षा दिलवाई गई।

सिविल लाइन थाना पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज किया था। मामले की जांच अभय कमांड एडिशनल एसपी संजय शर्मा को दी गई थी। एएसआई प्रभुलाल ने बताया कि पूर्व में डमी कैंडिडेट भेराराम बिश्नोई को गिरफ्तार किया जा चुका है। जिसे पूछताछ के बाद न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। साथी भेराराम के खिलाफ चालान भी पेश कर दिया गया है। एएसआई प्रभुलाल ने बताया कि मामले में कैंडिडेट ओमप्रकाश फरार चल रहा था। मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए सांचौर निवासी ओम प्रकाश (36) पुत्र बाबूराम को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ओम प्रकाश बार–बार परीक्षा में फेल हो रहा था। इसके बाद डमी कैंडिडेट भेराराम के द्वारा आरोपी से कहा गया था कि वह बार–बार फेल हो रहा है, इस बार उसकी जगह वह एग्जाम दे देगा। बाद में दोनों के बीच सौदा होने पर ओमप्रकाश के द्वारा कैंडिडेट को 5 लाख रुपये दिए गए थे। डमी कैंडिडेट ने ओमप्रकाश के एडमिट कार्ड में फोटो बदलकर परीक्षा दी थी। शनिवार को पुलिस के द्वारा मामले में आरोपी कैंडिडेट को कोर्ट में पेश कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा। एएसआई ने बताया कि ओमप्रकाश के द्वारा डमी कैंडिडेट भेराराम को जोधपुर में 5 लाख रुपये दिए गए थे।

एटीएम कार्ड बदलकर किशोर से की 40 हजार की ठगी

महिला की शिकायत पर मामला दर्ज

चित्तौड़गढ़,10 अगस्त (एजेंसियां)। शहर के सदर थाना क्षेत्र में आने वाले सेगवा हाउसिंग बोर्ड में एक 15 साल के किशोर के साथ ठगी का मामला सामने आया है। किशोर अपनी मां के बैंक अकाउंट का एटीएम कार्ड लेकर पैसे निकलवाने गया था। यहां अज्ञात बदमाशों ने एटीएम कार्ड बदल दिया तथा बाद में सेंथी इलाके में एक एटीएम तथा एक मशीन पर कार्ड स्वेप कर करीब 57 हजार की नकदी निकाल ली। इस संबंध में सदर थाने में रिपोर्ट दी गई है। इस रिपोर्ट के आधार पर पुलिस जांच में जुटी हुई है।

जानकारी में सामने आया कि सेगवा हाउसिंग बोर्ड निवासी केशव (15) अपनी मां ज्योति वर्मा के साथ रहता है। 5 दिन पहले उसे रुपये की आवश्यकता हुई तो अपनी मां के बैंक खाते का एटीएम लेकर वह रुपये निकलवाने गया। एटीएम पर पहुंचा और कार्ड से रुपये निकालने लगा। कार्ड ने काम नहीं किया तो इस दौरान दो व्यक्ति आए, जिन्होंने कहा कि हमारा भी एटीएम कार्ड काम नहीं कर रहा है। उन्होंने बातों में उलझाकर केशव से एटीएम कार्ड लेकर रुपये निकालने का प्रयास किया, लेकिन रुपये नहीं निकले। बाद में इन्होंने केशव का एटीएम कार्ड नीचे गिरा कर बदल लिया। रुपये नहीं निकले तो केशव भी अपने घर चला गया। बाद में इसकी माता के मोबाइल पर रुपये निकलने का मैसेज आया तो ठगी का पता चला। महिला ने सदर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

12.75 लाख की नकली करेंसी के साथ छह आरोपी पकड़े

पंचकूला के पीर मसूली में होती थी छपाई

यमुनानगर ,10 अगस्त (एजेंसियां)। यमुनानगर सीआईए–वन की टीम ने नकली करेंसी बनाने वाले गिरोह का भांडाफोड़ किया है। टीम ने गिरोह के पांच सदस्यों को पकड़ा है। जिनके पास से कुल 12 लाख 75 हजार रुपये की नकली करेंसी पकड़ी जा चुकी है। नकली करेंसी की छपाई पंचकूला के पीर मसूली में होती थी। आरोपियों के खिलाफ छछरौली थाना में केस दर्ज किया गया है। आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है।

पहले छछरौली के बलौली से पकड़े गए दो आरोपी

सीआइए वन इंचार्ज यादवेंद्र सिंह ने बताया कि उनकी टीम को सूचना मिली थी दो युवक बाइक पर सवार होकर नकली करेंसी बेचने की फिराक में घूम रहे हैं। इस सूचना पर सब इंस्पेक्टर गुरमेज सिंह, एएसआइ राजेंद्र कुमार, पंकज, विवेक, अमित व अमरजीत की टीम का गठन किया गया। टीम ने बलौली टी–प्वाइंट पर जाकर बाइक सवार दोनों युवकों को पकड़ा।

उनकी पहचान हडोली निवासी अरुण उर्फ लूसी व लेदा खादर निवासी शाहरुख के नाम से हुई। अरुण पर पहले भी लूट व चोरी सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज हैं। वह जमानत पर बाहर आया हुआ है। शाहरुख 19 किलो डोडा चूरा पोस्त के साथ करीब 10 माह पहले पकड़ा गया था और वह भी जमानत पर बाहर आया हुआ है। दोनों आपस में दोस्त हैं।

फ्लैट में तैयार करते थे नकली करेंसी

दोनों आरोपियों से पूछताछ की गई तो सामने आया कि वे नकली करेंसी प्रभजोत के पास से लेकर आते हैं। जिसने पंचकूला के पीर मसूली में फ्लैट में कार्यालय बनाया हुआ है। जिस पर टीम ने वहां रेड की। वहां से अंबाला के गांव गोला निवासी प्रभजोत, पंचकूला के रायपुररानी निवासी अशोक कुमार, पीपलीवाला निवासी ओम सिंह व पंजाब के पटियाला गांव सलेमपुर बलिया निवासी राहुल को पकड़ा गया। प्रभजोत ही नकली करेंसी तैयार करता। वह पहले भी नकली करेंसी के केस में गिरफ्तार हो चुका है। कुछ समय पहले ही वह जमानत पर बाहर आया। अब फिर से वह नकली करेंसी तैयार करने लगा। उनसे 12 लाख 75 हजार की नकली करेंसी बरामद हुई। सभी नोट 200–200 के हैं।

बीजेपी की कार्यकारिणी में कोई बदलाव नहीं

केवल निष्क्रिय पदाधिकारी बदलेंगे: मदन राठौड़

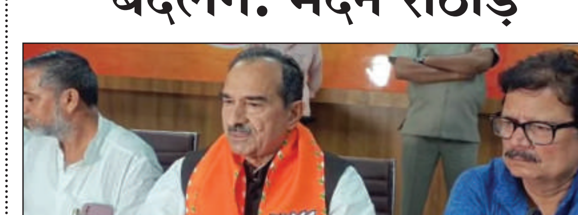

जयपुर,10 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के नए प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रेस से बात करते हुए जयपुर में लंबे समय से चल रही अटकलों पर विराम लगा दिया है। प्रदेश अध्यक्ष ने एक सवाल के जवाब में कहा कि केवल और केवल निष्क्रिय कार्यकारी को ही बदल जाएगा बाकी की कार्यकारिणी वैसे ही रहेगी। कार्य करने में कोई बदलाव किए जाने का अभी कोई समय और मूड नहीं है।

प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के बयान के बाद निरंतर रूप से चल रही कार्यकारिणी बदलाव की चर्चाएं उपचुनाव तक थम गई हैं। अधिकांश समय देखा गया है कि जब भी भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष का बदलाव किया जाता है तो सारी कार्यकारिणी में बदलाव तय माना जाता है। नए अध्यक्ष अपने हिसाब से अपनी कार्यकारिणी बनाते हैं लेकिन प्रदेश में अक्टूबर में 6 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना हैं , इसलिए नए प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ उपचुनाव से पहले किसी भी प्रकार की कंट्रोवर्सी में आने के इच्छुक नहीं नजर आ रहे हैं, वह पहले से स्थापित कार्यकारिणी के साथ ही उपचुनाव में जाने का अपना मन बन चुके हैं। चर्चा यह भी है कि अगर प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ अपनी टीम में बदलाव करते हैं और नई टीम चुनाव से पहले बनाते हैं तो चुनाव में आने वाले नतीजे की जिम्मेदारी भी फिर प्रदेश अध्यक्ष को ही लेनी होगी।

प्रेमी संग मिलकर सास की हत्या करने के दोषियों को आजीवन कारावास

छह नवंबर 2020 को दर्ज हुआ था मामला

कुरुक्षेत्र ,10 अगस्त (एजेंसियां)। कुरुक्षेत्र में पौने चार साल पहले प्रेमी के साथ मिलकर सास की हत्या करने के आरोपियों ने अदालत ने दोषी करार देते हुए आजीवन कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी प्रदीप निवासी जाणी जिला करनाल पर 1.03 लाख व ज्योति निवासी गलेडवा पर 48 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है। थाना सदर पिहोवा में छह नवंबर 2020 को दर्ज शिकायत में रंजीत सिंह निवासी पिहोवा ने बताया था कि उसकी शादी गलेडवा गांव में हुई थी। उसकी ससुराल के सभी लोग विदेश में रहते हैं। गांव में सिर्फ उसके साले कृपाल सिंह की पत्नी परमजीत कौर अपनी पुत्रवधू ज्योति के साथ रहती है। छह नवंबर को उसे सूचना मिली थी कि उसके साले की पत्नी परमजीत कौर की किसी ने रसोई में फंदा लगाकर हत्या कर दी। आरोपियों ने गैस की पाइप काटकर आग लगाने का प्रयास भी किया था। शिकायत पर पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच करते हुए आरोपी प्रदीप व ज्योति को गिरफ्तार किया था। उप जिला न्यायवादी प्रदीप मालिक ने बताया कि मामले की नियमित सुनवाई फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट में करते हुए अतिरिक्त जिला एवं सेशन न्यायाधीश की अदालत ने गवाहों व सबूतों के आधार पर आरोपी प्रदीप व ज्योति को विभिन्न धाराओं के तहत दोषी करार देते हुए आजीवन कठोर कारावास और क्रमश 1.03 लाख व 40 हजार रुपये की सजा सुनाई है।

डूबने से दो नाबालिगों की मौत

नारनौल,10 अगस्त (एजेंसियां)। नारनौल के अटेली क्षेत्र के गांव घड़ी (खारीवाडा) के जोहड़ में नहाने उतरे दो नाबालिगों की डूबने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार की टीम, दमकल विभाग के कर्मी व ग्रामीण शवों को बहार निकालने में जुट गए, लेकिन गोत–ाखोरों के अभाव में काफी देर बाद एक युवक का शव मिल सका। इसके बाद दूसरे युवक का शव करीब साढे 4 बजे मिला। मिली जानकारी के अनुसार, गांव घड़ी निवासी 15 वर्षीय गौरव और 16 वर्षीय प्रेम प्रकाश गांव के ही जोहड़ में दोपहर करीब एक बजे नहाने के लिए गए थे, लेकिन उनको क्या पता था कि यह पानी उन पर काल बनकर टूटेगा। बताया जा रहा है कि प्रेम प्रकाश को तैरना कम आता था, जब अधिक पानी के कारण वह डूबने लगा तो गौरव उसे बचाने के प्रयास कर रहा था।

नरवाना ब्रांच नहर में मिला युवती का शव

कैथल,10 अगस्त (एजेंसियां)। कैथल के तितरम थाना के तहत आने वाले एक गांव में रिश्ते में चाचा लगने वाले एक आरोपी ने तीन अन्य लोगों के साथ मिलकर पहले तो 21 वर्षीय युवती का अपहरण कर लिया, बाद में उसकी हत्या कर दी। युवती का शव नरवाना ब्रांच नहर नरवाना से बरामद हुआ है। युवती का अपहरण 3 अगस्त को हुआ था। इस संबंध में तितरम थाना में आरोपी चाचा व तीन अन्य के खिलाफ उसी समय केस भी दर्ज किया गया था। अब युवती का शव मिलने के बाद पुलिस ने हत्या संबंधित धाराओं को मामले में जोड़कर कार्रवाई शुरू की है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

एक ही परिवार के चार का गला काटा, तीन की मौत

बेगूसराय में पति-पत्नी और बेटी की हत्या, बेटा गंभीर

पटना (एजेंसियां)।

बेगूसराय में सोए अवस्था में अपराधियों ने एक ही परिवार के चार लोगों का धारदार हथियार से गर्दन काट दिया।

इसमें पति-पत्नी और बेटी की मौत हो गई है जबकि पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया है। इतना ही नहीं अपराधियों ने चारों के शरीर पर एसिड भी डाल दिया। घायल अवस्था में उसे इलाज के लिए पीएससी में भर्ती कराया है जहां स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। घटना बछवारा थाना क्षेत्र के रसीदपुर स्थित चिरंजीवीपुर गांव की है। घटना के बाद इलाके में सनसनी मच गई। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई।

बताया जा रहा है कि संजीवन महतो अपने सभी परिवार के साथ घर में सोया हुआ था। तभी सोया अवस्था में अपराधियों ने घर में घुसकर धारदार हथियार से पति-पत्नी और पुत्र और पुत्री को गर्दन काट दिया। जिसमें पति-पत्नी और पुत्री की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई है।

वही पुत्र गंभीर रूप से घायल है। मरने वालों की पहचान संजीवन महतो, संजीता देवी और सपना कुमारी के रूप में हुई है। बेटे अंकुश कुमार की हालत गंभीर है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

फिलहाल इस घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने बछवाड़ा थाना पुलिस को दी। मौके बछवाड़ा थाने की पुलिस पहुंचकर पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। बताया जा रहा है कि संजीवन महतो ने दो शादी की थी। पहले से एक बड़ा लड़का है। ग्रामीणों का कहना है कि आपसी रंजिश में ही अपराधियों के द्वारा इस बड़ी घटना को अंजाम दिया गया फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। अपराधियों ने एसिड भी सभी लोगों के शरीर पर डाला गया है। इससे सभी लोग झुलस गए।

सहरसा में कोसी नदी ने तेज किया कटाव, सैकड़ों घर पानी में समाये

लोग विस्थापितों का जीवन जीने को मजबूर

सहरसा (एजेंसियां)।

सहरसा जिले के सलखुआ और नवहट्टा प्रखंड में कोसी नदी के कटाव से स्थानीय लोग काफी परेशान हैं। यहां सैकड़ों घर कटाव की चपेट में आ चुके हैं। नवहट्टा प्रखंड में पूर्वी और पश्चिमी कोसी तटबंध के बीच हाटी पंचायत के कठुआर, नौला और अन्य गांव में कोसी नदी ने कटाव तेज कर दिया है। कटाव का आलम यह है कि नदी गांव के करीब पहुंच गई है। ग्रामीण अपने घर को बचाने के लिए बांस और उसकी झाड़ी का उपयोग कर कटाव को रोकने का प्रयास कर रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक, तटबंध के अंदर सात पंचायतों में से कोसी नदी ने अब तक पांच पंचायतों के सैकड़ों परिवार के घरों का कटाव कर उन्हें विस्थापित की जिन्दगी जीने को मजबूर कर दिया है। मधुबनी और सुपौल जिले की सीमा पर अवस्थित हाटी पंचायत के कठुआर गांव में कोसी नदी ने तेज कटाव शुरू कर दिया है। यहां नदी 50 एकड़ से अधिक उपजाऊ जमीन को बहा ले गई है। नदी अपनी धारा में घरों को समाहित कर बड़ी आबादी को विस्थापन की जिन्दगी जीने को विवश कर देगी।

वहीं, इन विस्थापित परिवारों को अंचल प्रशासन द्वारा प्लास्टिक सीट उपलब्ध करा दी गई है। नदी के घटते बढ़ते जलस्तर के कारण और कोसी बैराज से कोसी नदी में हो रहे डिस्चार्ज में उतार चढ़ाव के कारण भी नदी कटाव तेज कर रही है। इधर, सलखुआ अंचल क्षेत्र के पूर्वी कोसी तटबंध के भीतर चानन पंचायत के डेंगराही गांव के पास खतरा मंडरा रहा है। डेंगराही के अलावा प्रखंड के चानन पंचायत के सिसवा, साम्हरखुर्द पंचायत के साम्हर और बलदही आदि स्थानों पर कोसी नदी का कटाव जारी है।

पटना में उफान पर गंगा, बिहार के 13 जिलों में बारिश और वज्रपात

पटना (एजेंसियां)।

पिछले कुछ दिनों में हुई बारिश से गंगा नदी के जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। बक्सर, पटना से लेकर भागलपुर तक कई इलाकों में गंगा नदी का जलस्तर लाल निशान के पार हो चुका है। भागलपुर के कहलगांव में जलस्तर लाल निशान से सात सेमी ऊपर है। निचले इलाके के कई घरों में गंगा का पानी घुस चुका है। पिछले 24 घंटे में पटना के गांधी घाट पर गंगा नदी का जलस्तर लाल निशान से 54 सेमी ऊपर है। इतना ही नहीं पटना के रिवर फ्रंट पर पानी चढ़ गया है। राजधानी के कुर्जी के समीप बिंद टोली इलाका पूरी तरह जलमग्न हो गया है। एलसीटी घाट के पास गंगा टावर में बाढ़ का पानी घुस गया है। रिपोर्ट के अनुसार, पटना के 20 ब्लॉक के निचले इलाकों में बाढ़ के पानी का फ़ैलाव हो रहा है। पटना के जिलाधिकारी डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने कहा कि

नदियों के जलस्तर पर नजर है। निचले इलाकों की लगातार निगरानी की जा रही है।

इधर, फतुहा प्रखंड के दरियापुर स्थित कटैया घाट के समीप गंगा के जल स्तर बढ़ने से सड़क की कटाव शुक्रवार को बढ़ गया है। गंगा के जल स्तर बढ़ने से कटैया घाट के किनारे बनी सड़क धंस गई। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ गई है। गंगा के किनारे रहने वाले लोग बढ़ते गंगा के स्तर को देखकर परेशान हो रहे हैं। उनका कहना है कि सड़क धंसने की वजह कहीं कटाव तो नहीं। स्थानीय लोगों का कहना है कि गंगा नदी का जल स्तर बढ़ने और तेज कटाव के कारण सड़क के सपोर्ट में खड़ी दीवार नदी में गिर गई। दीवार गिरने के बाद भी कटाव जारी है, जिस वजह से कटैया घाट के किनारे बनी सड़क धंस गई। स्थानीय लोगों ने गंगा नदी के तेज कटाव को देखते हुए बांस रखकर घेराबंदी किया है ताकि कटाव की ओर लोग आ जा न सके।

इधर, मौसम विभाग ने बिहार के पटना समेत 13 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, कैमूर, रोहतास, अरवल, गया, नवादा, पटना, सारण, भोजपुर, बक्सर, अररिया, पूर्णिया, किशनगंज, सीतामढ़ी, के कुछ भागों में अगले एक से तीन घंटे के बीच हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। यहां हवा की गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने के आसार हैं। मौसम विभाग ने इन इलाकों में वज्रपात का भी अलर्ट जारी किया है।

अररिया में बिना एप्रोच व सड़क के एक और पुल बना, ग्रामीणों को हो रही परेशानी

पूर्णिया

अररिया जिले में विगत एक महीने से लगातार ग्रामीण कार्य विभाग के अजब गजब कारनामे सामने आ रहे हैं। इसी सिलसिले में एक और अनोखे पुल की तस्वीर सामने आई है। कुछ दिन पहले रानीगंज में एक अनोखे पुल की तस्वीर सामने आई थी, जहां खेत के बीचों-बीच पुल का निर्माण कर दिया गया था। अब अररिया जिले अंतर्गत पलासी प्रखंड में भी बिना सड़क और अप्रोच पथ के ही आरसीसी पुल का निर्माण कर दिया गया है। इसकी वजह से ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जानकारी के मुताबिक, यह निर्माण पलासी प्रखंड के बरकुम्भा पंचायत के वार्ड नंबर चार का है। यहां मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना के तहत आरसीसी पुल समेत करीब तीन करोड़ रुपये की राशि से 1.700 किलोमीटर की सड़क निर्माण करवाया जाना था। लेकिन बिना अप्रोच पथ और बिना सड़क के ही पुल का निर्माण कर दिया गया, जिसकी वजह से ग्रामीण हलकान हैं।

इस योजना के कार्य प्रारम्भ की तिथि 9/07/2021 थी और कार्य पूर्ण करने की तिथि 8/07/2022 थी। लेकिन अब तक इस पुल के दोनों ओर न तो सड़क बन सकी है और न ही अप्रोच पथ बना है। इस पुल निर्माण की कार्यकारी एजेंसी खुद ग्रामीण कार्य विभाग है। जबकि संवेदक का नाम विकास कुमार वर्मा बताया जा रहा है।

हाजीपुर में पुलिस ने चिता से बरामद किया युवक का शव, एक महिला गिरफ्तार

हाजीपुर (एजेंसियां)।

वैशाली जिले के नगर थानाक्षेत्र के कोनहारा घाट से पुलिस ने चिता पर सजाकर रखे गए एक युवक का शव बरामद किया है। इस दौरान पुलिस ने एक महिला को भी हिरासत में लिया है। मृतक की पहचान चांदपुरा थानाक्षेत्र के जहांगीरपुर श्याम निवासी राजेंद्र राय के बेटे रंजीत कुमार (25) के रूप में हुई है। पुलिस गिरफ्तार की गई महिला से पूछताछ कर रही है। वहीं, सदर अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

घटना को लेकर मृतक के पिता ने बताया कि रंजीत कुमार करीब तीन साल से हाजीपुर के यूसुफपुर में डेरा लेकर रहता था। तीन साल पहले ही एक महिला से प्रेम विवाह किया था। रंजीत स्कॉर्पियो चलाकर अपना घर चलाता था। शुक्रवार को करीब 11 बजे हम नागपंचमी के अवसर पर दूध चढ़ाने गए थे। इसी दौरान मेरे बेटे ने मुंबई से फोन किया कि एक महिला ने फोन किया है कि रंजीत कुमार की सड़क हादसे में मौत हो गई है। घटना की सूचना मिलते ही हम लोग हाजीपुर पहुंचे तो कोनहारा घाट पर शव चिता पर सजाकर जलाने की तैयारी की जा रही थी। उसके बाद घटना की सूचना नगर थाना पुलिस पदाधिकारी को दी गई।

घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। वहीं, एक महिला को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तार की गई महिला की पहचान राघोपुर निवासी अनीता देवी के रूप में हुई है। मृतक के पिता ने कहा कि उक्त महिला मेरे बेटे की हत्या करके आनन-फानन में शव जलाकर सबूत मिटाना चाहती थी।

रंजीत कुमार चार भाइयों में दूसरे नंबर पर था। बड़ा बेटा मुंबई में काम करता है तो रंजीत से दो छोटे भाई गांव में ही रहते हैं। वही, परिवार के लोगों का हाजीपुर सदर अस्पताल में रो-रो कर बुरा हाल है। फिलहाल नगर थाना पुलिस पूरे मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।

सॉल्वर गैंग के नौ सदस्यों के साथ मास्टरमाइंड दिवाकर को पुलिस ने दबोचा

मुंगेर (एजेंसियां)।

बीते 7 जुलाई को केंद्रीय चयन पर्षद द्वारा आयोजित बिहार पुलिस सिपाही परीक्षा से पहले खगड़िया में सॉल्वर गैंग के मास्टरमाइंड दिवाकर कुमार सहित गैंग के 9 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। उनमें दो सदस्य नवादा जिले से हैं। इधर इस मामले में गिरोह का मास्टरमाइंड खगड़िया जिले के परबत्ता थाना क्षेत्र स्थित नयागांव गुड़ियासी निवासी मनोज मंडल का पुत्र दिवाकर कुमार है। पुलिस का कहना है कि मास्टरमाइंड दिवाकर बीते 7 वर्षों से इस गोरखधंधे में शामिल था, जिसके तार बिहार के कई गिरोह से जुड़े हैं। वह शिक्षण संस्थान की आड़ में यह गोरखधंधा कर रहा था।

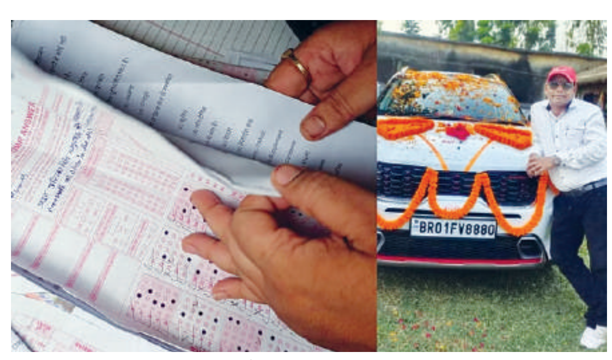

स्थानीय लोगों का कहना है कि खगड़िया जिला के परबत्ता का रहने वाला सॉल्वर गैंग का मास्टरमाइंड दिवाकर कुमार है जिसने 7 वर्षों में अचूक संपत्ति कमाई। बताया जाता है कि वह बिहार के कई गिरोह के साथ मिलकर यह काम कर रहा था। लेकिन परीक्षा के 8 घंटा पहले पुलिस ने उसे और उसके साथियों को गिरफ्तार कर उसके मंसूबों को नाकाम कर दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि दिवाकर काफी गरीब परिवार से था। लेकिन इस धंधे में आने के बाद वह आर्थिक रूप से काफी मजबूत होता चला गया। लोगों का कहना है कि दिवाकर को महंगे सामानों का बहुत शौक है। इस धंधे आने के बाद उसने अपना घर बनाने के साथ महंगी गाड़ी भी खरीदी।

स्थानीय लोगों का कहना है कि खगड़िया में पकड़े गए सॉल्वर गैंग के सदस्यों का बिहार के अन्य जिलों के गिरोह से तार जुड़ा है। फिलहाल खगड़िया पुलिस मामले की जांच कर रही है। नाम नहीं छापने की शर्त पर कुछ लोगों ने बताया कि मास्टरमाइंड दिवाकर काफी दिनों से परीक्षा में सेटिंग करने का काम कर रहा था। इस धंधे में उसका बिहार के कई जिलों से संपर्क था। इस मामले में पुलिस ने दिवाकर के गांव के ही रहने वाले प्रिंस कुमार से पूछताछ के आधार पर नवादा के रहने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि परबत्ता में यह सॉल्वर गैंग वहां पहुंचे 70 छात्रों को परीक्षा के लिए तैयार कर रहा था। लेकिन वह अपने इरादों में कामयाब हो पाता इससे पहले ही खगड़िया पुलिस ने उन सॉल्वर गैंग के सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी स्थल से पुलिस को नकली प्रश्न पत्र समेत फ़र्जी ओएमआर सीट के साथ कई अन्य सामान मिले हैं।

गौरतलब है कि खगड़िया पुलिस इस मामले में हर एक पहलू से जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि पुलिस पूछताछ के आधार पर अभी गिरोह के कई अन्य सदस्यों को भी गिरफ्तारी कर सकती है।इनका कहना है कि मामले की जांच निष्पक्ष और तीव्र गति से होने पर इस सॉल्वर गैंग को लेकर बड़ा खुलासा हो सकता है।

गंगा के बढ़े जलस्तर के कारण सड़क कटी, कई जगहों पर नदियां खतरे के निशान के पार

पटना (एजेंसियां)।

पटना में गंगा नदी का जल स्तर लगातार बढ़ रहा है। फतुहा प्रखंड के दरियापुर स्थित कटैया घाट के समीप गंगा के जल स्तर बढ़ने से सड़क की कटाव शुक्रवार को बढ़ गया है। गंगा के जल स्तर बढ़ने से कटैया घाट के किनारे बनी सड़क धंस गई। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ गई है। गंगा के किनारे रहने वाले लोग बढ़ते गंगा के स्तर को देखकर परेशान हो रहे हैं। उनका कहना है कि सड़क धंसने की वजह कहीं कटाव तो नहीं। स्थानीय लोगों का कहना है कि गंगा नदी का जल स्तर बढ़ने और तेज कटाव के कारण सड़क के सपोर्ट में खड़ी दीवार नदी में गिर गई। दीवार गिरने के बाद भी कटाव जारी है, जिस वजह से कटैया घाट के किनारे बनी सड़क धंस गई।

स्थानीय लोगों ने गंगा नदी के तेज कटाव को देखते हुए बांस रखकर घेराबंदी किया है ताकि कटाव की ओर लोग आ जा न सके।

स्थानीय लोगों ने सड़क के धंसने की सूचना जल संसाधन विभाग को दी। सूचना मिलने पर जल संसाधन विभाग के पदाधिकारी फतुहा पहुंचे और कटाव स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को शाम से कटाव को रोकने के लिए यथावत उपाय शुरु कर दी जाएगी। शाम होते होते बालू भरा बोरा भी मंगाया गया है ताकि फिलहाल कटाव को किसी तरह रोका जाए।

गंगा के जलस्तर में लगातार वृद्धि होने से पुरानी चौक से कटैयाघाट जाने वाली सड़क के पास कटाव शुरू हो गया है। सड़क का कटाव होने से सड़क का अधिकांश भाग धंस कर गंगा में विलीन हो गया। दूसरी तरफ गंगा के जलस्तर में बेतहाशा वृद्धि हुई है लेकिन कटैयाघाट के उपर अभी पानी नही पहुंचा है। वैसे कटैयाघाट की सीढ़ियां करीब करीब गंगा में समा चुकी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com